Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज Published from Ranchi
Ranchi ● Saturday, 06 July 2024 ● Year : 02 ● Issue : 167 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : 3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

सुविचार

जो व्यक्ति अपना लक्ष्य तय नहीं कर सकता, वह जीत भी नहीं सकता।
-चाणक्य

Shweta Tiwari Recalls Kasautii...

SHARE

सेंसेक्स	:	79,996.60
निफ्टी	:	24,323.85

SARAFA

सोना	:	6,870
चांदी	:	97.70

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

भाजपा ने 24 राज्यों के लिए नियुक्त किए संगठन प्रभारी

NEW DELHI : लोकसभा चुनाव के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संगठन में बड़ा फेर बदल किया है। शुक्रवार को पार्टी ने 24 राज्यों/ केन्द्र शासित प्रदेशों के संगठन प्रभारियों और सह प्रभारियों की नियुक्ति की है। पार्टी कार्यालय से जारी विज्ञप्ति के अनुसार पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने नई नियुक्तियों की घोषणा की है। पंजाब में विजयभाई रूपाणी को प्रभारी बनाया गया है। उत्तराखंड में दुष्यंत कुमार गौतम को प्रभारी और रेखा वर्मा को सह प्रभारी बनाया गया है। नागालैंड और मेघालय में अनिल एंटनी को प्रभारी बनाया गया है। झारखंड में लक्ष्मीकांत वाजपेयी को प्रभारी बनाया गया है। मध्य प्रदेश में एमएलसी महेन्द्र सिंह को प्रभारी और सतीश उपाध्याय को सह प्रभारी बनाया गया है। ओडिशा में विजयपाल सिंह तोमर को प्रभारी बनाया गया है। यह सभी नियुक्तियां तत्काल प्रभाव से लागू होंगी। इसी तरह अन्य राज्यों में भी अलग-अलग नेताओं को जिम्मेदारी दी गई है।

कुएं में गिरे पिता को बचाने उतरी पुत्री समेत 4 की मौत

KORBA : कोरबा जिले के कटघोरा थानांतर्गत ग्राम जुराली के डिपरा पारा में कुंआ में गिरे पिता को बचाने उतरी 16 वर्षीय पुत्री समेत चार लोगों की जहरीली गैस की चपेट में आने से मौत हो गयी। घटना शुक्रवार दोपहर 1 बजे की है। मौके पर कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, कलेक्टर अजय वसंत एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी मौजूद हैं। पुलिस के बताया कि मृतक के परिवारिक सूत्रों के अनुसार, बाड़ी में काम करने के दौरान ग्रामीण जहरू पटेल (60) कुंआ में गिर गया। जिसकी जानकारी होने पर पिता को बचाने के लिए उसकी पुत्री सपीना पटेल (16) कुएं में कूद गयी। इसके बाद परिवार के ही दो अन्य सदस्य शिवचरण उर्फ कलीराम पटेल (45) व मनबोध पटेल (57) भी कुंएं नीचे उतरे, लेकिन सभी की मौत हो गयी। पुलिस मौके पर पहुंच गयी है। एसडीआरएफ की टीम बुलाई गई है।

अमृतपाल और रशीद ने ली लोकसभा सदस्य की शपथ

NEW DELHI : राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत जेल में बंद अमृतपाल सिंह ने शुक्रवार को लोकसभा सदस्य के तौर पर शपथ ली। वे खंडूर साहिब लोकसभा सीट से जीतें हैं। शपथ ग्रहण करने के लिए उन्हें चार दिन की पैरोल मिली थी। अब उन्हें वापिस असम की डिबरूगढ़ जेल ले जाया जा रहा है। इस बार चुनकर आए 539 सदस्यों ने लोकसभा के पहले सत्र में शपथ ग्रहण की थी। अमृतपाल के अलावा जम्मू-कश्मीर की बारामुला सीट से चुनकर आए शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद ने भी संविधान की शपथ ली। वे गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत जेल में हैं।

ब्रिटेन चुनाव में हारे सुनक, कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी ने दर्ज की जीत

NEW DELHI (BHASHA) : ब्रिटेन के आम चुनाव में सत्ताधारी कंजर्वेटिव पार्टी की बड़ी हार हुई है। वर्ष 2005 के बाद पहली बार विपक्षी दल लेबर पार्टी ने प्रचंड जीत दर्ज की है। ब्रिटेन में 4 जुलाई को आम चुनाव हुए थे। लंदन में शुक्रवार को सूरज उगते ही चुनाव के नतीजे सामने आने लगे। लेबर पार्टी के नेता कीर स्टार्मर ने अपनी विजय रैली में कहा कि 'आखिरकार इस महान देश के कंधों से एक बोझ हट गया है। परिवर्तन अब शुरू होता है।' लेबर पार्टी को भारी जीत दिलाने के बाद कीर स्टारमर देश के नए प्रधानमंत्री बन गए हैं। निवर्तमान प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने अपनी हार स्वीकार कर ली है। इसके साथ ही सुनक ने अपने इस्तीफे का भी एलान कर दिया है। 4 जुलाई 2024 को ब्रिटेन में 650 संसदीय सीटों के लिए मतदान हुआ। ये चुनाव यूनाइटेड किंगडम के सभी हिस्सों इंग्लैंड, उत्तरी आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स में हुए। 5 जुलाई को ब्रिटेन चुनाव के नतीजे घोषित किए गए। इन चुनावों में कुल 392 पंजीकृत पार्टियां रहीं लेकिन मुख्य मुकाबला ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव और मुख्य विपक्षी नेता कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी के बीच हुआ। अब तक 650 में से 648 सीटों के नतीजे घोषित हो गए हैं। पाटीवार नतीजे देखें तो विपक्षी लेबर पार्टी ने 412 सीटें जीत ली हैं। वहीं मौजूदा सत्ताधारी दल कंजर्वेटिव महज 121 सीटें जीती है। वहीं अन्य छोटे दलों की बात करें तो लिबरल डेमोक्रेट्स ने 71, स्कॉटिश नेशनल पार्टी (एसएनपी) नौ, सिन फेन सात, डेमोक्रेटिक यूनियनिस्ट पार्टी (डीयूपी) पांच और रिफॉर्म पार्टी ने चार सीटें जीती हैं। हालांकि, एक सीट पर पुनर्मतगणना के कारण चुनाव का अंतिम परिणाम शनिवार की सुबह तक घोषित नहीं किया जाएगा।

ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर

नए प्रधानमंत्री स्टार्मर ने देश के पुनर्निर्माण का किया वादा

लंदन ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री के रूप में कीर स्टार्मर ने शुक्रवार को अपने पहले भाषण में आम चुनाव में लेबर पार्टी की भारी जीत के बाद देश के 'हृदय में निराशा' को ठीक करने और राष्ट्र के पुनर्निर्माण का वादा किया। आधिकारिक तौर पर प्रधानमंत्री बनने के बाद स्टार्मर ने राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा, 'हमारा काम अत्यावश्यक है और हम इसे आज से ही शुरू कर रहे हैं।'

चुनाव में दिखी भारत की धमक, भारतीय मूल के कई नेताओं को मिली जीत

ब्रिटेन के आम चुनाव में भारतीयों की भी धमक देखने को मिली है। चुनाव में भारतीय मूल के 26 नेता हाउस ऑफ कॉमंस के लिए के लिए मनोनीत हुए हैं। ब्रिटेन में इस बार कई कंजर्वेटिव नेताओं को करारी हार का सामना करना पड़ा है। बावजूद ब्रिटिश भारतीय के रूप में ऋषि सुनक रिचमंड और नॉर्थलेर्टन सीटें बचाने में कामयाब रहे। सुनक के लिए इस चुनाव में यह राहत की बात रही। ऋषि सुनक ने रिचमंड और नॉर्थलेर्टन की जनता का आभार प्रकट किया है। अन्य भारतीय मूल के नेताओं की बात करें तो कंजर्वेटिव पार्टी के सुएला ब्रेवर्मन और प्रीति पटेल ने जीत हासिल की है। सुएला ब्रेवर्मन ने फेरेहम और वाटरलूइल सीटों से जीत हासिल की तो प्रीति पटेल, विथम लोकसभा सीट से जीतीं हैं। कंजर्वेटिव पार्टी के गगन मोहिंद्रा ने ने साइथ वेस्ट हर्टफोर्डशायर सीट पर जीत का परचम लहराया है। लीसेस्टर से सुनक की पार्टी की शिवानी राजा ने जीत हासिल की है। शिवानी राजा ने लेबर पार्टी के भारतीय मूल के नेता राजेश अग्रवाल को हराया है। वहीं लेबर पार्टी के कई भारतीय मूल के नेताओं को भी जीत मिली है। लेबर पार्टी की सीमा मलहोत्रा ने फेल्थम और हेस्टन लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। लेबर पार्टी वेलेरी वेज ने वॉल्सॉल और ब्लॉक्सविच लोकसभा क्षेत्रों से जीत हासिल की है। वहीं, लेबर पार्वी की लीसा नंदी को विगन लोकसभा सीट से जीत मिली है। लेबर पार्टी की प्रीत कौर गिल बर्मिंघम एजबेस्टन से जीत हासिल की है। इसके अलावा तन्मजीत सिंह ने स्लॉग लोकसभा सीट से जीत का परचम लहराया है। लेबर पार्टी ने नवेंदु मिश्रा ने स्टॉकपोर्ट और नादिया व्हिट्टोम ने नॉटिंघम ईस्ट सीट से लेबर पार्टी को जीत दिलाई है। ब्रिटेन के आम चुनाव में कई ब्रिटिश भारतीय नागरिकों ने नए चेहरों के रूप में लेबर पार्टी के टिकट पर जीत दर्ज की है। इनमें इफोर्ड साउथ से जस अथवाल, डर्बी साउथ से बैगी शंकर, साउथहेम्पटन टेस्ट सीट से सतवीर कौर, हदर्सफील्ड सीट से हरप्रीत उप्पल, वोल्वेरहेम्पटन वेस्ट से वरिंदर जस, स्मैथविक सीट से गुरिंदर जोसन, वेल ऑफ ग्लेमॉर्गन सीट से कनिष्का नारायण, इुडले सीट से सोनिया कुमार, वोल्वेरहेम्पटन नॉर्थ ईस्ट सीट से सुरीना ब्रेकनब्रिज, बोल्टोन नॉर्थ ईस्ट से किरिथ एंटविस्टल, लोफबोरोग सीट से जीवुन संधेर और एशफोर्ड सीट से सोजन जोसफ ने जीत हासिल की।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान एनटीए ने कहा-

नीट-यूजी को रद्द करना सार्वजनिक हित के प्रतिकूल और हानिकारक

NEW DELHI (BHASHA) : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय को बताया कि विवादों से घिरी नीट-स्नातक 2024 परीक्षा को रद्द करना बेहद प्रतिकूल होगा और व्यापक जनहित के लिए, विशेष रूप से इसे उत्तीर्ण करने वालों के करियर की संभावनाओं के लिए, काफी हानिकारक होगा।

शीर्ष अदालत में दायर एक याचिका के जवाब में दाखिल अपने हलफनामे में नीट-स्नातक की परीक्षा आयोजित करने वाले एनटीए ने कहा कि कथित घटना/लीक के प्रयास का 5 मई को आयोजित पूरी परीक्षा के संचालन पर कोई असर पड़ता नहीं दिखा है क्योंकि जांच एजेंसियों द्वारा इसमें शामिल पाए गए उम्मीदवारों की संख्या, परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों की संख्या की तुलना में नगण्य है।

एनटीए ने कहा, 'उपर्युक्त कारक के आधार पर पूरी परीक्षा को रद्द करना, व्यापक जनहित के लिए, विशेष रूप से योग्य उम्मीदवारों के करियर की संभावनाओं के लिए, अत्यधिक प्रतिकूल और हानिकारक होगा।'

एजेंसी ने कहा कि नीट-स्नातक 2024 परीक्षा बिना किसी अवैध गतिविधि के पूरी तरह से निष्पक्ष और गोपनीयता के साथ आयोजित की गई थी और 'सामूहिक कदाचार' का दावा पूरी तरह से अपुष्ट, भ्रामक है और इसका कोई आधार नहीं है।'

एमबीबीएस, बीडीएस, आयुष और अन्य संबंधित चिकित्सा पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए एनटीए द्वारा पांच मई को राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) आयोजित की गई थी।

शीर्ष अदालत आठ जुलाई को विभिन्न याचिकाओं पर सुनवाई करेगी, जिनमें पांच मई को आयोजित परीक्षा में अनियमितताओं का आरोप लगाने वाली तथा परीक्षा को नए सिरे से आयोजित करने का निर्देश देने के अनुरोध वाली याचिकाएं भी शामिल हैं।

इस परीक्षा में प्रश्न पत्र लीक सहित कई अनियमितताओं के आरोपों के कारण कई शहरों में विरोध प्रदर्शन हुए तथा प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दलों के बीच वाद-विवाद हुआ।

विदेशी चिकित्सा परीक्षा को लेकर बोर्ड ने किया आगाह

NEW DELHI : विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा (एफएमजीई) से एक दिन पहले 'आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड' ने शुक्रवार को आगाह करते हुए कहा कि सोशल मीडिया समूह पैसे के बदले परीक्षा का प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने का वादा करके अभ्यर्थियों से धोखाधड़ी करने का प्रयास कर रहे हैं। एफएमजीई को विदेश से चिकित्सा में स्नातक की डिग्री लेने वाले विद्यार्थियों के लिए आयोजित किये जाने वाली 'स्क्रीनिंग परीक्षा' के नाम से भी जाना जाता है। बोर्ड ने एक नोटिस में कहा, 'कल के एफएमजीई के लिए प्रश्नपत्र अब भी तैयार किया जा रहा है।' विदेशी चिकित्सा स्नातक परीक्षा शनिवार को लगभग 50 शहरों में 71 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। यह देश में चिकित्सा के पेशे में उतरने की पात्रता हासिल करने के लिए एक स्क्रीनिंग परीक्षा है जिसमें विदेश से चिकित्सा स्नातक की डिग्री हासिल करने विद्यार्थी शामिल होते हैं।

11 अगस्त को होगी नीट-पीजी की परीक्षा बोर्ड का ऐलान

NEW DELHI : राष्ट्रीय प्रवेश सह पात्रता परीक्षा - स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) 2024 की शुक्रवार को नई परीक्षा तिथि घोषित कर दी गई। इसके मुताबिक अब नीट-पीजी परीक्षा 11 अगस्त को होगी। राष्ट्रीय चिकित्सा विज्ञान परीक्षा बोर्ड राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीईएमएम) ने शुक्रवार को नीट-पीजी 2024 के आयोजन का संशोधित कार्यक्रम घोषित कर दिया। एनबीईएमएम के 22 जून के नोटिस के क्रम में नीट-पीजी परीक्षा के आयोजन को पुनर्निर्धारित किया गया है। नीट-पीजी 2024 अब 11 अगस्त को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी में कथित विसंगतियों को लेकर विवाद के बीच केंद्र ने निर्धारित तिथि से ठीक एक दिन पहले यानी 23 जून को नीट-पीजी परीक्षा भी स्थगित कर दी थी।

लातेहार पुलिस को मिली बड़ी सफलता

दो इनामी नक्सलियों ने किया आत्मसमर्पण

LATEHAR (AGENCY) लातेहार में शुक्रवार को दो बड़े माओवादी नक्सलियों ने पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में भाकपा माओवादी संगठन के जोनल कमांडर नीरज सिंह खरवार और राजकुमार उर्फ सालमन गंझु शामिल है। दोनों पर 10-10 लाख रुपए का इनाम घोषित था। पलामू डीआईजी वाई एस रमेश, लातेहार डीसी गरिमा सिंह और एसपी अंजनी अंजन ने आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों को गुलदस्ता देकर सम्मानित किया। कमांडर नीरज सिंह खरवार पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र का रहने वाला है। जबकि राजकुमार गंझू लातेहार के बालूमाथ का रहने वाला है।

शुक्रवार को लातेहार पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित कार्यक्रम में दोनों नक्सलियों ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के समक्ष आत्म समर्पण किया। बताया जाता है कि नीरज सिंह खरवार पिछले 20 वर्षों से माओवादी संगठन से जुड़कर विभिन्न प्रकार के नक्सली घटनाओं में शामिल रहा था। उस पर विभिन्न थाना क्षेत्र में 25 से अधिक नक्सली घटनाओं के मामले दर्ज हैं। वही राजकुमार गंझू पिछले 22 वर्षों से माओवादी संगठन से जुड़ा हुआ था।

आत्मसमर्पण झारखंड सरकार की सबसे बेहतरीन नीति : डीआईजी

मौके पर पलामू क्षेत्र के डीआईजी वाइएस रमेश ने कहा कि झारखंड सरकार की आत्मसमर्पण नीति सबसे बेहतरीन नीतियों में एक है। इसलिए प्रत्येक नक्सली को हिंसा का रास्ता छोड़कर आत्मसमर्पण नीति का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आत्म समर्पण नीति के तहत आत्म समर्पण करने वाले नक्सलियों को सभी प्रकार की सरकारी सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। वहीं लातेहार डीसी गरिमा सिंह ने कहा कि नक्सलवाद और हिंसा किसी भी समस्या का समाधान नहीं है।

15वें चीफ जस्टिस बने डॉ. बीआर सारंगी

झारखंड हाई कोर्ट के 15वें चीफ जस्टिस के रूप में डॉ. बीआर सारंगी ने शुक्रवार को शपथ ली। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने उन्हें राजभवन के बिरसा मंडप में पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। पूर्व चीफ जस्टिस संजय कुमार मिश्रा की सेवानिवृत्ति के बाद वह नए चीफ जस्टिस बने हैं। शपथ ग्रहण समारोह में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ उपस्थिति रहे।

राहुल पहुंचे हाथरस, भगदड़ पर एसआईटी ने योगी को सौंपी रिपोर्ट

नेता विपक्ष ने पीड़ितों के लिए मांगा अधिकतम मुआवजा

HATHRAS (AGENCY) : लोकसभा में नेता विपक्ष एवं सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को हाथरस भगदड़ कांड के प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। राहुल गांधी ने उनसे मिलकर उनका दर्द बांटा और साथ खड़े होने का आश्वासन दिया। उन्होंने प्रशासन को इस घटना का दोषी करार देते हुए इस मामले को संसद में उठाने का भरोसा दिया। राहुल गांधी ने आगरा रोड विभव नगर नबीपुर खुर्द स्थित ग्रीन पार्क में सत्संग के दौरान भगदड़ में घायल और मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। राहुल ने आशा देवी, मुन्नी देवी और ओमवती के परिवारीजनों से मुलाकात की और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली। पीड़ितों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बातचीत के दौरान राहुल गांधी ने कहा कि हाथरस भगदड़ कांड में प्रशासन की कमी तो रही। गलतियां हुई हैं, उनका पता लगाना चाहिए।

आर्थिक मदद ज्यादा से ज्यादा मिलनी चाहिए। ये गरीब परिवार थे। मैं यूपी के सीएम से अनुरोध करता हूं कि वो दिल खोलकर आर्थिक मदद दें।

यूपी के सीएम को दी गई 15 पेज की रिपोर्ट

उत्तर प्रदेश के हाथरस में भगदड़ मामले को लेकर एसआईटी की रिपोर्ट आ गई है। यूपी के डीजीपी प्रशांत कुमार और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने आज शुक्रवार सुबह सीएम योगी आदित्यनाथ के सरकारी आवास पांच कालीदास मार्ग पहुंचे और मुख्यमंत्री से मिलकर एसआईटी की 15 पन्नों की रिपोर्ट सौंप दी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने 24 घंटे में इस रिपोर्ट को पेश करने के निर्देश दिए थे। एडीजी आगरा और अलीगढ़ कमिश्नर के नेतृत्व में रिपोर्ट तैयार की गई है।

न्यायिक आयोग की टीम आज जाएगी हाथरस

प्रदेश सरकार की ओर से सत्संग के बाद हुई भगदड़ घटना के लिए न्यायिक जांच आयोग का गठन किया गया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायाधीश बृजेश कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय टीम 6 जुलाई को हाथरस आएगी। जांच आयोग की इस टीम में पूर्व आईएएस हेमंत राव, पूर्व आईपीएस भवेश कुमार सिंह मौजूद रहेंगे। न्यायिक जांच आयोग की टीम सुबह 11 बजे हाथरस पहुंचेगी। सुबह 11 बजे से 12 बजे तक टीम के डीएम, एसपी व अन्य अधिकारियों से वार्ता करेगी।

मोदी की रूस यात्रा से पहले 35 हजार नई राइफलें रक्षा मंत्रालय को मिलीं, 25 फीसद पार्ट भारत में हुआ तैयार

अमेठी की फैक्ट्री में बनीं एके-203 असॉल्ट राइफलें

NEW DELHI (AGENCY) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रूस यात्रा पर जाने से ठीक पहले दोनों देशों के बीच एक संयुक्त उद्यम इंडो-रूसी राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) ने 35 हजार एके-203 असॉल्ट राइफलें रक्षा मंत्रालय को सौंप दी हैं। रूस के रोस्टेक राज्य निगम रोबोरोनएक्सपोर्ट ने शुक्रवार को कलाश्निकोव राइफलें सौंपने का आधिकारिक रूप से ऐलान किया। प्रधानमंत्री मोदी 08-10 जुलाई को रूसी संघ और ऑस्ट्रिया गणराज्य की आधिकारिक यात्रा करेंगे। वह 22वें वार्षिक शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। रूस के सहयोग से उत्तर प्रदेश के अमेठी स्थित कोरवा ऑर्डिनेंस फैक्टरी में एके-203 राइफलों का निर्माण करने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 3 मार्च, 2019 को इस योजना का औपचारिक उद्घाटन किया था। लगभग एक दशक तक इंतजार के बाद अमेठी की इस आयुध फैक्टरी में पिछले साल जनवरी में एके-203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन शुरू हुआ था। एके-203 असॉल्ट राइफल 7.6239 मिमी कारतूस के लिए बनाई गई एके-200 राइफल का एक संस्करण है। इसी के साथ भारत विश्व प्रसिद्ध ब्रांड कलाश्निकोव की एके-200 सीरीज की असॉल्ट राइफलों का उत्पादन शुरू करने वाला पहला देश बन गया। अब इस फैक्टरी में तैयार 35 हजार असॉल्ट राइफलों की पहली खेप रक्षा मंत्रालय को सौंप दी गई है। प्रधानमंत्री मोदी की रूस यात्रा से ठीक पहले आईआरआरपीएल ने शुक्रवार को 35 हजार राइफलों का उत्पादन होने और भारतीय रक्षा मंत्रालय को हस्तांतरित करने औपचारिक घोषणा रूस के रोस्टेक राज्य निगम ने की है। रोबोरोनएक्सपोर्ट के महानिदेशक अलेक्जेंडर मिखेव ने एक बयान में कहा कि शुरूआत में तैयार होने वाली 7.62 39 एमएम कैलिबर की 70 हजार एके-203 राइफल्स में रूसी कलपुर्जे लगे होंगे लेकिन इसके बाद यह पूरी तरह से स्वदेशी हो जाएगी। राइफल्स का स्वदेशीकरण करने के लिए सभी आवश्यक उपकरण कोरवा आयुध कारखाने में भेज दिए गए हैं। प्रारंभिक बैच विभिन्न सेना इकाइयों को सौंप दिया गया है और अब बाद के बैचों का निरीक्षण करके उन्हें बहुत जल्द सौंप दिया जाएगा। रोस्टेक के महानिदेशक सर्गेई चेमेजोव ने कहा कि कहा कि भारत में निर्मित एके-203 राइफलों का मॉडल उत्कृष्ट एर्गोनॉमिक्स के साथ दुनिया में सबसे अच्छी अटैक राइफल्स में से एक है। फिलहाल इसमें 25 फीसद पार्ट भारत में तैयार किए हुए लगे हैं। एके-203 असॉल्ट राइफलों का उत्पादन शुरू होने के साथ ही आधुनिक छोटे हथियार भारत की रक्षा और कानून प्रवर्तन एजेंसियों के इस्तेमाल में जल्द आ जाएंगे।

देश ने रक्षा उत्पादन में सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की: राजनाथ सिंह

NEW DELHI : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को कहा कि देश ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है, जो पिछले वित्तीय वर्ष से 16.8 प्रतिशत बढ़कर 1,26,887 करोड़ रुपये रहा है। उन्होंने कहा कि 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम नये कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। सिंह ने कहा कि सरकार भारत को एक अग्रणी वैश्विक रक्षा विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने के लिए अधिक अनुकूल व्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'भारत ने 2023-24 में रक्षा उत्पादन के मूल्य में अब तक की सबसे अधिक वृद्धि दर्ज की है। रक्षा उत्पादन 2023-24 में 1,26,887 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है जो पिछले वित्तीय वर्ष के उत्पादन के मूल्य से 16.8 प्रतिशत अधिक है।'

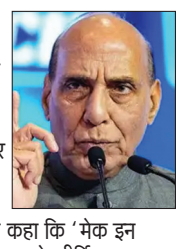

पीएम की रूस यात्रा को लेकर बोले विदेश सचिव

तीन साल बाद हो रही भारत रूस शिखरवार्ता महत्वपूर्ण

NEW DELHI (AGENCY) : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच बहु प्रतिष्ठित शिखरवार्ता 8-9 जुलाई को मास्को में होगी। तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यह नरेन्द्र मोदी की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। यूक्रेन संघर्ष तथा फिलिस्तीन संघर्ष के दौरान होने वाली इस यात्रा को बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह इस बात को भी दशार्ता है कि वर्तमान सरकार रूस के साथ भारत के संबंधों को कितना महत्व देती है। प्रधानमंत्री की विदेश यात्रा से पूर्व विदेश सचिव विनय मोहन क्वात्रा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि प्रधानमंत्री मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा होगी। यूक्रेन संघर्ष और इससे पड़ने वाले प्रभावों पर दोनों नेताओं के बीच अकेले में बातचीत होगी और इसके बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता होगी। उनकी बातचीत में रक्षा, निवेश संबंधों, ऊर्जा और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र की समीक्षा होगी।

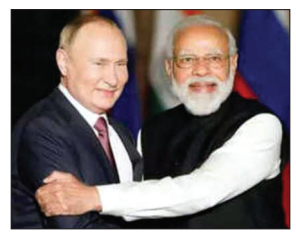

BRIEF NEWS

राज्यपाल ने विधानसभा के विशेष सत्र को दी मंजूरी

RANCHI : राजपाल सीपी राधाकृष्णन ने झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र आठ जुलाई को आहूत करने के लिए मंजूरी दे दी है। विधानसभा का विशेष सत्र पूर्वाह्न 11 बजे शुरू होगा। इस दिन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बहुमत साबित करेंगे। एक दिन चलने वाले विशेष सत्र के संबंध में मंत्रिमंडल सचिवालय एवं समन्वय विभाग ने शुक्रवार को अधिसूचना जारी कर दी है।

रामगढ़ शहर में कर्णधार संस्था ने लगाए 251 पौधे

RAMGARH : कर्णधार सामाजिक एवं सांस्कृतिक संस्था ने आज 251 पौधे लगाए। इसके साथ शहर के गढ़बांध के समीप शुक्रवार को 'धरती जल रही है' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान वहां मौजूद लोगों को पौधरोपण की महत्ता और पर्यावरण में आए बदलाव की जानकारी दी गई। इस दौरान संस्था के पदाधिकारियों ने 1001 पौधे लगाने का संकल्प लिया। अध्यक्ष जयदीप सोनी ने कहा कि आज संस्था की तरफ 251 पौधों का रोपण हुआ।

आकांक्षी प्रखंड किस्को में संपूर्णता अभियान शुरू

LOHARDAGA : आकांक्षी प्रखण्ड किस्को में तीन माह तक चलने वाले संपूर्णता अभियान की आज शुरूआत हुई। इस दौरान उच्च विद्यालय किस्को एवं कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने प्रभात फेरी निकालकर लोगों को स्वास्थ्य और शिक्षा के लिए जागरूक किया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि डॉ बनुश्री वेल पांडियन ने कहा कि जनता के सहयोग से ही आकांक्षी कार्यक्रम को सफल बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने आकांक्षी प्रखण्ड अंतर्गत चयनित किस्को प्रखण्ड में निर्धारित इंडिकेटर्स को लेकर किए गए कार्यों को बताया। साथ ही आगामी दिनों में होने वाले कार्यों की रूपरेखा की जानकारी दी।

अव्यवस्था के कारण शांति समिति की बैठक स्थगित

PALAMU : मोहर्रम को लेकर मेदिनीनगर शहर थाना में आयोजित शांति समिति की बैठक अव्यवस्था की भेंट चढ़ गई। व्यवस्थित तरीके से बैठक का आयोजन नहीं होने और मौके पर बड़े अधिकारियों और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी की गैर मौजूदगी रहने के कारण बैठक का बहिष्कार किया गया। शुक्रवार की शाम पांच बजे से शहर थाना परिसर में शांति समिति की बैठक रखी गई थी।

निलंबित आईएएस से जुड़े मामले में हुई गवाही

RANCHI : मनरेगा घोटाले की राशि का मनी लाउंड्रिंग के आरोप में जेल में बंद निलंबित आईएएस अधिकारी पूजा सिंघल से जुड़े मामले में पीएमएलए कोर्ट में शुक्रवार को गवाही दर्ज हुई। ईडी की ओर से जारी गवाह पंतजलि मिश्रा की गवाही दर्ज की गई। गवाही पूरी होने के बाद बचाव पक्ष की ओर से जिरह किया गया। गवाह ने ईडी को दिए बयान को कोर्ट में कहा। गवाही के दौरान जेल में बंद पूजा सिंघल वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से उपस्थिति होकर सुन रही थीं।

रामगढ़ पहुंचे शिवराज सिंह चौहान, बोले- सत्ता के भूखे हेमंत ने चम्पाई को हटाया

झामुमो-कांग्रेस ने झारखंड को अंधकार में धकेला, अब होगा अंत

PHOTON NEWS RAMGARH : झारखंड के रामगढ़ जिले के हथमारा गांव स्थित भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में पदाधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद केंद्रीय कृषि मंत्री सह झारखंड चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश की सरकार पर जमकर हमला बोला।

उन्होंने कहा कि झामुमो और कांग्रेस की सरकार ने पूरे प्रदेश को अंधकार में धकेल दिया है। एक वादा पूरा नहीं हुआ। बेरोजगारों की सुध लेने वाला कोई नहीं। शिवराज ने कहा कि बेरोजगारी भत्ता नहीं मिला। छह महीने से पेंशन का भुगतान नहीं हुआ। जिन योजनाओं की घोषणा हुई, इसका लाभ लोगों को नहीं मिल रहा। किसान त्रस्त हैं। बिजली कटौती चरम पर है। अब ऐसे कुशासन का अंत निश्चित है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी झारखंड में सुशासन लाएगी और यहां की जनता ने भी अब यह मन बना लिया है। चुनाव प्रभारी ने कहा कि लोकसभा चुनाव में 14 में नौ सीटें भारतीय जनता पार्टी और उनके गठबंधन की पार्टी ने जीती है जबकि 52 विधानसभा सीटों पर भाजपा और गठबंधन दल को बढ़त मिली है। यहां की जनता अराजकता के बीच जी रही है। शिवराज ने हेमंत सोरेन को सत्ता का भूखा कहा। उन्होंने कहा कि जिस आदिवासी नेता चम्पाई सोरेन को मुख्यमंत्री पद पर आसीन किया उन्हें वह कुछ और महीने बर्दाश्त नहीं कर पाए। इससे हेमंत सोरेन ने यह साबित कर दिया कि परिवार के अलावा कोई और इस सत्ता के बीच नहीं आना चाहिए।

बैठक में उपस्थित शिवराज सिंह चौहान व भाजपा के अन्य नेता। ● फोटोन न्यूज

विचारधारा आत्मा है तो कार्यकर्ता प्राण

शिवराज ने कहा कि भाजपा की विचारधारा इसकी आत्मा है और कार्यकर्ता उसके प्राण हैं। उन्हें सम्मान देना हमारा स्वभाव भी है। उन्होंने कहा कि मैं हमेशा कार्यकताओं के बीच जाता हूं और उनके साथ ही नाश्ता और भोजन करता हूं। मेरा सौभाग्य है कि झारखंड की इस पवित्र धरा पर आने का अवसर मिला। इसी संकल्प के साथ कार्यकताओं के बीच आया हूं। सहज, सरल और परिश्रमी इन्हीं कार्यकताओं के बल पर हम यहां भाजपा की सरकार बनाएंगे।

भाजपा कार्यालय में किया पौधारोपण

केंद्रीय कृषि मंत्री प्रभारी शिवराज सिंह चौहान रामगढ़ के हाथमारा में स्थित भाजपा कार्यालय में पौधारोपण किया। मौके पर उनके साथ हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल और पार्टी के कई पदाधिकारी शामिल थे। पार्टी कार्यालय पहुंचते ही शिवराज सिंह चौहान ने सभी लोगों का अभिवादन किया और बैठक की शुरूआत दीप प्रज्वलित कर की। यहां लगभग दो घंटे तक वह पार्टी के पदाधिकारी से बात करेंगे और झारखंड में होने वाले चुनाव की तैयारी पर चर्चा करेंगे। प्रखंड और बूथ स्तर पर चुनाव लड़ने की पूरी रणनीति बनाई जा रही है। झारखंड विधानसभा चुनाव भाजपा के लिए एक बड़ी चुनौती है।

सेप्टिक टैंक के गैस रिसाव से चार छात्राएं हुईं बेहोश

अस्पताल में भर्ती छात्राएं। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : प्रमंडल अंतर्गत गढ़वा जिले के श्री बंशीधर नगर प्रखंड अंतर्गत कोलझिंकी गांव में सेप्टिक टैंक से गैस रिसाव होने से उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोलझिकी की चार छात्राएं बेहोश हो गईं। घटना शुक्रवार दोपहर की है। बेहोश होने की सूचना मिलते ही स्कूल में अफरा-तफरी मच गई। स्कूल के शिक्षकों ने तत्काल इसकी सूचना अनुमंडल प्रशासन को दी। एसडीओ प्रभाकर मिर्धा के निर्देश पर कार्यपालक दंडाधिकारी हंस हेंब्रम, थाना प्रभारी आदित्य कुमार नायक एवं अनुमंडल अस्पताल की डीएस डॉ. सुचित्रा कुमारी के नेतृत्व में मेडिकल टीम ने आनन-फानन में स्कूल पहुंचकर बीमार बच्चियों की स्वास्थ्य जांच की। स्कूल में ही बच्चियों को स्लाईन चढ़ाया गया और दवा दी गई, जिसके बाद सभी के सेहत में सुधार हुआ। घटना के संबंध में मिली जानकारी के अनुसार स्कूल के बगल में स्थित इम्तेयाज अंसारी की सेप्टिक टैंक से निकली गैस के कारण उत्क्रमित मध्य विद्यालय कोलझिकी में अध्ययनरत चार छात्राएं बेहोश हो गई। स्कूल पहुंचे कार्यपालक दंडाधिकारी हंस हेम्ब्रम ने घटना की विस्तृत जांच की। कार्यपालक दंडाधिकारी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। बच्चियों की स्थिति अब ठीक है।

विधायक ने दी 61 छात्र छात्राओं को साइकिल

साइकिल के साथ छात्राएं व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय के राजकीय मध्य विद्यालय में शुक्रवार को कल्याण विभाग से 61 छात्र-छात्राओं के बीच साइकिल का वितरण किया गया। रामगढ़ विधायक सुनीता चौधरी के द्वारा छात्रों को सांकेतिक रूप से यह साइकिल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मौके पर विधायक सुनीता चौधरी ने कहा कि छात्र-छात्राओं का मनोबल बढ़ाना है। खासकर छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रेरित करना है। अभी तो ये मध्य विद्यालय में है और सरकार इन्हें प्रोत्साहित कर रही है। यह बच्चियां बेहतर शिक्षा हासिल कर देश के उज्जवल भविष्य में अपना योगदान देगी। मौके पर प्रखंड प्रमुख करुणा देवी, कुंदरुकला मुखिया किशुन राम मुंडा, बारलोंग मुखिया रेखा देवी, आजसू पार्टी रामगढ़ नगर सचिव नीरज मंडल, महिला मोर्चा नगर अध्यक्ष अनुपमा सिंह, अनुसूचित जाति जिला अध्यक्ष उत्तम पासवान, जिला उपाध्यक्ष संजय बनारसी, जीतू मिश्रा, नंदू महतो मौजूद थे।

मालवाहक ट्रक से लाखों की अवैध शराब जब्त

GIRIDIH : उत्पाद विभाग की टीम ने शुक्रवार को पपरवाटांड़ नगर निगम टोल टैक्स के समीप अवैध शराब लदे एक मालवाहक ट्रक को जब्त किया है। ट्रक में धान की भूसी में छुपाकर लाखों रुपये मूल्य की इम्पेरियम ब्लू ब्रांड की सौ के करीब पेटियां रखी थीं। टीम ने चालक को गिरफ्तार कर लिया है।इस संबंध में उत्पाद अवर निरीक्षक कुमार महेंद्र देवगम ने बताया कि उत्पाद अधीक्षक के निदेर्शानुसार यह कार्रवाई की गयी है। उन्होंने बताया कि सूचना मिली थी कि डुमरी तरफ से अवैध शराब लदा एक ट्रक गिरिडीह की ओर आ रहा है। सूचना पर मुफसील थाना क्षेत्र के पपरवाटांड रोड में टीम ने एक संदिग्ध वाहन को रोक कर तलाशी लिया। छापेमारी दल में उत्पाद अवर निरीक्षक कुमार महेंद्र देवगम, मनीष कुमार, हवलदार राम बच्चन प्रसाद, अजय कुमार सिंह, भगवान राय, सुरेंद्र यादव थे।

डीसी ने एमआरएमसीएच का किया निरीक्षण बोले- एमडी पीडियाट्रिक्स की जल्द होगी बहाली

निरीक्षण करते उपायुक्त शशि रंजन व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : उपायुक्त शशि रंजन ने शुक्रवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमआरएमसीएच) का निरीक्षण किया। उपायुक्त ने नये अस्पताल भवन के साथ साथ सभी वार्डो का जायजा लिया। सफाई एवं समय पर डाक्टरों की उपस्थिति देखी। हालांकि, उपायुक्त ने कई असुविधाओं को भी देखा और सुधार करने के लिए निर्देशित किया। उपायुक्त ने करीब 45 मिनट तक पूरे अस्पताल परिसर का जायजा लिया। उनके साथ जिले के सिविल सर्जन डा. अनिल कुमार, डा. आरके रंजन, डीपीएम दीपक कुमार सहित अन्य डाक्टर एवं कर्मी मौजूद थे। निरीक्षण के बाद उपायुक्त ने कहा कि ऑपरेशन थियेटर एक है, उसको तीन में कनवर्ट किया जा सकता है। आइसीयू और पीएसीयू की सुविधा बढ़ायी जा सकती है। इसके लिए तैयारी की जा रही है। एमआरएमसीएच में एमडी पीडियाट्रिक्स की आवश्यकता महसूस की गयी है। डीएमएफटी से एक डाक्टर को ट्रेनिंग कराकर परमानेंट उसे एमडी पीडियाट्रिक्स के रूप में बहाल किया जायेगा। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर में अनावश्यक रूप से दिनभर जमा रहने वाले लोगों एवं अस्पताल में भर्ती मरीज को बहला-फुसलाकर निजी अस्पतालों में ले जाने पर जल्द एक्शन लिया जायेगा। कोई भी एक्स्ट्रा आदमी अस्पताल में अनावश्यक रूप से मौजूद नहीं रहेगा। मौके पर मौजूद सिविल सर्जन डॉ. अनिल कुमार ने कहा कि उपायुक्त ने असुविधाओं को देखकर उसे दुरुस्त करने का निर्देश दिया है। सफाई और डाक्टरों की उपस्थिति पर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। शिशुओं, बच्चों और किशोरावस्था की चिकित्सा देखभाल से संबंधित कार्य के लिए एमआरएमसीएच में एमडी पीडियाट्रिक्स की बहाली होगी। 18 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के स्वास्थ्य देखभाल से संबंधित हर चीज से निपटना आसान हो जायेगा। यदि दो साल तक एमडी पीडियाट्रिक्स रह जाते हैं तो यहां इसकी पढाई भी शुरू हो जायेगी और पीजी की क्लास भी शुरू हो जायेगी। उन्होंने कहा कि 15 से 20 दिनों में और परिवर्तन देखने को मिलेगा।

अलग हुआ झारखंड, लेकिन अबतक पूरा नहीं हुआ सपना : जयराम महतो

जयराम महतो का स्वागत करते कार्यकर्ता। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : झारखंड राज्य को अलग बनाने का एक उद्देश्य था, जिसके लिए वर्षों तक आंदोलन हुआ लेकिन 24 वर्षों के बाद भी झारखंड के निवासियों का सपना पूरा नहीं हो सका। यहां ना तो स्थानीय नीति बनी और ना ही विस्थापन नीति तैयार हो सकी। यह बात शुक्रवार को रामगढ़ के बरकाकाना में जिला स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी प्रमुख जयराम महतो ने कही। महतो ने कहा कि दुर्भाग्य यह है कि झारखंड में आज तक उद्योग नीति, नियोजन नीति गंभीरता से काम नहीं किया गया। यही वजह है कि यहां के मूलवासी आज भी दर-दर के ठोकरे खा रहे हैं। उन्होंने झारखंडी भाषा खतियान संघर्ष समिति के उद्देश्यों के प्रति लोगों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 झारखंड के लिए काफी अहम साबित होने वाला है। आज यहां कार्यकर्ता सम्मेलन है लेकिन इसमें झारखंड किसान बेरोजगार संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष पंकज महतो, आजसू पार्टी के हजारीबाग के जिला सचिव कपिलदेव महतो, हाई कोर्ट अधिवक्ता शिव प्रसाद महतो, ज्योति महतो तथा अन्य दल के लोगों ने भी समर्थकों के साथ जेबीकेएसएस का दामन थामा है। लोग बड़ी उम्मीद के साथ पार्टी की विचारधारा से लोग जुड़ रहे हैं। निश्चित तौर पर 2024 एक बदलाव का संकेत है। समारोह की अध्यक्षता संजीव साहू ने की और संचालन देवानंद महतो ने किया। में केंद्रीय फरजान खान, रवि महतो, राजेंद्र बेदिया, पनेश्वर महतो, संतोष टिडुवार, लीलावती महतो, रूपा महतो, शैल देवी, पवन महतो, रमेश कुमार महतो, बिहारी महतो, डॉ. राजेश महतो शहीद कई लोग मौजूद थे।

धोनी से धोखाधड़ी मामले में हाजिर नहीं हुए आरोपी

RANCHI : पूर्व भारतीय क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी से धोखाधड़ी को लेकर दर्ज मामले में सिविल कोर्ट में शुक्रवार को सुनवाई हुई। समन जारी होने पर भी न्यायिक दंडाधिकारी राज कुमार पांडेय की अदालत में अरका स्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड एंड मैनेजमेंट लिमिटेड के मिहिर दिवाकर और उसकी पत्नी सौम्या दास ने उपस्थिति दर्ज नहीं कराई। अदालत ने अगली उपस्थिति की तिथि 20 जुलाई निर्धारित की है। उस दिन स्वयं या अधिवक्ता के माध्यम से अदालत में पक्ष रखने को कहा है। अदालत ने पिछली सुनवाई में आरोपितों के खिलाफ पर्याप्त सबूत रहने के कारण संज्ञान लिया था। दोनों आरोपितों पर धोखाधड़ी करके धोनी को 15 करोड़ रुपये की आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप है। धोनी की ओर से सीमांत लोहानी ने शिकायतवाद दर्ज कराया है।

पशुपालकों को योजनाओं से जोड़ें पदाधिकारी : डीसी

अधिकारियों के साथ बैठक करते डीसी चंदन कुमार । ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RAMGARH : कृषि एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी किसानों और पशुपालकों के साथ जुड़े। उन्हें योजनाओं का लाभ दें, साथ ही विभाग के साथ उनके संबंध और बेहतर बनाने का प्रयास करे। यह बातें कृषि एवं संबद्ध विभाग द्वारा किए जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक के दौरान डीसी चंदन कुमार ने कही। समीक्षा के दौरान सर्वप्रथम डीसी ने जिला पशुपालन कार्यालय द्वारा किये जा रहे कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने जिला पशुपालन पदाधिकारी को मुख्यमंत्री पशुधन योजना के तहत प्राप्त लक्ष्य के विरुद्ध ज्यादा से ज्यादा लोगो को लाभान्वित करने का निर्देश दिया। साथ ही उन्होंने जिला गव्य विकास पदाधिकारी को भी ज्यादा से ज्यादा लोगों को योजना का लाभ देने का निर्देश दिया। डीसी ने पशुपालन पदाधिकारी डॉ कमलेश पिंगले को जिला एनिमल अस्पताल निर्माण के लिए प्रस्ताव तैयार करने का निर्देश दिया गया।

हेमंत सोरेन के तीसरी बार सीएम बनने पर दी बधाई

RANCHI : शुक्रवार को झारखंडी सूचना अधिकार मंच के केंद्रीय अध्यक्ष विजय शंकर नायक ने हेमंत सोरेन के तीसरी बार मुख्यमंत्री बनने पर बधाई दी है। कहा कि झंझावातों से सबक लेकर अब हेमंत सोरेन को राज्य के गरीब गुरबा खासकर झारखंडी समाज के अंतिम पायदान पर बैठी जनता को संवैधानिक अधिकार दिलाने तथा राज्य की कल्याणकारी योजनाओं से शत-प्रतिशत जोड़कर लाभान्वित कराने का काम करना चाहिए। बेरोजगारो को रोजगार दिलाने के लिए सभी खाली पड़े पदों को भर कर वादा को पूरा करना चाहिए। जिस तरह भाजपा द्वारा उनके खिलाफ किए गए षड्यंत्र को उन्होने ध्वस्त कर अपने को निखारते हुए कर एक संघर्षशील नेता के रूप में जो आपने पहचान बनाई है, वह काबिले तारीफ है।

प्रतियोगिता के समापन समारोह में बोले सांसद- खिलाड़ियों को दी जाएगी सभी तरह की सुविधाएं

हॉकी का हब बनेगी खूंटी : कालीचरण मुंडा

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते सांसद व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS KHUNTI : मुरहू प्रखंड की रूमुतकेल पंचायत के सोकोय खेल मैदान में आयोजित तीन दिवसीय हॉकी प्रतियोगिता का समापन शुक्रवार को हो गया। समापन समारोह में स्थानीय सांसद कालीचरण मुंडा बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। सांसद के सोकोय पहुंचते ही उनका पारंपरिक ढ़ंग से स्वागत किया गया। खेल के पूर्व सांसद ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया और खेल के प्रति उनका उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के समापन समारोह को संबोधित करते हुए सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि खेल हमें जीने के तरीके सिखाता है। इसके नियमों को अपने जीवन मे भी उतारना चाहिए। जिस तरह खिलाड़ी मैदान में अंतिम क्षण तक हार नहीं मानते, जीतने के लिए संघर्ष करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने जीवन में भी जीत के लिए अंतिम समय तक संघर्ष करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेल से शारीरिक विकास के साथ मानसिक विकास भी होता है। प्रतियोगिता की भावन जागृत होती है। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों मे भी खेल संसाधनों की कमी के बावजूद खिलाड़ी जिस तरह खेल दिखाते है काबिले तारीफ है। शारीरिक और मानसिक रूप से स्वास्थ्य के लिए तन और मन को सौंदर्यता का बोध कराने की एक मजबूत कड़ी हैं। खेल को खेल भावना और अनुशासित होकर खेलना चाहिए। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी खेल को हमेशा अनुशासन में रहकर खेलें। खेल में जीत या हार महत्वपूर्ण नही होता, खेल को खेल के भावना से खेलना महत्वपूर्ण होता है। सांसद ने कहा कि खूंटी के खिलाड़ियों में ऊर्जा की कोई कमी नहीं है। युवाओं में खेल प्रतिभा को निखारने के लिए में हर संभव प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा, खेल को बढ़ावा देने के लिये सांसद निधि से कार्य करूंगा और खिलाड़ियों को मजबूत करूंगा। खूंटी को खेल का हब बनाने का पुरजोर प्रयास करूंगा। खेल समाप्ति के पश्चात विजेता टीम को सांसद ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। सोकोय गांव में आयोजित हॉकी प्रतियोगिता में सांसद गंवई अंदाज में पहुंचे। माथे पर सफेद पगड़ी, पैरों में हवाई चप्पल, टी-शर्ट और साधरण पैंट पहनकर सांसद कालीचरण मुंडा ग्रामीणों के बीच नजर आए।

जल, जंगल और जमीन की रक्षा का लिया संकल्प

KHUNTI : कोयलकारो जनसंगठन की 29वीं वर्षगांठ के मौके पर हजारों ग्रामीणों ने तपकरा में सकंल्प सभा का आयोजन कर जल, जंगल और जमीन की रक्षा का संकल्प लिया। तपकारा और आसपास के दर्जनों गांवों के हजारों ग्रामीणों ने जल, जंगल व जमीन की रक्षा की रक्षा के नारे लगाये। कार्यक्रम के पूर्व तपकरा बलिदान स्थल पर तपकरा गोलीकांड में मारे गए बलिदानियों को श्रद्धांजलि दी गई। सभा को संबोधित करते हुए झामुमो नेता सुदीप गुड़िया ने कहा कि कोयलकारो जनसंगठन के साथियों ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा करने का जो वादा किया था, उसे जान देकर निभाया। झारखंड उलगुलान संघ के संयोजक एलेस्टर बोदरा ने कहा कि यह आंदोलन हमें प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि महाविनाशकारी कोयलकारो परियोजना का अपार जनसमूह द्वारा एकजुट होकर किए गए विरोध की जीत है कि ये योजना रुक गई।

आपसी समन्वय व भाईचारे के साथ निकलेगा मुहर्रम जुलूस

बैठक करते इमाम बख्श अखाड़ा के सदस्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को इमाम बख्श अखाड़ा के तत्वाधान में मधुबन मार्केट में इमाम बख्श अखाड़ा के अंतर्गत आने वाले सभी अखाड़ा, प्रमुख खलीफा मोहम्मद महजूद और सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के सरपरस्त जनाब मोहम्मद सईद की सरपरस्ती में इमाम बख्श अखाड़ा के तमाम खलीफाओं की एक आवश्यक बैठक हुई। इसमें इमाम बख्श अखाड़ा के अधीन निकाले जाने वाले मोहर्रम के जुलूस से संबंधित तमाम खलीफा एवं उनके पदाधिकारी उपस्थित हुए। सेंट्रल मोहर्रम कमेटी के प्रमुख पदाधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि आगामी वर्ष 2024 के मोहर्रम का जुलूस आपसी सौहार्द के साथ इमाम बख्श अखाड़ा के तत्वाधान में निकाला जाएगा। बैठक में मुख्य रूप से मोहम्मद सईद, अकील उर रहमान, मोहम्मद इस्लाम, आफताब आलम, मो असलम, अफरोज आलम, खलीफा मोहम्मद महजूद, मोहम्मद तौहीद, मो इकराम पप्पू, मो इकबाल, सरवर खान व अन्य उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

सीएम ने मां बगलामुखी मंदिर में की पूजा-अर्चना

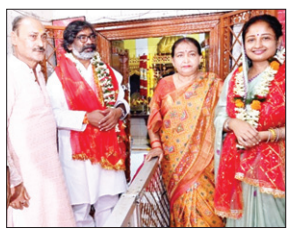

RANCHI : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन पत्नी कल्पना सोरेन के साथ शुक्रवार को महात्मा गांधी मार्ग (काली स्थान रोड) रांची स्थित मां बगलामुखी मंदिर पहुंचकर शीश नवाया। मौके पर मुख्यमंत्री ने मां बगलामुखी मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर समस्त राज्यवासियों की सुख, शांति, समृद्धि एवं उन्नति की कामना की।

बोकारो स्टील सिटी ट्रेन दो दिन रहेंगी रद्द

RANCHI : लिंक रेक के रद्द होने की वजह से ट्रेन संख्या 08695/08696 बोकारो स्टील सिटी-रांची- बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर ट्रेन रद्द रहेगी। शुक्रवार को रेलवे से मिली जानकारी के अनुसार बोकारो स्टील सिटी - रांची - बोकारो स्टील सिटी पैसेंजर ट्रेन पांच और छह जुलाई को रद्द रहेगी।

राज्यपाल से केंद्रीय मंत्री ने की मुलाकात

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने राजभवन में मुलाकात की। दोनों की मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया गया।

विधायक ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

RANCHI : राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन से शुक्रवार को विधायक डॉ. लंबोदर महतो ने राज भवन में मुलाकात की। इस दौरान महतो ने विभिन्न विषयों से संबंधित ज्ञापन राज्यपाल को सौंपा । राज्यपाल को दिए गए ज्ञापन में बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल विश्वविद्यालय, धनबाद, सिंदरी विधान सभा अंतर्गत बलियापूर प्रखंड में अवस्थित पर्जन्य बी.एड कॉलेज से संबंधित विषयों को आकृष्ट करने के साथ राजकीय डिग्री महाविद्यालय, गोमिया में झारखंड ओपन यूनिवर्सिटी का अध्ययन केंद्र स्थापित करने एवं गोमिया विधान सभा क्षेत्र अंतर्गत गोमिया, कसमार तथा पेटरवार प्रखंड के विभिन्न विद्यालयों को उत्क्रमित करने के लिए पहल करने का आग्रह किया।

लक्ष्मीकांत फिर बनाए गए भाजपा के झारखंड प्रभारी

RANCHI : झारखंड में इस साल विधानसभा के चुनाव होने हैं। भाजपा इसके लिए रणनीति बनाने में जुट गई है। इस बीच शुक्रवार को भाजपा ने उत्तर प्रदेश के दिग्गज नेता लक्ष्मीकांत वाजपेयी को एक बार फिर से झारखंड का प्रभारी बनाया है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने झारखंड समेत विभिन्न प्रदेशों में प्रदेश प्रभारी एवं सह-प्रभारियों की नियुक्ति की है।पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यालय प्रभारी अरुण सिंह की ओर से इसकी अधिसूचना जारी कर दी गई है। लक्ष्मीकांत वाजपेयी को 2022 में भी झारखंड भाजपा का प्रभारी बनाया गया था।

निपुण समागम झारखंड का ओवरऑल चैंपियन बना धनबाद, बोले शिक्षा सचिव-

बच्चों के ड्रॉपआउट को रोकने के लिए पठन-पाठन को बनाएं रोचक

- निपुण भारत मिशन के तीन साल पूरे होने के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का हुआ आयोजन
- राज्य के 24 जिलों के 450 शिक्षकों और हजारों स्कूली बच्चों ने लिया भाग
- कार्यक्रम में गैर सरकारी संगठनों की भी शिरकत

कार्यक्रम का उद्घाटन करते उमाशंकर सिंह व अन्य। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : निपुण भारत मिशन के तीन वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग एवं झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद के तत्वावधान में इंडिया पार्टनरशिप फॉर अर्ली लर्निंग (आईपीईएल)-एफएलएन पीएमयू के सहयोग से शुक्रवार को प्रभात तारा मैदान में एक दिवसीय राज्यस्तरीय निपुण समागम झारखंड का आयोजन किया गया।

इसमें राज्य के 24 जिलों से 450 शिक्षकों, दस गैर सरकारी समूहों के प्रतिनिधियों एवं हजारों स्कूली बच्चों ने भाग लिया। इस समागम का उद्घाटन राज्य के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव उमाशंकर सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उन्होंने एक से पांच तक की कक्षा में नामांकित बच्चों के रिटेंशन और ड्रॉपआउट को रोकने के लिए पठन-पाठन को रोचक और मनोरंजक बनाने के साथ साथ स्कूलों के शैक्षणिक वातावरण को उत्साहवर्धक बनाने का आग्रह किया। साथ ही बच्चों के लिए उनकी क्षेत्रीय एवं मातृभाषा में उन्हें टीएलएम सिखाने पर जोर दिया, जिससे बच्चों में बेहतर समझ विकसित हो। सचिव ने कहा कि टीएलएम को प्रभावी बनाने के लिए इसका निरंतर अनुश्रवण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सभी 24 हजार प्राथमिक विद्यालयों को ध्यान में रखते हुए टीएलएम को उत्कृष्ट बनाकर बच्चों को इसका लाभ देने की दिशा में झारखंड शिक्षा परियोजना कार्य करे। साथ ही कहा कि निपुण समागम की तरह कार्यक्रम नियमित अंतराल में होते रहने चाहिए। आज जिन प्रशीक्षित शिक्षकों ने राज्यस्तरीय निपुण समागम में अपने हुनर का अभूतपूर्व प्रदर्शन किया है, इन्ही शिक्षकों की सहायता से जेसीईआरटी के माध्यम से राज्य के प्रत्येक जिलों में प्रशिक्षण सत्र आयोजित कराकर शिक्षकों को टीएलएम बनाने का हुनर सिखाया जा सकता है। झारखंड शिक्षा परियोजना निदेशक आदित्य रंजन ने कहा कि सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों ने जिस प्रतिभा का निपुण समागम में प्रदर्शन किया है, वह मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि प्रत्येक वर्ष अब निपुण समागम का आयोजन किया जाएगा। साथ ही हर विद्यालय में एक कमरा टीएलएम रूम के रूप में स्थापित होगा ताकि एक से पांच वर्ग के बच्चों को उनकी मातृ, क्षेत्रीय, जनजातीय भाषा में भाषा एवं संख्यात्मकता का ज्ञान मिल सके। उन्होंने कहा कि इस राज्यस्तरीय आयोजन से पहले जिला एवं प्रखंड स्तरीय टीएलएम मेले में जिन शिक्षकों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया, उनकी भी जितनी सराहना की जाए कम है।

कार्यक्रम के लिए इवेंट टीम का होगा गठन : उपायुक्त

PHOTON NEWS RANCHI : डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने समाहरणालय में 9 से 10 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के उपलक्ष्य में प्रस्तावित राज्य स्तरीय समारोह को लेकर बैठक की। कार्यक्रम का आयोजन भगवान बिरसा मुंडा स्मृति उद्यान में किया जायेगा। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा और तैयारी को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस कार्यक्रम के लिए कोषांग और इवेंट टीम का जल्द गठन करने की बात कही गई। डीसी ने आयोजन स्थल पर पिछले वर्ष के अनुभवों के साथ और बेहतर तैयारी किस प्रकार हो इस पर मंथन किया। कार्यक्रम के दौरान यहां लगने वाले स्टॉल, फूड स्टॉल, पार्किंग व्यवस्था, साफ-सफाई, बिजली व्यवस्था, पेयजल व्यवस्था, अग्निशमन व्यवस्था अन्य सभी व्यवस्था, दूसरे जिलों से कार्यक्रम में शामिल होने आये कलाकारों के भोजन, पानी, रहने की व्यवस्था की समीक्षा की गई। बैठक में विश्व आदिवासी दिवस पर दो दिवसीय जनजातीय महोत्सव में अन्य राज्यों की जनजातीय संस्कृति, संगीत, नृत्य, साहित्य, इतिहास, कला एवं हुनर, उनकी अलग-अलग आर्थिक क्रिया, खेलकूद क्षेत्र की विशेषताओं के समायोजन पर भी चर्चा की गयी। डीसी ने कहा कि यह कार्यक्रम झारखंड की लोक संस्कृति, यहां के लोगों की ऐतिहासिक विरासत को विश्व के मानचित्र पर दिखाने के लिए बहुत बड़ा माध्यम है। इसके लिए इसे भव्य बनाने के लिए हर व्यवस्था बेहतर कराने को लेकर तैयारी शुरू करने को कहा। लोग दूसरे देशों की जनजातीय संस्कृति को देख सकें इसके लिए डीसी ने कार्यक्रम के दौरान एक प्रदर्शनी लगाने को कहा। जिससे झारखंड और अन्य राज्यों से आए लोग दुनिया के कई देशों की जनजातीय संस्कृति से रूबरू हो सकें। डीसी ने कहा कि कार्यक्रम के स्वरूप में नवीनता लाने का प्रयास करें। इसके लिए दूसरे देशों के जनजातीय समूह को भी इस राज्यस्तरीय कार्यक्रम में शामिल करने का प्रयास करें।

सरसंघचालक मोहन भागवत आठ जुलाई को आएंगे रांची

RANCHI : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की प्रतिवर्ष होने वाली अखिल भारतीय स्तर की प्रांत प्रचारकों की तीन दिवसीय बैठक 12, 13 एवं 14 जुलाई को राजधानी रांची में होगी। बैठक में शामिल होने के लिए सरसंघचालक आठ जुलाई को रांची पहुंचेंगे। बैठक में सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले सहित अन्य वरिष्ठ शामिल होंगे। साथ ही मई-जून में संपन्न संघ के प्रशिक्षण वर्गों की लगभग दो माह की श्रृंखला के पश्चात देशभर के सभी प्रांत प्रचारक इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। संघ की संगठन योजना में कुल 46 प्रांत बनाये गए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को विश्व संवाद केन्द्र के प्रमुख संजय कुमार आजाद ने दी। बैठक में सभी सहसरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल, सीआर मुकुंद, अरुण कुमार, रामदत्त, आलोक कुमार, अतुल लिमये सहित कार्यकारिणी के सदस्य हिस्सा लेंगे।

सीआईडी डीएसपी से चेन छिनतई में चार गिरफ्तार

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : सीआईडी की डीएसपी सरिता मुर्मू के गले से सोने की चेन छिनैती मामले में रांची की कोतवाली थाना पुलिस ने तीन आरोपितों सहित एक सराफा दुकानदार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 11 हजार 500 रुपये नकदी और सोने का चेन बरामद किया गया है। गिरफ्तार आरोपितों में लोअर बाजार थाना निवासी फरहान अंसारी, मो. जाहिद खान, लालपुर थाना निवासी राजेश सोनी और सराफा दुकानदार मुकेश कुमार शामिल हैं। एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि 25 जून को कोतवाली थाना क्षेत्र के कचहरी चौक के पास सीआईडी डीएसपी के गले से सोने की चेन छिनकर दो बाइक सवार फरार हो गये थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोय के नेतृत्व में एक विशेष अनुसंधान टीम (एसआईटी) टीम का गठन किया गया। एसएसपी ने बताया कि टीम ने अनुसंधान के क्रम में दो बदमाशों फरहान अंसारी और मो. जाहिद खान को गिरफ्तार किया। इनके पास से लूटे हुए चेन को बेचने से मिली कुल 11 हजार 500 रुपये बरामद कर जब्त कर लिया गया।

अब महिलाओं को मिलेंगे एक हजार रुपये प्रतिमाह

RANCHI : राज्य में महिलाओं की सशक्तीकरण के लिए मुख्यमंत्री बहन-बेटी मई-कुई स्वावलंबन प्रोत्साहन योजना लागू कर दी गयी है। कैबिनेट के फैसले के बाद महिला, बाल विकास विभाग ने इसकी अधिसूचना जारी कर दी है। इस योजना के तहत राज्य की 45 लाख से अधिक महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपये प्रोत्साहन मिलेगा। इसका लाभ 21 से 50 वर्ष की उम्र वाली गरीब महिलाओं को दिया जायेगा। इस योजना का लाभ लेने के लिए योग्यता भी तय की गयी है। आर्थिक लाभ प्राप्त करने लिए आवेदिका का पहचान पत्र, आधार कार्ड, परिवार का अंत्योदय अन्न योजना कार्ड, पीला रंग का राशन कार्ड, गुलाबी कार्ड या सफेद राशनकार्ड धारी को इसका लाभ मिलेगा। इनकम टैक्स भरने वाले, सरकारी नौकरी करने वाले परिवार को इसका लाभ नहीं मिलेगा। ईपीएफ धारी महिला इस योजना की पात्र नहीं होगी। अन्य किसी योजना से पेंशन पा रही महिला को भी इसका लाभ नहीं मिलेगा।

आभूषण व्यवसायी के हत्यारोपी का पोस्टर जारी

50 हजार का इनाम घोषित

सीसीटीवी में कैद आरोपी की तस्वीर।

PHOTON NEWS RANCHI : पुलिस ने शुक्रवार को आभूषण व्यवसायी राजेश पॉल की हत्या के मुख्य आरोपी का पोस्टर जारी किया। इसके ऊपर 50 हजार का इनाम भी घोषित किया गया है। डीएसपी प्रकाश सोय ने बताया कि लगातार प्रयास के बावजूद अब तक राजेश पॉल के हत्यारे की पहचान नहीं हो पाई है। ऐसे में अब उसका पोस्टर जारी किया गया है, ताकि उसकी पहचान की जा सके। डीएसपी ने बताया कि राजेश पॉल की हत्या में शामिल अपराधी के बारे में सूचना देने वाले व्यक्ति को 50 हजार का इनाम दिया जाएगा और उसकी पूरी पहचान गुप्त रखी जाएगी। डीएसपी बताया कि अरविंद ज्वेलर्स में लूट कांड को अंजाम देने वाले आरोपितों की तलाश में रांची पुलिस ने अब तक दूसरे राज्यों में छापेमारी कर चुकी है लेकिन पुलिस को कोई सफलता हाथ नहीं लगी है। अपराधी का सीसीटीवी फुटेज हासिल होने के बावजूद उसकी पहचान नहीं हो पाई है। उल्लेखनीय है कि सात जून, 2022 को रांची के डेली मार्केट थाना क्षेत्र में स्थित अरविंद ज्वेलर्स को अपराधियों ने दिनदहाड़े लूटने का प्रयास किया था। घटना के वक़्त अरविंद ज्वेलर्स के मालिक और अपराधियों के बीच जमकर हाथापाई हुई थी। इसके बाद अपराधियों ने अरविंद ज्वेलर्स के मालिक राजेश पॉल को गोली मार दी थी। इससे राजेश की मौत हो गई थी।

बिरसा कारागार में कैदी ने बाथरूम में की खुदकुशी

RANCHI : राजधानी के होटवार स्थित बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) में एक विचाराधीन कैदी ने शुक्रवार को बाथरूम में खुदकुशी कर ली। मृत कैदी का नाम सोमरा उरांव बताया गया है। वह साल 2017 से ही रांची जेल में बंद था। उस पर दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने का आरोप था।मिली जानकारी के अनुसार सोमरा उरांव बाथरूम गया था। काफी देर तक जब वह बाथरूम से बाहर नहीं निकला तब दूसरे कैदियों ने अंदर जाकर देखा तो वह बाथरूम की खिड़की पर फंदे के सहारे लटका हुआ था। जेल प्रशासन से मामले की जानकारी मिलने के बाद खेलगांव थाना प्रभारी चंद्रशेखर सिंह मौके पर पहुंचे और जांच-पड़ताल कर शव को मजिस्ट्रेट की निगरानी में पोस्टमार्टम के लिए रांची के रिम्स अस्पताल भेज दिया। उन्होंने बताया कि मृतक सोमरा उरांव झारखंड के लोहरदगा जिला का रहने वाला था। उसपर दहेज हत्या का आरोप था।

किक बॉक्सिंग में स्वर्ण जीतने वाले छह खिलाड़ी सम्मानित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोसिएशन के छह खिलाड़ियों को नेशनल चैंपियनशिप में स्वर्ण जीतने के लिए खेल मंत्री हफीजुल हसन ने शुक्रवार को सम्मानित किया गया। जिन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया, उनमें अपूर्बो मुखर्जी, तुषार कुमार सिंह, सक्षम कुमार, सचिन कुमार, हर्षदीप सिंह, कृष सिन्हा शामिल हैं। बता दें कि इन खिलाड़ियों ने 10 से 14 जून तक सिलीगुड़ी में आयोजित नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। हफीजुल हसन से सभी खिलाड़ियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें भविष्य में सभी प्रकार का सहयोग देना का आश्वासन दिया। इस उपलब्धि पर झारखंड एमेच्योर स्पोर्ट्स किकबॉक्सिंग एसोशिएशन के अध्यक्ष बीसी ठाकुर व सेक्रेटरी ओवैस आर्फत, सह-अध्यक्ष फरीद खान, कोषाध्यक्ष प्रवीण कुमार ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी।

डॉ. सरफराज अहमद बने झामुमो संसदीय दल के नेता

RANCHI : सांसद डॉ सरफराज अहमद को राज्यसभा में झामुमो (झारखंड मुक्ति मोर्चा) संसदीय दल का नेता बनाया गया है। झामुमो संसदीय दल की बैठक में इन्हें मनोनीत करने पर निर्णय लिया गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन के हस्ताक्षर से इस आशय की जानकारी दी गयी है। इस बाबत उन्होंने राज्यसभा के सभापति को पत्र लिखा है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष शिबू सोरेन ने राज्यसभा के सभापति को लिखे पत्र में कहा है कि झारखंड से झामुमो के राज्यसभा सदस्य डॉ सरफराज अहमद राज्यसभा में झामुमो संसदीय दल के नेता चुने गए हैं। शुक्रवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा संसदीय दल की बैठक में इस बाबत निर्णय लिया गया। डॉ सरफराज अहमद वरिष्ठ नेता हैं।

टीम येलो का वॉलीबॉल मीडिया कप पर कब्जा

ट्रॉफी के साथ विजेता टीम। ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS RANCHI : खेलगांव स्थित टाना भगत स्टेडियम में रांची प्रेस क्लब के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय वॉलीबाल लीग टूर्नामेंट का शुक्रवार को समापन हो गया। टीम येलो ने टीम ब्लू को कड़े मुकाबले में परास्त कर मीडिया कप वॉलीबाल टूर्नामेंट के खिताब पर कब्जा जमाया।टूर्नामेंट के दूसरे दिन टीम ग्रीन ने टीम रेड को तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-17, 23-25, 15-6 से हराया जबकि टीम ब्लू ने टीम येलो को तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में 25-9, 23-25, 15-6 से हराया। टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला टीम येलो और टीम ब्लू के बीच खेला गया। इसमें टीम येलो ने टीम ब्लू को 25-23, 25-23 से हराकर अरपीसी मीडिया कप वॉलीबॉल टूर्नामेंट 2024 का खिताब अपने नाम कर लिया। समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षक सह झारखंड बॉलीबॉल संघ के महासचिव शेखर बोस मौजूद थे जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह, शशी शेखर, प्रकाश सहाय, विनय वर्मा, शम्भूनाथ चौधरी, राघवेन्द्र, चंचल भटाचार्य, दीपक ओझा मौजूद थे। मुख्य अतिथि शेखर बोस ने कहा कि पत्रकारों के बीच खुद को पाकर उन्हें बेहद खुशी महसूस हो रही है। इस तरह के आयोजन से न केवल स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ती है, बल्कि उनका सेहत भी बना रहता है। वरिष्ठ पत्रकार हरिनारायण सिंह ने कहा कि प्रेस क्लब के जरिये इस तरह का आयोजन एक-दूसरे को करीब लाता है। पत्रकारों को सेहत के प्रति जागरूक होने की जरूरत है और यह इस तरह के टूर्नामेंट के आयोजन से ही सम्भव है। अतिथियों ने टीम यलो को चैम्पियन टीम का और टीम ब्लू को रनरअप टीम का पुरस्कार दिया। टूर्नामेंट में भाग ले रहे खिलाड़ियों को वरिष्ठ पत्रकार भरत भूषण प्रसाद ने एक-एक ट्रांजिस्टर और प्रेस क्लब के द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। टूर्नामेंट के प्रायोजक के रूप में वासुदेव चटर्जी स्मृति फाउंडेशन के राजीव चटर्जी ने अपना सहयोग दिया। टूर्नामेंट में रेफरी के रूप में उत्तम राय, संजय कुमार गुप्ता, संजय ठाकुर, अंकित तिग्गा, राहुल, अरगू कंजीवल, डेविड, सूरज और ऋषभ ने भूमिका निभाई। समापन समारोह में मंच का संचालन आरजे अरविंद और अभिषेक सिन्हा ने किया। टूर्नामेंट को सफल बनाने में कॉर्डिनेटर अंतरराष्ट्रीय वॉलीबॉल प्रशिक्षक राजेश सिंह और खेलो इंडिया के रेफरी उपेंद्र गुप्ता ने भूमिका निभाया। धन्यवाद ज्ञापन क्लब के अध्यक्ष सुरेन्द्र सोरेन ने किया।

झारखंड में सभी पार्टियों ने शुरू कर दी है विधानसभा चुनाव की तैयारी, धीरे-धीरे सजने लगा है मैदान

सियासी फिजा में अब घुलने लगा चुनावी रंग

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड की राजनीतिक फिजा में चुनावी रंग घुल रहा है। विधानसभा चुनाव को लेकर धीरे-धीरे मैदान सज रहे हैं। सभी पार्टियों ने अपनी चुनावी तैयारी शुरू कर दी है। पक्ष-विपक्ष के नेताओं के भाषण और मिजाज चुनावी हैं। साथ ही जमीनी स्तर पर चुनाव की तैयारी भी शुरू है। जेल से निकलने के बाद राज्य में एक बार फिर हेमंत सोरेन के नेतृत्व में सरकार बन गई है। हेमंत सोरेन के पास स्पष्ट बहुमत भी है। तीसरी बार झारखंड के मुख्यमंत्री बने हेमंत सोरेन को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करना है। राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने नयी सरकार को एक सप्ताह के अंदर विश्वासमत हासिल करने का निर्देश दिया है। झारखंड विधानसभा में कुल 77 विधायक हैं। पांच विधायक इस बार सदन में नहीं होंगे। चार विधायकों में दो भाजपा और दो झामुमो के विधायक लोकसभा का चुनाव जीतकर संसद पहुंच गये हैं। इसमें भाजपा के मनीष जायसवाल, ढुल्लू महतो और झामुमो के नलिन सोरेन व जोबा मांझी हैं। वहीं, झामुमो विधायक सीता सोरेन ने भाजपा में शामिल होने को बाद इस्तीफा दे दिया था। वर्तमान विधानसभा में बहुमत के लिए 39 विधायकों का संख्या बल चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की अगुवाई वाली सरकार के पास बहुमत का मजबूत आंकड़ा है। झारखंड विधानसभा में इंडी गठबंधन के साथ 47 विधायक हैं। मनोनीत विधायक को भी वोटिंग का अधिकार है। मनोनीत ग्लेन जोसेफ गॉलस्टन हेमंत सोरेन सरकार का समर्थन करेंगे। वहीं, एनडीए गठबंधन के पास फिलहाल 27 वोट है। भाजपा विधायक जेपी पटेल भले ही सदन में विरोधी पक्ष में बैठाये जायेंगे लेकिन उनका वोट हेमंत सोरेन के पक्ष में ही होगा। निर्दलीय सरयू राय और अमित मंडल साथ आये, तब भी एनडीए आंकड़ा से काफी दूर है। एनडीए के खाते में 27 विधायक होंगे। सदन में हेमंत सोरेन सरकार को विश्वासमत के दौरान किसी तरह की परेशानी नहीं दिख रही है।

दोनों गठबंधनों के नेताओं ने कसी कमर

वहीं, भाजपा विधायक जेपी पटेल सरकार के साथ आये, तो हिसाब बराबर हो जायेगा। विधायक चमरा लिंडा को लेकर भी असमंजस की स्थिति है। चमरा लिंडा गठबंधन की बैठक में शामिल नहीं हुए। विधानसभा चुनाव को लेकर इंडिया और एनडीए गठबंधन दोनों दलों के नेताओं ने कमर कसकर मैदान में उतर गए हैं। विधानसभा में रणनीति के तहत ही झामुमो ने आनन-फानन में चम्पाई सोरेन से इस्तीफा और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की ताजपोशी हुई। दूसरी ओर, भाजपा ने विधानसभा चुनाव को देखते हुए तीन महीने का खाका तैयार किया है।

भगवान जगन्नाथ भाई-बहन के साथ 15 दिनों के बाद आज आएंगे बाहर

PHOTON NEWS RANCHI : भगवान जगन्नाथ भाई बलभद्र और बहन सुभद्रा के साथ 15 दिनों के एकांतवास के बाद शनिवार को बाहर आयेंगे। इतने दिनों तक भगवान की प्रतिमा का अलौकिक श्रृंगार किया गया। शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ नेत्रदान होगा। फिर भगवान भक्तों को दर्शन देंगे। भगवान के दर्शन के लिए दोपहर दो बजे से भक्तों की भीड़ जुटने लगेगी। शाम चार बजे नेत्रदान अनुष्ठान शुरू होगा। फिर 108 दीपों से मंगलआरती, जगन्नाथ अष्टकम, गीता के द्वादश अध्याय का पाठ और भगवान की स्तुति की जायेगी। भगवान जगन्नाथ को मालपुआ सहित अन्य मिष्ठानों का भोग लगाया जायेगा। शनिवार को भगवान रात नौ बजे तक दर्शन मंडप में दर्शन देंगे और यहीं रात्रि विश्राम करेंगे। सात जुलाई को प्रभु जगन्नाथ की रथ यात्रा निकाली जायेगी। सुबह चार बजे से ही भक्त पूजा करने के लिए कतारबद्ध होने लगेंगे। महिला और पुरुष भक्तों के लिए अलग-अलग कतार बनायी जायेगी। दोपहर दो बजे सभी विग्रहों को बारी-बारी से रथारुढ़ किया जायेगा। रथ के ऊपर सभी विग्रहों का श्रृंगार होगा। विष्णु सहस्त्रनाम अर्चना होगी। इस अनुष्ठान के बाद विष्णु सहस्त्रनाम अर्चना में शामिल भक्त रथ पर सवार होकर भगवान को पुष्प अर्पित करेंगे। मंगल आरती होगी। रथ में रस्सा बंधन होगा। रविवार शाम पांच बजे रथयात्रा शुरू होगी। भक्त रस्सी के सहारे रथ को खींच कर मौसीबाड़ी लायेंगे, जहां महिलाएं भगवान की पूजा करेंगी। शाम सात बजे तक सभी विग्रहों को मौसीबाड़ी में रखा जायेगा। फिर आरती और भोग निवेदन होगा। रात आठ बजे भगवान का पट बंद कर दिया जायेगा, जो अगले दिन सुबह पांच बजे खुलेगा। आठ जुलाई को सुबह छह बजे मंगल आरती व बाल भोग लगाया जायेगा। दोपहर 12 बजे अन्न भोग लगाया जायेगा और 12:10 बजे पट बंद हो जायेगा।

कार्डधारकों का प्रदर्शन, राशन नहीं मिलने का लगाया आरोप

बीडीओ का दावा-10 दिनों में मुहैया करा दिया जाएगा अनाज

PHOTON NEWS POTKA : पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका प्रखंड स्थित हाड़तोपा पंचायत के सैकड़ों कार्डधारकों को एक वर्ष से राशन नहीं मिल रहा है। इसे लेकर कार्डधारकों ने शुक्रवार को प्रखंड कार्यालय पर जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान पंचायत की मुखिया अलादी हांसदा भी उपस्थित थीं। मुखिया ने कहा कि एक साल से गरीब राशन कार्डधारकों को अनाज नहीं मिलना दुखद विषय है। इस मामले में जांच करते हुए राशन दुकानदार मां लक्ष्मी महिला समिति पर मामला दर्ज होना चाहिए। राशन कार्डधारक उप्पल्या हांसदा एवं लखिया हांसदा ने कहा कि एक वर्ष से हमें अनाज नहीं मिला है। प्रखंड से लेकर उपायुक्त तक को लिखित आवेदन दे चुके हैं।

प्रदर्शन करतीं ग्रामीण महिलाएं ● फोटोन न्यूज

वहीं, ग्रामीणों से मांगपत्र लेते हुए बीडीओ अभय कुमार द्विवेदी ने तत्काल मार्केटिंग ऑफिसर डॉ. अशोक कुमार को निर्देश दिया कि 10 दिनों के अंदर सभी गरीब राशन कार्डधारकों को अनाज मुहैया कराएं। इसके साथ ही साथ मामले की जांच करते हुए कार्रवाई करें। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि अगर तय समय सीमा के अंदर राशन का वितरण शुरू नहीं किया गया तो वह आंदोलन को और तेज करेंगे। अपनी मांगों को लेकर जिला मुख्यालय और राज्य मुख्यालय पर भी प्रदर्शन को बाध्य होंगे। ग्रामीण महिलाओं ने कहा कि राशन नहीं मिलने के कारण उन्हें भोजन का संकट हो गया है। वह किसी तरह अपना परिवार चलाने को मजबूर हैं। राज्य सरकार की ओर से मिलने वाली सुविधा में अधिकारी बाधक बने हैं।

सांसद का प्रयास रंग लाया एनएच-220 का निकला टेंडर

हाता से ओडिशा बॉर्डर तक नौ करोड़ की लागत से रोड का होगा जीर्णोद्धार

मंत्री नितिन गडकरी से मिलते सांसद बिद्युत बरण महतो ● फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS POTKA : लोकसभा चुनाव के दौरान हाता-ओडिशा मार्ग की जर्जर स्थिति को लेकर विरोध प्रदर्शन होता रहा। चुनाव जीतने के बाद सांसद बिद्युत बरण महतो ने इस मुद्दे को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। उन्होंने अपने क्षेत्र की विभिन्न प्रमुख सड़कों की खराब स्थिति से विभागीय मंत्री को अवगत कराया। इसके बाद नितिन गडकरी द्वारा मामले का संज्ञान लिया गया। इस सड़क के जीर्णोद्धार के लिए 8 करोड़ 45 लाख की लागत से टेंडर निकाला गया है। अब हाता, हल्दीपोखर, हेंसड़ा, बालीडीह से ओडिशा सीमा तक सड़क का जीर्णोद्धार किया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर ग्रामीणों की मांग है कि सड़क की मरम्मत बरसात से पहले होनी चाहिए। इस मार्ग पर चलने वाली दर्जनों यात्री बसें जर्जर सड़क के कारण बंद हो चुकी हैं। इससे लोगों के आवागमन में परेशानी हो रही है। आसपास के लोगों को हर दिन जर्जर सड़क से गुजरना पड़ रहा है।

समाचार सार

रघुवर से मिले इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष

JAMSHEDPUR : ओडिशा के राज्यपाल रघुबर दास से इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स फॉर एससी-एसटी एंड वूमेन एंटरप्रेन्योर के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुबीर पॉल ने राजभवन में मुलाकात की। इस दौरान संस्था की राष्ट्रीय महासचिव हेमा एक्का, महिला अधिवक्ता रेखा गुप्ता व राजलक्ष्मी पात्र भी मौजूद थीं। उन्होंने राज्यपाल से भुवनेश्वर में होने वाले राज्यस्तरीय कॉन्क्लेव में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहने का आग्रह किया। अध्यक्ष ने बताया कि राज्यपाल ने आमंत्रण स्वीकार कर लिया है और पूरे ओडिशा में उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मुहिम तेज करने पर जोर दिया है। इसके साथ ही ओडिशा के जनजाति उद्यमियों को आगे बढ़ने और सरकारी योजनाओं का फायदा देने पर जोर दिया।

मानगो में हुई नशा व सड़क सुरक्षा पर कार्यशाला

JAMSHEDPUR : मानगो के कालिकानगर, उलीडीह स्थित एपीजेए कलाम हाई स्कूल एवं इंटर कॉलेज के प्रांगण में शुक्रवार को नशा व सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला हुई। इसमें मुख्य अतिथि आरक्षी उपाधीक्षक संजय कुमार ने कहा कि आज के दौर में बिना हेलमेट व सीट बेल्ट के गाड़ी चलाना खतरनाक है। इसके नहीं रहने पर जो हादसा होता है, उसका दंश पूरा परिवार उठाता है। इस दौरान ट्रैफिक मैनेजर सड़क सुरक्षा प्रबंधक प्रकाश कुमार गिरि व समाजसेवी अरिजीत सरकार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में विद्यालय सलाहकार समिति के अध्यक्ष निलय सेन गुप्ता, संस्था के अध्यक्ष डॉ. अफरोज शकील, निर्देशक मो. ताहिर हुसैन, राशिद इकबाल, प्राचार्या रफत आरा, अनु मंडल, झुंपा पोद्दार आदि उपस्थित थीं।

डॉ. अजय ने विशेष बच्चों को किया पुरस्कृत

JAMSHEDPUR : सेंट मेरीज स्कूल अल्युमनाई व इंटरैक्ट क्लब के संयुक्त तत्वावधान में शुक्रवार को सोनारी स्थित बाल विहार कार्मेल स्कूल में (मूक-बधिर) विशेष बच्चों के लिए ज्ञानवर्धक मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें 130 विशेष बच्चों ने भाग लिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार ने मेधावी बच्चों को पुरस्कृत किया। अपने संबोधन में डॉ. अजय ने कहा कि अगर आपने ठान लिया कि आपको कुछ बनना है तो शारीरिक कमजोरी आपकी बाधक नहीं हो सकती है। कई दिव्यांगों ने यह साबित करके दिखाया है कि असंभव कुछ भी नहीं होता, बस जज्बा होना चाहिए। इस मौके पर अल्युमनाई के अध्यक्ष गुरुशरण सिंह, कार्मेल स्कूल की प्राचार्य डॉ. वर्णन डिसूजा, बाल विहार की प्राचार्य सिस्टर अर्षित, सौरभ सिंह, मनजोत गिल, अमृता धंजल, राजीव सिंह, राजा सिंह राजपूत, रईस रिजवी छब्बन, राजीव रंजन, राकेश साहू, अजीत उज्जैन सहित कई अन्य उपस्थित थे।

आजसू ने प्रखंड कार्यालय पर किया प्रदर्शन

JAMSHEDPUR : आजसू पार्टी ने शुक्रवार को जमशेदपुर प्रखंड कार्यालय पर एकदिवसीय हल्ला बोल कार्यक्रम किया, जिसमें राज्य सरकार की नाकामियों पर जमकर नारेबाजी की गई। जमशेदपुर प्रखंड अध्यक्ष निरंजन महतो के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पार्टी के प्रधान महासचिव सह राज्य के पूर्व मंत्री रसमचंद्र सहिस ने कहा की भ्रष्टाचार और प्रशासनिक उदासीनता के चलते राज्य वासियों में हताशा का भाव है। इसी क्रम में जमशेदपुर प्रखंड में संबंधित अधिकारी को पांच सूद्धी ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें विभिन्न मुद्दे गिनाए गए। इस दौरान आजसू पार्टी के जिला अध्यक्ष कन्हैया सिंह ने कहा कि पूरे जिले में विधायक जमीन की दलाली करते दिखाई पड़ रहे हैं। झारखंड सरकार में पहले प्रशासनिक अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग हो रही थी, लेकिन हाल के दिनों में मुख्यमंत्री का ट्रांसफर और पोस्टिंग होने लगा है।

परसुडीह में बजरंगबली मंदिर की छत ढलाई शुरू

JAMSHEDPUR : परसुडीह के नामोटोला में बजरंगबली मंदिर की छत ढलाई शुक्रवार को शुरू हो गई। स्थानीय लोगों की वर्षों पुरानी मांग थी कि बजरंगबली मंदिर का निर्माण हो, लेकिन किसी कारण वश उस मंदिर का निर्माण नहीं हो सका था। अब विधायक मंगल कालिंदी के सहयोग से बजरंगबली का मंदिर की ढलाई कार्य झामुमो नेता मानिक मलिक ने कराया। इस दौरान समीर प्रकाश झा, ज्योति, पिंटू, संटू रॉय, संतोष झा, मनीष ठाकुर, अजय साहू, आनंद राय, धीरज शर्मा, भानू प्रताप प्रसाद, ज्योति शर्मा, रेखा, कुमकुम सिंह, गोलू सिंह, शांतनु सिंह, दिलीप घोष, नेपाल मन्ना, अनिल महतो आदि मौजूद थे।

डायरिया से बचाव को जागरूक करेगा रथ

JAMSHEDPUR : सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड सरकार राजेश शर्मा व उपायुक्त अनन्य मित्तल ने शुक्रवार को समाहरणालय परिसर से डायरिया बीमारी से बचाव को लेकर जागरूकता रथ को रवाना किया। इस मौके पर सचिव ने कहा कि कई बार जागरूकता के अभाव से लोग बीमारी से ग्रसित हो जाते हैं, सही जानकारी देने एवं बीमारे से कैसे बचा जा सकता है, इसको लेकर लोगों के बीच जागरूकता लाने का प्रयास है। उपायुक्त ने कहा कि बरसात के दिनों में डायरिया का प्रकोप बढ़ जाता है, ऐसे में जिलेवासियों को शुद्ध पानी और ताजा भोजन के साथ ही खाने से पहले हाथ धोकर बीमारियों से बचाव की जानकारी देने हेतु जागरूकता रथ को रवाना किया गया। यह रथ सभी प्रखंडों के गांवों में जाकर लोगों के बीच डायरिया से बचाव को लेकर जागरूकता लाएगा। इस मौके पर उप विकास आयुक्त मनीष कुमार सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद थे। डायरिया दूषित पेयजल के इस्तेमाल और साफ-सफाई का ख्याल न रखने से फैलती है। यह पाचन तंत्र संबंधित एक विकार है, जिसमें मरीज को लगातार दस्त शुरू हो जाता है। ज्यादातर मामलों में मरीज उपचार से लाभ प्राप्त कर लेता है।

गुब्बारा उड़ाते सचिव व उपायुक्त

सरकारी भवनों को वाटर पाइप से जोड़ें : शर्मा

जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा बैठक

PHOTON NEWS JSR: समाहरणालय सभागार में सचिव, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग, झारखंड सरकार राजेश शर्मा की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षात्मक बैठक हुई, जिसमें उपायुक्त अनन्य मित्तल व उपविकास आयुक्त मनीष कुमार भी शामिल हुए।

सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल जीवन मिशन के तहत जितनी भी छोटी-बड़ी योजना जिला में ली गई है, उसे निर्धारित समयावधि में पूर्ण कराएं। उन्होंने कहा कि जल जीवन मिशन से आच्छादित सभी गांव और घर में नल से जल पहुंचे, इसे सुनिश्चित करें। जिन क्षेत्रों में पाइप वाटर स्कीम स्वीकृत है, वहां के स्वास्थ्य उपकेंद्र, सरकारी स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, पंचायत भवन, सामुदायिक शौचालय आदि को इससे जरूर जोड़ें। बरसात के दिनों में लोगों को दूषित पेयजल की समस्या नहीं हो, इसकी जांच करते रहें। लेबोरेटरी से पेयजल जांच के लिए जलसहिया को सक्रिय करने तथा जिन जल सहिया द्वारा कार्य में रूचि नहीं ली जा रही उनके स्थान पर नए जल सहिया रखने के निर्देश दिए।

समीक्षा बैठक करते विभागीय सचिव ● फोटोन न्यूज

प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट तय समय में पूर्ण करें

सचिव ने सभी जेई को ब्लॉक दिवस के दिन प्रखंड मुख्यालय में रहने का निर्देश दिया गया। जमशेदपुर एवं आदित्यपुर नें निमार्णाधीन प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट को तय समयावधि में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की समीक्षा में उन्होंने कहा कि व्यवहार में बदलाव लाकर ही इस अभियान को सफल बनाया जा सकता है। खुले में शौच का दुष्प्रभाव, प्लास्टिक या अन्य कचड़े का इस तरह निस्तारण किया जाए कि हमारे पर्यावरण पर प्रतिकूल असर नहीं पड़े, इन सभी को लेकर आम जनमानस में जागरूकता काफी अहम है।

सचिव ने जमशेदपुर एवं आदित्यपुर प्रमंडल में पेयजलापूर्ति योजनाओं के क्रियान्वयन की अधतन स्थिति, जल जीवन मिशन में प्रगति तथा स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), प्रखंडवार एफएचटीसी कवरेज, मल्टी विलेज स्कीम, प्रोजेक्ट क्लीयरेंस में एनओसी की समस्या, पेयजल जांच लेबोरेटरी, निमार्णाधीन प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट समेत अन्य विभागीय योजनाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य अभियंता, अधीक्षण अभियंता, कार्यपालक अभियंता समेत अन्य विभागीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीसरा मोर्चा बना विस की सभी 81 सीटों पर लड़ेगी झापीपा

महिला, मुस्लिम व सामान्य वर्ग को देंगे 10-10 सीटें

PHOTON NEWS JSR : इस राज्य में 24 वर्ष तक भाजपा व झामुमो ने ही राज किया, लेकिन राज्य के लोगों का कोई भला नहीं हुआ। राज्य का प्रत्येक नागरिक 25 हजार का ऋणी है। ऐसे में झारखंड पीपुल्स पार्टी तीसरा मोर्चा के रूप में इस बार विधानसभा की सभी 81 सीट पर लड़ेगी। परिसदन में शुक्रवार को आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पूर्व विधायक सह झापीपा के अध्यक्ष सूर्य सिंह बेसरा ने कहा कि इन 24 वर्षों में झारखंड भ्रष्टाचार के चरम पर पहुंच गया है। एक अनुमान के मुताबिक अब तक एक लाख करोड़ का घोटाला हो चुका है। पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के विभाग में सिर्फ ट्रांसफर-पोस्टिंग और टेंडर कमीशन में 3 हजार करोड़ का घोटाला हुआ है। 2006 में निर्दलीय मुख्यमंत्री मधु कोड़ा पर 4.5 हजार करोड़ घोटाला का आरोप है। भाजपा उसे कोसते हुए थकती नहीं थी, जबकि आज भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी अपने पास पूर्व सांसद गीता कोड़ा और मधु कोड़ा को बैठाते हैं। इस राज्य में भाजपा ने 17 वर्ष तक शासन किया। पूर्व मंत्री कमलेश सिंह पर करीब 300 करोड़ घोटाला का आरोप है, वह भी भाजपा के साथ हैं। जहां तक सत्तारूढ़ झामुमोनीत गठबंधन सरकार की बात है, तो इसने कई चुनावी वादा पूरा नहीं किया। ऐसे में झापीपा ने राज्य विधानसभा में चुनाव लड़ने की तैयारी कर ली है, जिससे जनता को तीसरा विकल्प चुनने का अवसर मिले। हम महिला, मुस्लिम व सामान्य वर्ग को 10-10 सीट देंगे। इसके लिए 14 जुलाई को जमशेदपुर और 21 जुलाई को संथाल परगना में झापीपा केंद्रीय कमेटी की बैठक होगी, जबकि 16 अगस्त से राज्य भर में विकल्प यात्रा निकालेंगे।

पत्रकार वार्ता करते सूर्य सिंह बेसरा

गम्हरिया व राजनगर में पकड़ाया अवैध विदेशी शराब

SARAIKELA : अधीक्षक उत्पाद, सरायकेला के निदेर्शानुसार गम्हरिया व राजनगर थाना क्षेत्र में गुरुवार रात गश्ती के क्रम में एक संदिग्ध वाहन की तलाशी ली गई, जिससे 25 पेटी पेट बॉटल शराब (किंग्स गोल्ड ब्लैक हॉर्स) बरामद किया गया। इस मौके पर घटनास्थल से वाहन चालक को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कारोबार के संचालक अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध अनुसंधान किया जा रहा है। आबकारी विभाग ने 225 लीटर अवैध विदेशी शराब व महिंद्रा पिकअप वैन जब्त कर लिया है।

विकास कार्यों के कारण 8 पैसेंजर ट्रेनें आज रहेंगी रद्द

JAMSHEDPUR : दक्षिण पूर्व रेलवे के चक्रधरपुर मंडल में विकासात्मक कार्यों को देखते हुए 6 जुलाई शनिवार को चार जोड़ी पैसेंजर ट्रेनों को रद्द किया गया है। वहीं, दो जोड़ी एक्सप्रेस ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट कर चलाया जाएगा। इस बाबत गार्डेनरीच से नोटिफिकेशन जारी हो चुका है और संबंधित स्टेशन मास्टरों को भी मिल चुका है। रेलवे ने ट्रेनों के रद्द होने से यात्रियों को होने वाली असुविधा के खेद व्यक्त किया है।

नहीं चलेंगी ये ट्रेनें

- 18601/18602 टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस.
- 08698/08697 झाड़ग्राम-पुरुलिया-झाड़ग्राम मेमू स्पेशल.
- 08151/08152 टाटानगर-बरकाकाना-टाटानगर पैसेंजर स्पेशल.
- 08133/08134 टाटानगर-गुआ-टाटानगर मेमू स्पेशल.

ट्रेनों का अल्प समापन/प्रारंभ

- 13301/13302 धनबाद-टाटानगर-धनबाद एक्सप्रेस, 6 जुलाई को शुरू होने वाली यात्रा आद्रा से प्रारंभ/शॉर्ट टर्मिनेट की जाएगी, यानी यह ट्रेन आद्रा से धनबाद तक रद्द रहेगी।
- 08173/08174 आसनसोल-टाटानगर-आसनसोल मेमू विशेष यात्रा 6 जुलाई को शुरू होने वाली यात्रा पुरुलिया से थोड़ी देर पहले समाप्त की जाएगी, यानी यह ट्रेन पुरुलिया से आसनसोल तक रद्द रहेगी।

संगोष्ठी सीआईआई के 11वें मैन्यूफैक्चरिंग कॉन्क्लेव ईस्ट में शामिल हुए वोल्वो के प्रेसिडेंट व एमडी

भारत का मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग 10 वर्षो में कई गुना बढ़ने को तैयार : बाली

PHOTON NEWS JSR : कनफेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री (सीआईआई) के तत्वावधान में शुक्रवार को आदित्यपुर स्थित होटल द क्रूज में 11वां मैन्यूफैक्चरिंग कॉन्क्लेव ईस्ट का आयोजन किया गया। 'फ्यूचर रेडी टू फ्यूचर प्रूफ मैन्यूफैक्चरिंग' थीम पर आयोजित कॉन्क्लेव में उभरती प्रौद्योगिकियों और मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र में भविष्य की चुनौतियों पर उद्योग जगत के विशेषज्ञों ने अपने विचार रखे। विशिष्ट अतिथि वोल्वो ग्रुप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक कमल बाली ने कहा कि भारत में मैन्यूफैक्चरिंग अगले 10 से 25 वर्षों में कई गुना बढ़ने को तैयार है। देश का मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर जीडीपी का 16-17% योगदान देता है, जिसका लक्ष्य 2025 तक देश की जीडीपी में कम से कम 25% योगदान देना है। इस लक्ष्य को पुरा करने में कई चुनौतियां भी है। मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में सुधार, सुशासन और इसका डिजिटलाइजेशन का होना जरूरी है। बुनियादों ढांचे और सामाजिक सुधारों पर जोर देना होगा। उन्होंने कहा कि पूरा विश्व अभी भारत की ओर देख रहा है। भारत की बढ़ती क्षमताओं के कारण पर विश्व जगत भरोसा जता रहा है। सरकार की पॉलिसी के कारण मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। कई कंपनियां इस सेक्टर में बेहतर काम कर रही हैं। भारत के पास अभी एक बड़ा अवसर है। इस सेक्टर के विकास में सभी का सहयोग चाहिए और मिल भी रहा है। महिलाएं भी इस मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में कदम से कदम बढ़ा रही हैं। सीआईआई पूर्वी क्षेत्र के अध्यक्ष और आरएसबी ट्रांसमिशन (आई) लिमिटेड के उपाध्यक्ष और प्रबंध निदेशक शुभेंद्र बेहरा ने कहा कि मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग में पूर्वी क्षेत्र के कई राज्य बेहतर कार्य कर रहे हैं। खासतौर पर झारखंड का रोल बहुत ही महत्वपूर्ण है। देश के जीडीपी में मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में योगदान 17 प्रतिशत है। इसके अलावा यह सेक्टर लाखों लागों को रोजगार भी दे रहा है।

सीआईआई जमशेदपुर के वाइस चेयरमैन सह टाटा मोटर्स लिमिटेड के जमशेदपुर प्लांट हेड रवींद्र कुलकर्णी ने मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग में डिजिटलाइजेशन पर जोर देते हुए कहा कि नई तकनीक का उपयोग कर इस उद्योग को आगे बढ़ाया जा सकता है।

सीआईआई मैन्यूफैक्चरिंग सब कमेटी के चेयरमैन रामफल नेहरा ने कहा कि पूर्वी भारत के राज्यों में मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग को आगे बढ़ाने का प्रयास होना चाहिए। सीआईआई झारखंड राज्य परिषद के अध्यक्ष और एमडेट जमशेदपुर प्राइवेट लिमिटेड के प्रबंध निदेशक रंजोत सिंह ने कॉन्क्लेव में अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि भारत ग्लोबर मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा है।

कार्यक्रम में मंच पर मौजूद अतिथि ● फोटोन न्यूज

मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने में झारखंड का बड़ा योगदान : उज्ज्वल चक्रवर्ती

जेसीएपीसीपीएल के प्रबंध निदेशक उज्ज्वल चक्रवर्ती ने कहा कि भारत को मैन्यूफैक्चरिंग हब बनाने में झारखंड का योगदान बड़ा है। यहां मिनरल सोर्स की कमी नहीं है। कोयला, बॉक्साइट, यूरेनियम, अभ्रक आदि की भरमार है। यहां मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग की अपार संभावनाएं है। स्किल लेबर और मैन पावर की भी कमी नहीं है। राज्य सरकार की इवी, सोलर, एमएसएमई पॉलिसी भी बेहतर है। बस यहां मैन्यूफैक्चरिंग उद्योग को बढ़ावा देने की जरूरत है।

अरणी मंथन व देव पूजन से भक्तिमय हुआ माहौल

पूजा-अर्चना में शामिल श्रद्धालु ● फोटोन न्यूज

JAMSHEDPUR : गोलमुरी के केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण (बिड़ला) मंदिर में चल रहे प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ के तीसरे दिन शुक्रवार को अरणी मंथन व देव पूजन से माहौल भक्तिमय हो गया। सुबह में सबसे पहले आवाहित देवी-देवताओं का पूजन किया गया। इसके पश्चात अग्नि स्थापन और हवन किया गया। मुख्य यजमान जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय थे। शुक्रवार को भी कई स्थानीय लोग यजमान बने।

आज आएंगे किशोर कुणाल

JAMSHEDPUR : पूर्व आईपीएस अफसर और पटना के प्रसिद्ध महावीर (हनुमान) मंदिर के संरक्षक आचार्य किशोर कुणाल शनिवार को शहर आ रहे हैं। वे यहां विधायक सरयू राय के निमंत्रण पर केबुल टाउन स्थित श्री लक्ष्मीनारायण मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा महायज्ञ में शामिल होंगे। वे अपराह्न साढ़े तीन बजे से निकाले जाने वाले नगर भ्रमण में भी सम्मिलित होंगे।

आज की आवश्यकता

सब्जी बगीचा

अच्छे स्वास्थ्य के लिए दैनिक आहार में संतुलित पोषण का होना अत्यंत महत्वपूर्ण है। फल एवं सब्जियाँ इसी संतुलन को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देते है क्योंकि ये विटामिन, खनिज लवण तथा कार्बोज के अच्छे स्रोत होते हैं। फिर भी ये जरुरी हैं कि इन फल एवं सब्जियों की नियमित उपलब्धता बनी रहे. इसके लिए घर के पिछवाडें मे पडी जमीन पर खेती करना बहुत ही लाभदायक उपाय हैं। पोषाहार विशेषज्ञों के अनुसार संतुलित भोजन के लिए एक वयस्क व्यक्ति को प्रतिदिन 85 ग्राम फल और 300 ग्राम साग-सब्जियों का सेवन करना चाहिए। परन्तु हमारे देश में साग-सब्जियों का वर्त्तमान उत्पादन स्तर प्रतिदिन, प्रतिव्यक्ति की खपत के हिसाब से मात्र 120 ग्राम है।

सब्जी बगीचा

- उपलब्ध स्वच्छ जल के साथ रसोईघर एवं स्नानघर से निकले पानी का उपयोग कर घर के पिछवाड़े में उपयोगी साग-सब्जी उगाने की योजना बना सकते हैं।
- एकत्रित अनुपयोगी जल का निष्पादन हो सकेगा और उससे होने वाले प्रदूषण से भी मुक्ति मिल जाएगी।
- सीमित क्षेत्र में साग-सब्जी उगाने से घरेलू आवश्यकता की पूर्ति भी हो सकेगी।
- सब्जी उत्पादन में रासायनिक पदार्थों का उपयोग करने की जरूरत भी नहीं होगी।

अतः यह एक सुरक्षित पद्धति है तथा उत्पादित साग-सब्जी कीटनाशक दवाईयों से भी मुक्त होंगी।

सब्जी बगीचा के लिए स्थल

सब्जी बगीचा के लिए स्थल घर का पिछवाड़ा ही होता है जिसे हम लोग बाड़ी भी कहते हैं। यह सुविधाजनक स्थान होता है क्योद्धक परिवार के सदस्य खाली समय में साग-सब्जियों पर ध्यान दे सकते हैं तथा रसोईघर व स्नानघर से निकले पानी आसानी से सब्जी की क्यारी की ओर

घुमाया जा सकता है। सब्जी बगीचा का आकार भूमि की उपलब्धता और व्यक्तियों की संखया पर निर्भर करता है। चार या पाँच व्यक्ति वाले औसत परिवार के लिए 1/20 एकड़ जमीन पर की गई सब्जी की खेती पर्याप्त हो सकती है।

पौधा लगाने के लिए खेत तैयार करना

सर्वप्रथम 30-40 सेंमी की गहराई तक कुदाली या हल की सहायता से जुताई करें। खेत से पत्थर, झाड़ियों एवं बेकार के खर-पतवार को हटा दें। खेत में अच्छे ढंग से निर्मित 100 कि.ग्राम कृमि खाद चारों ओर फैला दें। आवश्यकता के अनुसार 45 सेंमी या 60 सेंमी की दूरी पर मेड़ या क्यारी बनाएँ।

सब्जी बीज की बुआई और पौध रोपण

सीधे बुआई की जाने वाली सब्जी जैसे -भिंडी, पालक एवं लोबिया आदि की बुआई मेड़ या क्यारी बनाकर की जा सकती है। दो पौधे 30 सेंमी की दूरी पर लगाई जानी चाहिए। प्याज, पुदीना एवं धनिया को खेत के मेड़ पर उगाया जा सकता है।प्रतिरोपित फसल, जैसे - टमाटर, बैगन और मिर्ची आदि को एक महीना पूर्व में नर्सरी बेड या टूटे मटके में उगाया जा सकता है। बुआई के बाद मिट्टी से ढ़ककर उसके ऊपर 2सब्जी बगीचा का मुखय उद्देश्य अधिकतम लाभ प्राप्त करना है तथा वर्ष भर घरेलू साग-सब्जी की आवश्यकता की पूर्ति करना है। बगीचा के एक छोर पर बारहमासी पौधों को उगाया जाना चाहिए जिससे इनकी छाया अन्य फसलों पर न पड़े तथा अन्य साग-सब्जी फसलों को पोषण दे सकें। बगीचा के चारों ओर तथा आने-जाने के रास्ते का उपयोग विभिन्न अल्पावधि हरी साग-सब्जी जैसे - धनिया, पालक, मेथी,पुदीना आदि उगाने के लिए किया जा सकता है।

50 ग्राम नीम के फली का पाउडर बनाकर छिड़काव किया जाता है ताकि इसे चीटियों से बचाया जा सके। टमाटर,गोभी, बैगन, मिर्ची के लिए 25-30 दिनों की बुआई के बाद तथा प्याज के लिए 40-45 दिनों के बाद पौधे को नर्सरी से निकाल दिया जाता है।टमाटर, बैंगन और मिर्ची को 30-45 सेंमी की दूरी पर मेड़ या उससे सटाकर रोपाई की जाती है। प्याज के लिए मेड़ के दोनों ओर रोपाई की जाती है। रोपण के बाद पौधों की सिंचाई की जाती है।

फसल चक्र

वर्षा, शरद और ग्रीष्म की फसलें तालिका में बतलाए अनुसार लेना चाहिए -

वर्ष भर उगाने के लिए फसल चक्र

खरीफ	रबी	जायद	खरीफ	रबी	जायद
पालक	मिर्च	ककडी	बैंगन	मूली	भण्डी
तरोई	लहसून	छप्पन कद्दू	लोबिया	आलू	कद्दू
टमाटर	मैथी	तरबूज	मूली	प्याज	धनिया
टिण्डा	मटर	टमाटर	प्याज	पालक	करेला
भिण्डी	पत्तागोभी	करेला	भिण्डी	मूली	तरोई
लौकी	आलू	खरबूज	धनिया	फूलगोभी	लौकी
फूलगोभी	धनिया	प्याज	पुदीना	पुदीना	पुदीना
मिर्च	बाकला	टिण्डा	केला	केला	केला
ग्वार	बैंगन	बैंगन	नींबू	नींबू	नींबू
मिर्च	गाजर	पालक	पपीता	पपीता	पपीता

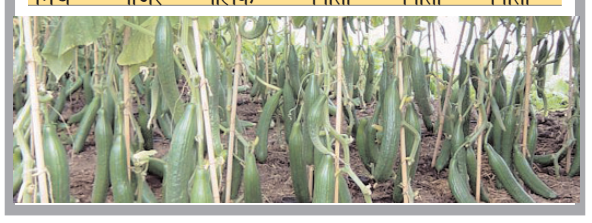

उत्तर भारत में खरीफ मौसम में प्याज की खेती

उत्तरी भारत में प्याज रबी की फसल है यहां प्याज का भंडारण अक्टूबर माह के बाद तक करना सम्भव नही है क्योकि कंद अंकुरित हो जाते हैं।

इस अवधि(अक्टूबर से अप्रैल) में उत्तर भारत में प्याज की उपलब्धता कम होने तथा परिवहन खर्चे के कारण दाम बढ जाते हैं। इसके समाधान के लिए कृषि वैज्ञानिकों ने उत्तर भारत के मैदानो में खरीफ में भी प्याज की खेती के लिए एन-53(ह्-53) तथा एग्रीफाउंड डार्क रैड नामक प्याज की किस्मों का विकास किया है।

प्याज की किस्म - एन-53(आई.ए.आर.आई.); एग्रीफाउंड डार्क रैड (एन.एच.आर.डी.एफ.)

बीज बुआई समय - मई अंत से जून

रोपाई का समय - मध्य अगस्त

कटाई - दिसम्बर से जनवरी

पैदावार - 150 से 200 क्विंटल/हैक्टेयर

अरहर

में रोग प्रबंधन

अरहर खरीफ की मुख्य दलहनी फसल है। दलहनी फसलों में चना के बाद अरहर का स्थान है। अरहर अंतर फसल एवं बीच के फसल के रूप में उगाई जाती है, अरहर ज्वार, बाजरा, उर्द एवं कपास के साथ बोई जाती है ।अन्य फलों की तरह अरहर में भी रोग का प्रकोप होता है जिनमें से कुछ रोगों के संक्षिप्त विवरण एवं प्रबंधन नीचे दर्शाया गया है ।

उकठा रोग (विल्ट)

यह रोग फ्यूजेरियम नामक कवक से होता है । इस रोग में पौधा पीला पड़कर सुख जाता है । फसल में फूल एवं फल लगने की अवस्था में एवं बारिश के बाद इस रोग का प्रकोप अधिक होता है । रोग ग्रसित पौधों की जडें सड़कर गहरे रंग की हो जाती हैं तथा छाल हटाने पर जड़ से लेकर तने तक काले रंग की धारियां पाई जाती हैं । एक ही खेत में कई वर्षों तक अरहर की फसल लेने पर इस रोग की उग्रता बढती है ।

उकठा रोग (विल्ट)

प्रबंधन –

- जिस खेत में रोग का प्रकोप अधिक हो वहां 3-4 साल तक अरहर की फसल न लें ।
- खेतों की ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करें ।
- ज्वार के साथ अरहर की फसल लेने से रोग की तीव्रता में कमी की जा सकती है।
- कवक नाशी जैसे बेनोमील 50व + थायरम 50व के मिश्रण का तीन ग्राम प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करें ।
- ट्राइकोडर्मा 4 ग्राम/किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करके बोएं ।
- रोग रोधी किस्में आशा, राजीव लोचन, सी -11 आदि का उपयोग बुआई हेतु करें ।

अरहर का बाँझ रोग -

यह रोग विषाणु जनित है जिसका वाहक एरियोफिड माईट है जो की एक प्रकार का सूक्ष्म जीव है। इस रोग की अधिकता के कारण 75% तक उत्पादन में कमी देखी गयी है । रोग से ग्रसित पौधे पीलापन लिए हुए झाड़ीनुमा हो जाते हैं । पत्तियों के आकार में कमी, शाखाओं की संख्या में वृद्धि तथा पौधों में आंशिक या पूर्ण रूप से फूलों का नहीं आना इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। फूल नहीं आने से फल नहीं लगते इसलिए इस रोग को बाँझ रोग कहते हैं । फसल पकने की अवस्था में रोगी पौधे लम्बे समय तक हरे दिखाई देते हैं जबकि स्वस्थ पौधे परिपक्व होकर सूखने लगते हैं ।

अरहर का बाँझ रोग -

प्रबंधन-

- जिस खेत में अरहर लगाना हो उसके आसपास अरहर के पुराने एवं स्वयं उगे हुए पौधे नष्ट कर देना चाहिए।
- खेत में जैसे ही रोगी पौधे दिखे उनको उखाड़कर नष्ट कर देना चाहिए।
- फसल चक्र अपनाना चाहिए।
- रोग रोधी प्रजातियाँ जैसे– पूसा-9, आई.सी.पी.एल.-87119, राजीव लोचन, एम.ए.-3, 6, शरद आदि का चयन करना चाहिए।
- फयूराडान 3 जी., की 3 ग्राम मात्रा प्रति किलो बीज की डर से उपचारित करना चाहिए एवं फसल की प्रारंभिक अवस्था में कैल्थेन (1 मिली./ली. पानी) का छिडकाव रोगवाहक माईट के रोकथाम में प्रभावी होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)-

यह रोह कवक के द्वारा होता है। इसका प्रकोप । दिन से लेकर एक माह के पौधों में दिखाई देता है । शीघ्र पकने वाली किस्मों में इस रोग का प्रभाव अपेक्षाकृत अधिक होता है । प्रभावित पौधों की पत्तियों पर पनीले धब्बे बन जाते हैं एवं एक सप्ताह के भीतर पूरी पत्तियां जलकर नष्ट हो जाते हैं । साथ ही तने एवं शाखाओं पर धब्बे गोलाई में बढ़कर उतने भाग को सुखा देते हैं, जिससे तना एवं शाखाएं टूट जाती हैं । इस रोग का प्रकोप कम उम्र के पौधों में अपेक्षाकृत अधिक होता है। अनुचित जल निकास वाले क्षेत्रों में भी इस बीमारी का प्रभाव अधिक होता है ।

तना अंगमारी रोग (स्टेम ब्लाइट)- प्रबंधन -

- बीजों को बुवाई से पूर्व रिडोमिल नामक कवकनाशी की 2 ग्रा. मात्रा प्रति किग्रा.बीज की से उपचारित करें ।
- खेतों में जल निकास की उचित व्यवस्था करें ।
- जहाँ इस रोग का प्रकोप अधिक होता है वहां 3-4 वर्ष तक अरहर की फसल नहीं लेनी चाहिए ।
- रोग की प्रारभिक अवस्था में ताम्रयुक्त कवकनाशी जैसे फायटोलान 50व की 2.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से या रिडोमिल एम.जेड. 1.5 ग्राम मात्रा प्रति लीटर पानी की दर से 10-12 दिन के अन्तराल में छिडकाव करना चाहिए ।
- रोगरोधी किस्में जैसे – पूसा-9, एन.ए.-1, एम.ए.-6, बहार, शरद, अमर आदि का चुनाव करना चाहिए।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि एवं मध्यवर्गीय परिवारों को राहत प्रदान की जानी चाहिए बजट में

प्रहलाद सबनानी

देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

जुलाई 2024 माह में शीघ्र ही केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए पूर्णकालिक बजट पेश किया जाने वाला है। हाल ही में लोक सभा के लिए चुनाव भी सम्पन्न हुए हैं एवं भारतीय नागरिकों ने लगातार तीसरी बार एनडीए की अगुवाई में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को सत्ता की चाबी आगामी पांच वर्षों के लिए इस उम्मीद के साथ पुनः सौंप दी है कि आगे आने वाले पांच वर्षों में केंद्र सरकार द्वारा देश में आर्थिक विकास को और अधिक गति देने के प्रयास जारी रखे जाएंगे। अब केंद्र सरकार में वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण शीघ्र ही केंद्रीय बजट पेश करने जा रही हैं।

पिछले लगातार दो वर्षों के बजट में पूंजीगत खर्चों की ओर इस सरकार का विशेष ध्यान रहा है। वित्तीय वर्ष 2022-23 में 7.50 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था और वित्तीय वर्ष 2023-24 में इस राशि में 33 प्रतिशत की राशि की भारी भरकम वृद्धि करते हुए 10 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया गया था। हालांकि, वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए भी 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है जो पिछले वर्ष की तुलना में केवल 11 प्रतिशत ही अधिक है। इस राशि को यदि 33 प्रतिशत तक नहीं बढ़ाया जा सकता है तो इसे कम से कम 25 प्रतिशत की वृद्धि के साथ आगे बढ़ाने के प्रयास होना चाहिए अर्थात वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए 11.11 लाख करोड़ रुपए की राशि के स्थान पर 12.5 लाख करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान पूंजीगत खर्चों के लिए किया जाना चाहिए।

किसी भी देश की आर्थिक प्रगति को गति देने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि होना बहुत आवश्यक है और फिर भारत ने तो वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर की रफ्तार को पकड़ा ही है। आर्थिक विकास की इस वृद्धि दर को बनाए रखने एवं इसे और अधिक आगे बढ़ाने के लिए पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करना ही चाहिए। आर्थिक विकास दर में तेजी के चलते देश में रोजगार के नए अवसर भी अधिक मात्रा में विकसित होते हैं। जिसकी वर्तमान परिप्रेक्ष्य में भारत को बहुत अधिक आवश्यकता भी है। भारत में पिछले 10 वर्षों के दौरान विकास की दर को तेज करने के चलते ही लगभग 25 करोड़ नागरिक गरीबी रेखा के ऊपर उठ पाए हैं एवं करोड़ों नागरिक मध्यवर्ग की श्रेणी में शामिल हुए हैं। अब भारत में

गरीबी की दर 8.5 प्रतिशत रह गई है जो वित्तीय वर्ष 2011-12 में 21.1 प्रतिशत थी। गरीबी की रेखा से बाहर आए इन नागरिकों एवं मध्यवर्गीय नागरिकों ने देश में उत्पादों की मांग में वृद्धि करने में अहम भूमिका निभाई है। साथ ही, कर संग्रहण में भी इस वर्ग ने महती भूमिका अदा की है। आज प्रत्यक्ष कर संग्रहण लगभग 25 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करता हुआ दिखाई दे रहा है तथा वस्तु एवं सेवा कर भी अब औसतन लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए प्रतिमाह से अधिक की राशि के संग्रहण के साथ आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। साथ ही, भारतीय रिजर्व बैंक ने भी वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए 2 लाख करोड़ से अधिक की राशि का लाभांश केंद्र सरकार को उपलब्ध कराया है तो सरकारी क्षेत्र के बैंकों/उपक्रमों ने 5 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि का लाभ अर्जित कर केंद्र सरकार को भारी भरकम राशि का लाभांश उपलब्ध कराया है, जबकि कुछ वर्ष पूर्व तक केंद्र सरकार को सरकारी क्षेत्र के बैंकों के घाटे की आपूर्ति हेतु इन बैंकों को बजट में से भारी भरकम राशि उपलब्ध करानी होती थी। कुल मिलाकर इस आमूल चूल परिवर्तन से केंद्र सरकार के बजटीय घाटे में भारी कमी दृष्टिगोचर हुई है। केंद्र सरकार का बजटीय घाटा कोविड महामारी के दौरान 8 प्रतिशत से अधिक हो गया था जो अब वित्तीय वर्ष 2024-25 में घटकर 5.1 प्रतिशत तक नीचे आने की सम्भावना व्यक्त की जा रही है। इस प्रकार, अब यह सिद्ध हो रहा है कि केंद्र सरकार ने न केवल अपने वित्तीय संसाधनों में वृद्धि करने में सफलता अर्जित की है बल्कि अपने खर्चों को भी नियंत्रित करने में सफलता पाई है।

पूंजीगत खर्चों में वृद्धि के साथ ही, केंद्र सरकार द्वारा अपने बजट में मध्यवर्गीय नागरिकों को आय कर की राशि में छूट देने का प्रयास भी वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में किया जाना चाहिए। क्योंकि, प्रत्यक्ष कर संग्रहण में हो रही भारी भरकम 25 प्रतिशत की वृद्धि इसी वर्ग के प्रयासों के चलते सम्भव हो पा रही है। वैसे, भारतीय आर्थिक दर्शन के अनुसार भी नागरिकों/करदाताओं पर करों का बोझ केवल उतना ही होना चाहिए जितना एक मधुमक्खी किसी फूल से शहद लेती है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में अधिक राशि पहुंचने का सीधा सीधा फायदा अर्थव्यवस्था को ही होता है। मध्यवर्गीय नागरिकों के हाथों में यदि खर्च करने के लिए अधिक राशि पहुंचती है तो वह विभिन्न उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देता है इससे इन उत्पादों की मांग में वृद्धि दर्ज होती है और इन उत्पादों का उत्पादन बढ़ता है। उत्पादन बढ़ने से रोजगार के नए अवसर अर्थव्यवस्था में निर्मित होते हैं एवं कम्पनियों द्वारा विनिर्माण इकाईयों का विस्तार किया जाता है तथा निजी क्षेत्र में भी पूंजीगत निवेश बढ़ता है। कुल मिलाकर अर्थव्यवस्था के चक्र को बढ़ावा मिलता है जो अंततः देश के कर संग्रहण में भी वृद्धि करने में सहायक होता है। मध्यवर्गीय परिवार के आय कर में कमी करने से बहुत सम्भव है कि भारत में औपचारिक अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा मिले। क्योंकि कई देशों में यह सिद्ध हो चुका है कि कर की राशि को कम रखने से औपचारिक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलता है इससे कर की दर को कम करने के उपरांत भी कर संग्रहण में वृद्धि होते हुए देखी गई है। ऐसा कहा जाता है कि भारत में अभी भी अनऔपचारिक अर्थव्यवस्था औपचारिक अर्थव्यवस्था के करीब करीब बराबरी पर ही चलती हुए दिखाई देती है। हालांकि केंद्र सरकार द्वारा अर्थव्यवस्था में आर्थिक व्यवहारों के भारी मात्रा में डिजिटलीकरण करने के उपरांत भारत की अर्थव्यवस्था को औपचारिक बनाने में बहुत मदद मिली है और इसी के चलते ही वस्तु एवं सेवा कर का संग्रहण लगभग 1.80 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि प्रतिमाह के स्तर पर पहुंच सका है। अतः कुल मिलाकर देश में मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या जितनी तेज गति से आगे बढ़ेगी देश का आर्थिक विकास भी उतनी ही तेज गति से आगे बढ़ता हुआ दिखाई देगा।

दरअसल, देश में कर संग्रहण में आकर्षक वृद्धि के बाद ही गरीब वर्ग की सहायता के लिए भी विभिन्न योजनाएं सफलता पूर्वक चलाई जा सकेंगी। अतः वित्तीय वर्ष 2024-25 का बजट मध्यवर्गीय परिवारों की संख्या में वृद्धि को ध्यान में रखकर ही बनाया जाना चाहिए। ऐसा कहा भी जाता है कि मध्यवर्गीय परिवार गरीब परिवारों को सहायता उपलब्ध कराने में सदैव आगे रहा है।

संपादकीय

कांग्रेस पर तीखा हमला

ष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। विपक्ष ने प्रधानमंत्री के भाषण के दौरान काफी हंगामा करने के बाद वॉकआउट कर दिया। मोदी ने इसका उपहास करते हुए आपातकाल की घटनाओं का उल्लेख किया। कांग्रेस को सबसे सबसे बड़ी संविधान विरोधी पार्टी करार देते हुए कहा कि १९७७ का चुनाव इसी मुद्दे पर लड़ा गया थाङ्क जिसमें कांग्रेस की करारी हुई थी। ७५ साल पुराने कानून पर चर्चा और ५० साल पुराने आपातकाल को भूलने पर कांग्रेस को कठघरे में खड़ा करते हुए मोदी ने कहा कि पाप पुराना होने के बाद खत्म नहीं हो जाता। विपक्ष के मणिपुर के मुद्दे पर प्रधानमंत्री के न बोलने का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि वहां पहले से अधिक शांति हैङ्क स्कूलझकॉलेजङ्क दफ्तर खुल रहे हैं। मनमोहन सिंह के सरकार के दौरान भी संविधान की धज्जियां उड़ाने की बात भी दोहराई। रोजमर्रा की जिंदगी में सरकार के दखल को कम करने की चर्चा की ताकि अपने बलबूते आगे बढक्ष्स्ने वालों को सरकारी दखल से परेशान न होना पड़े.। लोकतंत्र की यह खूबी कही जाएगी जहां विपक्ष को सरकार का प्रतिरोध करने की पूरी आजादी होती है। खासकर नई लोक सभा में पिछली के मुकाबले विपक्ष का संख्या बल बढक्ष्स्र है जिसका लाभ लेने से वे चूकना नहीं चाहते। सत्ता पक्ष को भी इसका भरपूर ख्याल रखना चाहिए ताकि विपक्ष की आवाज दबती न प्रतीत हो। विपक्ष का भी दायित्व है कि सदन की मयार्दा बनाए रखते हुए अपनी बात रखे। हालांकि राज्यों को साथ लेकर चलने की मोदी की बात की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए जैसा कि उन्होंने कहा विश्व देश में निवेश को राजी हैङ्क जिसकी हर राज्य को मुस्तैदी से तैयारी करनी चाहिए। असल विकास तभी संभव हैङ्क जब सब मिलझजुलकर सर्वजन हिताय काम करने को राजी होंगे। हालांकि सरकार हमेशा अपनी पीठ थपथपाने का काम करती नजर आती है जबकि हकीकत कुछ और ही होती है। जिस वक्त मोदी अपने भाषण में प. बंगाल में एक महिला की पिटाई की बात कर रहे थेङ्क ठीक उसी वक्त यहां उप्र में सत्संग के दौरान सवा सौ लोग भगदड़. में कुचल कर मारे गए। उन पर दो शब्द बोले जाने भी आवश्यक थे। देश के मुखिया को पक्षपाती नहीं होना चाहिए। करिश्माई चरित्र होने के नाते उनकी बात समूचा देश ध्यान से सुनता है। इसलिए उन्हें जिम्मेदार अभिभावक की तरह हर नागरिक की भावना का ख्याल रखते हुए ही बोलना चाहिए।

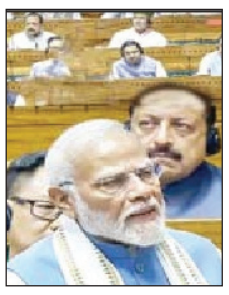

चिंतन-मनन

सुखी जीवन की राह

एक राजा हमेशा तनाव में रहता था। एक दिन उससे मिलने एक विचारक आया। उसने राजा से उसकी परेशानी पूछी तो वह बोला - मैं एक सफलतम राजा बनना चाहता हूं, जिसे प्रजा का हर व्यक्ति पसंद करे। मैंने अब तक अनेक सफल राजाओं के विषय में पढ़ा और उनकी नीतियों का अनुसरण किया, किंतु मुझे वैसी सफलता नहीं मिली। लाख प्रयासों के बावजूद मैं एक अच्छा राजा नहीं बन पा रहा हूं।

राजा की बात सुनकर विचारक ने कहा- जब भी कोई व्यक्ति अपनी प्रकृति के विपरीत कोई काम करता है, तो यही होता है। राजा ने हैरानी जताते हुए कहा - मैंने अपनी प्रकृति के विपरीत क्या काम किया? विचारक बोला - तुम्हें बाकी लोगों पर हुक्म चलाने का अधिकार प्रकृति से नहीं मिला है। तुम जब बाकी लोगों की तरह साधारण जीवन बिताओगे, तभी तुम्हें आनंद मिलेगा। जंगल में रहने वाले शेर की जान उसकी खाल की वजह से हमेशा खतरे में रहती है, क्योंकि वह बहुत कीमती होती है।

इसी वजह से वह रात में शिकार पर निकलता है, इस भय से कि सुंदर खाल के कारण उसे कोई मार न डाले। शेर तो अपनी खाल को नहीं त्याग सकता, किंतु तुम अपनी सफलता के लिए स्वयं को राजा मानना छोड़ सकते हो। जब तक स्वयं को राजा मानते रहोगे, दुख ही पाओगे। राजा को विचारक की बात जंच गई और उस दिन से वह सुखी हो गया। दरअसल अपेक्षा दुख का कारण है। इसलिए किसी से कोई अपेक्षा न रखें और अपने कर्म करते हुए सहज जीवन जिएं तो निर्मल आनंद की अनुभूति सुलभ हो जाती है।

जैविक कृषि से घटेगा पानी का संकट

संजय गोस्वामी

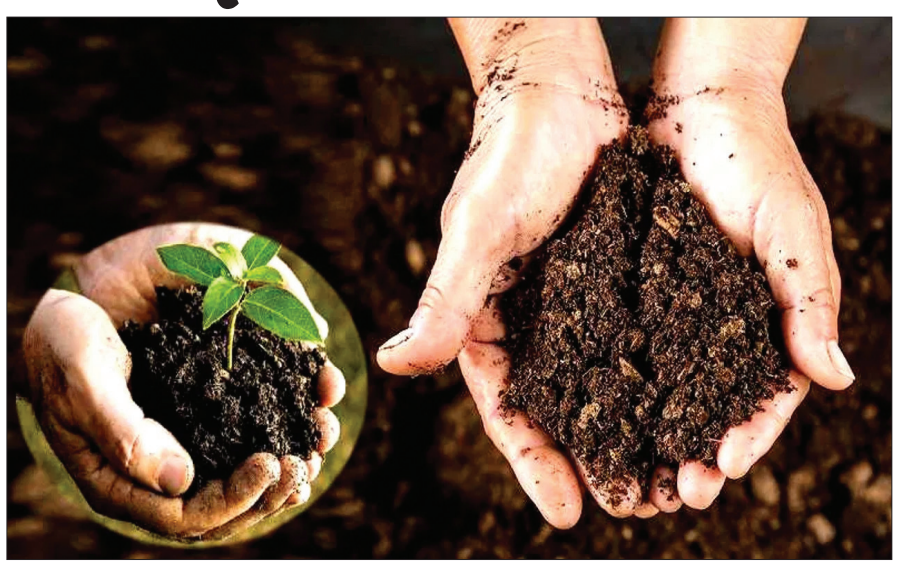

जैविक कृषि मिट्टी की उर्वरता में सुधार करता है और जैविक विविधता को बनाए रखता है। यह पर्यावरण के लिए लाभदायक है रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के प्रयोग के कारण पानी की खपत अत्यधिक बढ़ी है। मिट्टी में सैकड़ों किस्म के जीव-जन्तु और जीवाणु होते हैं, जो खेती के लिए हानिकारक कीटों को खा जाते हैं और साथ ही मिट्टी को भुरभुरा, सजीव और उर्वर बनाते हैं। ऐसी भूमि में वर्षा जल के संचय की क्षमता बहुत ज्यादा होती है। लेकिन रासायनिक खाद और कीटनाशक खेती के लिए उपयोगी जीव-जन्तुओं और जीवाणुओं को नष्ट कर देते हैं।कृषि में प्रयुक्त रसायन अनाजों, फलों, सब्जियों और दूध के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करने लगे हैं, जिससे गर्भपात, कैंसर तथा अन्य घातक बीमारियां बढ़ने लगी हैं। जिन छोटे किसानों के पास अपना नलकूप नहीं होता है उन्हें पानी खरीदने के लिए ज्यादा पैसा देना पड़ता है। किसान कर्जे के बोझ से दबते जाते हैं। पानी की समस्या आने वाले वर्षों में विकराल रूप ले सकती है और भारत को भीषण अन्न संकट का सामना करना पड़ सकता है।। अभी भी भारत की मात्र 35 फीसदी कृषि भूमि में अत्यंधिक सिंचाई और रसायनों के प्रयोग वाली खेती होती है। शेष 65 प्रतिशत कृषि उपेक्षित है। अगर इस प्रकार की कृषि और रासायनिक उर्वरकों तथा कीटनाशकों के लिए दी जाने वाली भारी सब्सीडी को जल पुनर्भरण और सम्पूर्ण कृषि भूमि में जैविक कृषि के विकास के लिए

लगा दिया जाए तो पानी का संकट घटेगा और कृषि उत्पादन भी बढ़ेगा। यही कारण है कि यूरोप, अमेरिका वाले तेजी से जैविक खेती की ओर अग्रसर हो रहे हैं और रसायनों के उपयोग से उपजे अनाज, फल तथा सब्जियों के आयात पर रोक लगा रखी है, विडम्बना यह है कि जिन जहरीले कीटनाशकों का प्रयोग उन्होंने अपने देश में प्रतिबंधित कर रखा है सारा सार्वजनिक धन इसी पर लगाया जाता है। उन्हीं का निर्यात दुनिया के देशों को करते हैं।जैविक खेती में बहुत कम पानी की जरूरत होती है, क्योंकि सजीव मिट्टी अपनी प्रकृति के कारण वर्षाजल को सोखकर लम्बे समय तक सरस बनी रहती है। गोबर खाद, केंचुआ खाद तथा अन्य जैविक खादों और कीटनाशक के रूप में नीम, लेमन ग्रास जैसे दर्जनों साधन प्रचुरता में उपलब्ध हैं जिनका उपयोग हो सकता है। रासायनिक उर्वरकों के अंधाधुन्ध प्रयोग से मृदा संरचना नष्ट हो जाती है जिससे मृदा के कण एक दूसरे से अलग हो जाते हैं परिणामस्वरूप मृदा अपरदन की दर में तीव्र वृद्धि की सम्भावना बढ़ जाती है।रासायनिक खते का जैविक खेत में रूपांतरण में जो समय लगता है, उस समय को ब्वरूपांतरण अवधि कहते है। जबकि मृदा उर्वरकता आरै पारिस्थितिकी के संतुलन को पुनः स्थापित करने के लिए यह अवधि हमेशा पर्याप्त नही होती,इसलिए इस अवधि में वहा सारे कार्य करने है,जिनसे हम अपने लक्ष्य तक पहंचु सके।कृषि में जल के अत्यधिक प्रयोग से जलजमाव के कारण मृदा की लवणता एवं क्षारीयता में वृद्धि होती है जिससे उपजाऊ भूमि उसर भूमि में परिवर्तित हो जाती है। सिंचाई जल के कुप्रबन्धन के कारण देश की लगभग 6.5 मिलियन हेक्टयर भूमि जल जमाव से प्रभावित है तथा तकरीबन 7.5 मिलियन हेक्टेयर भूमि लवणता एवं क्षारीयता से प्रभावित है। अतः देश को पानी के संकट से बचाने के लिए, पारम्परिक कृषि के स्थान पर जैविक कृषि के माध्यम जैविक खादों और कीटनाशक के रूप खेतों में प्रयोग करना अति आवश्यक है।

स्पेशल ऑडिटः ऐसे होते रहना चाहिए

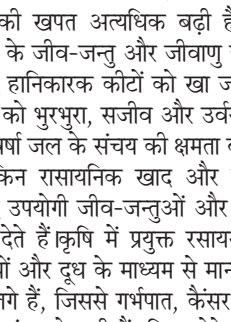

रजनीश कपूर

कई दशकों पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने सार्वजनिक रूप से यह बात स्वीकार की कि जनता के विकास के लिए आवंटित धनराशि का जो प्रत्येक 100 रुपया दिल्ली से जाता है, वह जमीन तक पहुंचते-पहुंचते मात्र 14 रुपये रह जाता है। 86 रुपये रास्ते में भ्रष्टाचार की बलि चढ़ जाते हैं। सारा विकास केवल कागजों पर ही होता है। बीते दशकों में प्रशासनिक भ्रष्टाचार के बावजूद नागरिकों को कुछ सुविधाएं अवश्य मिली हैं। अलबत्ता, जिस तरह के विकास का प्रचार हुआ उसने राजीव गांधी की बात याद दिला दी।

इंद्रदेव के कहर के कारण देश के कई भागों से काफी दर्दनाक दृश्य सामने आए। हर तरफ से तबाही के विचलित करने वाले दृश्यों को देख मन में यही सवाल उठा कि इस साल मानसून की पहली बारिश से जो हाल हुआ है, क्या वो वास्तव में प्राकृतिक आपदा माना जाए? क्या इस तबाही के पीछे इंसान का कोई हाथ नहीं? क्या भ्रष्ट सरकारी योजनाओं के चलते ऐसा नहीं हुआ? कब तक हम ऐसी तबाही को कुदरत का कहर मानेंगे? सरकार चाहे किसी भी दल या राज्य की क्यों न हो जनता के वोट पाने के लिए विकास के कार्यों की अनेक जनोपयोगी योजनाओं की घोषणाएं की जाती हैं। इन्हें सुन कर हर कोई मानता है कि नेता जी ने एक बड़ा सपना देखा है और ये सारी योजनाएं उसी सपने को पूरा करने की तरफ एक-एक कदम हैं।

बीते कुछ वर्षों में घोषित योजनाओं में से कुछ का निश्चित रूप से लाभ आम जन को मिला है। दूसरी ओर, कई घोषित योजनाएं केवल कागजों पर ही दिखाई दीं। यदि कोई प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री जनता के कल्याण के लिए अनेक दकियानूसी परंपराओं तोड़कर क्रांतिकारी योजनाएं लाते हैं, तो यह भी जरूरी है कि समयझसमय पर वे इस बात का जायजा भी लेते रहें कि घोषित कार्यक्रमों का क्रियान्वयन कितने फीसद हो रहा है। तीसरी बार प्रधानमंत्री बने मोदी जी हों या किसी भी राज्य के मुख्यमंत्री, उन्हें जमीनी सच्चाई जानने के लिए गैर-पारंपरिक साधनों का प्रयोग करना पड़ेगा। मौजूदा खुफिया एजेंसियां या सूचना तंत्र उनकी सीमित मदद ही कर पाएंगे। प्रशासनिक ढांचे का अंग होने के कारण इनकी अपनी सीमाए होती हैं। इसलिए देश या सूबे के मुखिया को गैर-पारंपरिक 'फीड-बैक मैकेनिज्म' का सहारा लेना पड़ेगा।

हजारों साल पहले भारत के पहले सबसे बड़े मगध साम्राज्य के शासक सम्राट अशोक जादूगरों और बाजीगरों के वेश में अपने विश्वासपात्र लोगों को भेजकर अपने साम्राज्य में जमीनी हकीकत का पता लगवाते थे और उसके आधार पर प्रशासनिक निर्णय लेते थे। आज के सूचना प्रौद्योगिकी के युग में यह आसानी से किया जा सकता है। यदि मोदी जी या कोई मुख्यमंत्री ऐसा कुछ करते हैं, तो उन्हें इसका बहुत बड़ा लाभ होगा। ऐसा करते हैं, तो उन्हें उपलब्धियों के बारे में बढ़ा-चढ़ाकर आंकड़े प्रस्तुत करने वाली अफसरशाही और खुफिया तंत्र गुमराह नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास समानांतर स्रोत से सूचना पहले से ही उपलब्ध होगी। अप्रत्याशित स्थिति से निपटने का यही तरीका है कि अफसरशाही के अलावा जमीनी लोगों से भी हकीकत जानने की कोशिश की जाए। यह पहल प्रशासनिक मुखिया को ही करनी होगी। मिसाल के तौर पर इस साल की पहली बारिश के चलते देश के कई एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन, ट्रेनों, सड़कों, पुलों आदि के नुकसान को गंभीरता से लेना चाहिए। विपक्ष चाहे जैसे भी हमले करे पर केंद्र और राज्य सरकारों को हादसों से सबक लेते हुए संबंधित राज्य सरकारों, मंत्रालयों, विभागों और अफसरशाही से समयबाधित रिपोर्ट लेनी चाहिए। दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए।

विकास की घोषित योजनाओं का 'सोशल ऑडिट' भी जरूरी है। इसके लिए देश के मुखिया या मुख्यमंत्रियों को अपने विश्वसनीय सेवानिवृत्त अधिकारियों, पार्टी के समर्पित कार्यकताओं और स्थानीय प्रबुद्ध नागरिकों की संयुक्त टीम बनानी चाहिए जो वस्तुस्थिति का मूल्यांकन करें और उन तक निष्पक्ष रिपोर्ट भेजें। 'सोशल ऑडिट' करने का यह तरीका किसी भी लोकतंत्र के लिए फायदे का सौदा होता है। इसलिए जो भी प्रधानमंत्री या मुख्यमंत्री ईमानदार होगा, पारदर्शिता में जिसका विश्वास होगा और जो वास्तव में अपने लोगों की भलाई और तरक्की चाहेगा, वो सरकारी तंत्र के दायरे के बाहर इस तरह का 'सोशल ऑडिट' करवाना अपनी प्राथमिकता में रखेगा। चूंकि चुनावी सभा में हर दल के नेता बार-बार 'जवाबदेही' और 'पारदर्शिता' पर जोर देते हैं, इसलिए निर्वाचित होने के बाद उन्हें यह सुझाव अवश्य ही पसंद आएगा। आशा की जानी चाहिए कि आने वाले समय में देश के कोने-कोने से जागरूक नागरिकों द्वारा प्रधानमंत्री और राज्यों के मुख्यमंत्रियों को ऐसा 'सोशल ऑडिट' करवाने के लिए आह्वान किया जाएगा। इससे देश में नई चेतना और राष्ट्रवाद का संचार होगा। भ्रष्टाचार पर लगाम भी कसेगी। जनहित की योजनाओं की घोषणाएं भी कागजों पर नहीं, बल्कि जमीन पर सफल होती नजर आएंगी।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Union Budget should focus on growth, equity and job creation

THE Union Budget is set to be presented later this month. It should be guided by two important considerations: India's aspiration to become a developed country by 2047, and the Lok Sabha election verdict, which seems to have been impacted by growing inequalities, rural distress and unemployment. Since 2014, the Union Budget has followed a vision guided by four pillars — fiscal prudence, building state-of-the-art infrastructure, achieving a higher growth trajectory and welfarism. The Finance Minister (FM) needs to recalibrate these pillars by according priority to high growth, equity and employment. Fiscal prudence and world-class infrastructure may be used as instruments to achieve these pillars, while welfarism may be taken care of with equity.

High growth would remain an epicentre of economic policies to achieve the meta-objective of making India a developed country (Viksit Bharat). The Indian economy's growth rate is hovering around 7 per cent per annum. According to an RBI study, 'India@100', the country's real GDP needs to grow at an annual rate of growth of 9.1 per cent during 2023-24 to 2047-48 for achieving the IMF benchmark of the GDP ($49,069 billion) of an advanced economy. The rate of growth, as per the World Bank benchmark of a developed country ($35,025 billion GDP), works out to be 7.6 per cent. This Budget should lay a foundation for achieving the average of these targets (8.35 per cent) by adopting a multi-pronged strategy — increasing capital expenditure, inducing private investment, creating world-class infrastructure, incentivising the adoption of latest technologies for improving efficiency in the economy and initiating outcome-oriented reforms across sectors for making the Indian economy globally competitive.The second priority of the Budget should be the promotion of equity across classes, sectors and regions. During the post-reforms era, India has witnessed growing inequalities. For India to become a developed nation, it is essential to make development inclusive. Over the past decade, the Union Budget has adopted the welfarism approach for improving the economic wellbeing of the poor, women, girls, farmers, youth and tribals by initiating financial inclusion and schemes focusing on areas like food, housing, health, education and skill development. Richer classes have reaped the benefits of opening up of the Indian economy. However, people just above the poverty line and the lower middle class have borne the brunt of market forces in the form of inflation and a lack of adequate quality jobs due to contractualisation, automation and the use of smart technologies like artificial intelligence. In the forthcoming Budget, it is recommended to have better policy packages both for the poor, people just above the poverty line and the lower middle class. These packages would help generate a huge demand and stimulate economic growth.Sectoral inequalities are also an outcome of India's growth story. The services sector and the industry have grown faster than agriculture. For achieving a rate of growth above 8 per cent in the coming 25 years, it is essential to develop all sectors simultaneously as they have forward and backward linkages. Allocating more budgetary resources for developing agriculture and allied activities would help mitigate rural unrest and act as a catalyst for growth in the form of an expanding market.

Roll out a roadmap to rebuild agriculture

The sector needs out-of-the-box thinking, however much may it upset the governing elite

FOR any discerning reader, this is a shocking revelation — in two decades, the price of bread in Switzerland has doubled, but the farmgate price of wheat has come down by half. This is an arrangement that has kept everyone happy, except the farmers.A former chairperson of the Punjab Farmers' and Farm Workers' Commission, Ajay Vir Jakhar, recently tweeted: "Twenty years ago, the price of bread in Switzerland was 2.5 Swiss francs (CHF) and the price of wheat was 110 CHF per kg. Today, the price of bread is 4 CHF and the price of wheat is 50 CHF per kg." Sometime back, I had shared an example from Canada, where wheat prices had tumbled over the past 150 years but bread prices had zoomed in the past four decades. This disturbing trend of declining farm output prices is not exclusive to Switzerland and Canada — it is more or less a global phenomenon. For over a century now, farm prices have been declining steeply, pushing farmers to either commit suicide, abandon agriculture or struggle to survive against all-pervasive distress. This is food inequality.People who produce food end up living perpetually in poverty. Often, it has been seen that the farm prices are low and do not even cover the cost of production. The tragedy is that those who bring food to our tables can't even afford to feed themselves. With successive governments pushing for increased productivity, the farmer's welfare was simply overlooked. Very cleverly, while farmers felt easily elated when called annadata, the other stakeholders in the agricultural supply chains rolled in profits. In the process, farmers have been rendered bankrupt.

While farmers suffer and rural wages stagnate, the broken food system has kept consumers happy. Keeping food prices deliberately low and pushing them still lower with every passing year, and at the same time extracting excessive profits — seller's profit, as it is now called — has led agribusiness companies to laugh all the way to the bank. Although corporates blame rising wages and supply chain bottlenecks for the rising prices, studies have shown that in the US, for instance, in the second and third quarters of 2023, corporate profits fuelled 53 per cent of the inflation. Further, corporate profits jumped after the Covid pandemic, reaching a record high by the last quarter of 2023. In the four decades prior to the pandemic, the contribution of corporate profits to inflation was only around 11 per cent.For over a century and a half, the economic design had denied rightful prices to farmers. Obviously, with policymakers turning a blind eye to the deepening crisis on the farm front, rural anger only gets highlighted in the election season. 'India's government claims to subsidise farmers, but actually hurts them' (The Economist, July 12, 2018) provides an interesting insight. While the OECD (Organisation for Economic Cooperation and Development) countries, the richest trading bloc, provide an equivalent of 18 per cent of the farm income to producers, India actually ends up taxing them.Accordingly, 6 per cent of the farm income is appropriated on an average in India. In another OECD study, it became clear that while Indian farmers lost 15 per cent on an average by way of low prices between 2000 and 2016, the real benefit accrued to consumers, who gained by 25 per cent in subsidised prices.

As the Finance Minister gets ready to present the full Budget for 2024-25, it is time to visualise what kind of economic policies are needed not only to assuage farmers' growing anger but also to lay out a roadmap for rebuilding agriculture. Remember what economist Jean Dreze had remarked: "Political discourse in India normally takes place within certain boundaries set by the privileged and powerful. If you overstep these boundaries, expect some trouble." Agriculture needs out-of-the-box thinking, however much may it upset the governing elite.

All these years, the predominant route to raising farm incomes has been through more budgetary support for technological interventions. Even with the move towards digitalisation, artificial intelligence, robotics and precision farming, thereby bringing agriculture increasingly into the corporatisation lap, it has to be acknowledged that while the industry around agriculture has and will benefit immensely from such budgetary support, farmers continue to be pushed deeper into distress.Productivity gains haven't translated into living income for farmers. If farm incomes continue to be at the bottom of the pyramid even 60 years after the Green Revolution, the promise of technological transformation towards Agriculture Revolution 4.0 cannot be seen as a panacea for all the ills afflicting agriculture. As usual, policymakers are once again skirting the real cause of farm distress — falling farm incomes — and trying to cover it up with the flawed thinking that technological interventions will boost incomes.Amid 'global boiling', resilient agriculture will come from regenerative farming practices. More than artificial intelligence, what is needed is to first utilise available natural intelligence. It is important to first invest in building the capacity and potential of human population engaged in agriculture. The dominant economic thinking will not be comfortable with this, but the time has come to look beyond the pre-designed parameters.Given that agriculture is the biggest employer in the country, employing 45.5 per cent of the workforce, making agriculture a profitable enterprise is the need of the times. The conventional thinking of helping the industry which, in turn, will help raise farm incomes — conforming to the trickle-down principle — is unlikely to work.To remove food inequality, there is a growing need for fresh thinking. First, provide a legal mechanism for guaranteeing farm prices as per the MS Swaminathan formula; secondly, the Finance Minister should ensure that 50 per cent of the Budget is allocated for roughly half of the population. To begin with, start enhancing the farm budget every year by 10 per cent of the total. At present, it is less than 3 per cent.

Hathras stampede

Draw lessons to improve crowd management

IT was a disaster waiting to happen, with around 2.5 lakh people crammed into a venue in which only 80,000 were permitted by the authorities. The death toll in the stampede that broke out during a 'satsang' in Hathras (Uttar Pradesh) has crossed 120; the victims were part of the crowd which had gathered to hear a preacher. According to the FIR, the organisers secured permission for the congregation on the basis of a false undertaking about the actual number of devotees who were expected to attend it; they are also accused of refusing to cooperate with the police in traffic control and concealing evidence after the incident.

It is ironical and unfortunate that in a country where people throng one religious place or the other on a daily basis, crowd management often leaves a lot to be desired. A decade ago, the National Disaster Management Authority (NDMA) had brought out a guide on managing crowds at events and venues of mass gathering. This document was aimed at spurring state governments, local authorities and organisers to adopt an integrated and structured approach to crowd and disaster management. The NDMA had stated that man-made tragedies such as stampedes could be prevented with 'proactive planning and flawless execution by dedicated groups with well-trained personnel'. However, all this was conspicuous by its absence at the Hathras event.Giving misleading estimates about the size of the audience or congregation is a common ploy to get the administration's nod. At times, palms are greased to get the job done. However, the organisers cannot be solely blamed when things go horribly wrong. The authorities should exercise due diligence in granting permission; spot inspections are a must to ascertain whether adequate safety arrangements have been made for even the worst-case scenario. The way forward is to take exemplary action against those whose rank negligence or greed puts lives on the line.

Time running out to combat climate change

Humankind seems to have sleepwalked into a planetary crisis. Some heads of government realise that the decisions we make today are going to determine our future

ON June 17, the World Day to Combat Desertification and Drought, United Nations Secretary-General (UNSG) Antonio Guterres told the 193 member states that almost 40 per cent of the planet's land was degraded. "The security, prosperity and health of billions of people rely on thriving lands supporting lives, livelihoods and ecosystems, but we are vandalising the Earth that sustains us," he said. In his World Environment Day (June 5) address, Guterres had expressed concern about humankind's profound insensitivity: "Our planet is trying to tell us something. But we don't seem to be listening."His words were echoed in the June 20 speech by Carlos Manuel Rodríguez, Chairperson of the Global Environment Facility, at its council meeting held in Washington DC: "We are at a moment of truth for the planet. We need to rise to the challenge by assessing what we have, where we need to go and how we will get there."June witnessed two major global discussions — the Bonn climate talks and the G7 parleys in Apulia, Italy. Later in the year, the G20 Summit (in Rio de Janeiro on November 18-19), the 79th session of the UN General Assembly (on September 10) and the COP29 (in Baku from November 11 to 22) will be held.

A study has found that even if greenhouse gas (GHG) emissions hit zero tomorrow, the climate chaos will cost at least $38 trillion a year by 2050. This staggering cost underscores the gravity and implications of climate change.he warning bells concerning the planetary crisis and the quest of conscientious thought leaders and decision-makers to find solutions sum up the proverbial dilemma of humankind while living in harmony with nature. Works such as Silent Spring (1962) and The Limits to Growth, This Endangered Planet and Only One Earth (all three published in 1972) had set the stage for the epochal UN Conference on Human Environment in Stockholm in 1972. They highlighted that the "human quest for development seriously threatens our fragile ecosystem". In recent years, works like Envisioning Our Environmental Future and Our Earth Matters have reflected the spirit of those early benchmarks by reminding the decision-makers of the rapidly 'depleting time' for a decisive course correction for planetary existence.The UNSG's warning is based on the findings of several scientific reports. According to the World Meteorological Organisation's (WMO) Global Annual to Decadal Climate Update (2024-28), "there is an 80 per cent likelihood that the annual average global temperature will temporarily exceed 1.5°C above pre-industrial levels for at least one of the next five years." The WMO's February 2023 report also stated that during the period from 2013 to 2022, the sea level rise was 4.5 mm/year, wherein human influence was construed as the main driver of such an alarming surge.

The IPCC Sixth Assessment Report (April 2022) drew the grim scenario that the "net anthropogenic GHG emissions have increased since 2010 across all major sectors globally… as have cumulative net CO2 emissions since 1850." The UN Environment Programme's Emissions Gap Report 2023 warned that the "global GHG emissions increased by 1.2 per cent from 2021 to 2022 to reach a new record of 57.4 gigatons of CO2 equivalent".

We live in the Anthropocene epoch (recognised in 2019), with an 'unmistakable imprint of human activities'. This has been affirmed in the formal proposal (October 2023) of the Anthropocene Working Group to the Subcommission on Quaternary Stratigraphy. That, in turn, calls for a new human prism for the care, maintenance and 'trusteeship of the planet' to seek answers for our environmental future. What lies in store for us in the next three quarters of the 21st century? How do we manage our profligate lifestyles, heavy resource extraction-based production processes and wasteful patterns of consumption so as not to endanger the very survival of life on this planet in general and the future of humankind in particular?This year is all set to become a landmark in succession to 2023 and 2022, which witnessed the Sustainable Development Goals Summit (last September in New York) and the Stockholm+50 Conference (in June 2022). The outcome of both these global conferences showed the gravity of the smouldering environmental crisis. This year, as mandated by a UN General Assembly resolution, the New York Summit of the Future will take place in September.

Humankind seems to have sleepwalked into a planetary crisis. Some heads of government have realised that "the decisions we make today are going to determine our future for decades to come" (as US President Joe Biden put it) as well as securing "a better future to the world and a better world to the future" (so said PM Narendra Modi). With time depleting rapidly, can we reverse this planetary crisis?The gathering storms provide indications of an environmental catastrophe. It is logical to pursue an ideational quest for "exploring the future pathways" for innovative and iconoclastic solutions. After the Summit of the Future, it would be appropriate for the UN General Assembly (UNGA) to hold an emergency special session to set in motion a normative process to nudge the 193 member states to gear up for global environmental challenges as a planetary concern. It posits a challenge for the global scholarly community to pursue an ideational groundwork, including contours of the UNGA's normative process, to be affirmed by a concrete plan of action as a follow-up to the Summit of the Future.

Budget 2024: Standard deduction may be increased to Rs 1 lakh

The budget for 2018 reinstated a Rs 40,000 standard deduction for salaried individuals, which was increased to Rs 50,000 in the interim budget of 2019.

cBudget 2024 is just around the corner, and there are many expectations and speculations regarding the benefits Finance Minister Nirmala Sitharaman may announce for taxpayers under Modi '3.0'.One such anticipated benefit in the upcoming budget is an increase in the standard deduction limit, which experts think is long due.The standard deduction of Rs 40,000 per year for salaried individuals was reintroduced in Budget 2018, replacing two earlier deductions—travel allowance (Rs 19,200) and medical deduction (Rs 15,000) per annum.In the interim budget of 2019, the standard deduction limit was increased to Rs 50,000. However, there has been a continuous demand to increase this limit, as the combined total of the replaced deductions was Rs 34,200. The current limit of Rs 50,000 offers only marginal additional savings to taxpayers.

Read Full Budget 2024 Coverage

What is Standard Deduction?

The standard deduction is a flat deduction available to individuals earning a salary. Employees do not need to submit any proof or documents to the employer or IT Department to claim this deduction.

A standard deduction of up to Rs 50,000 per year is allowed when computing income chargeable under the head "salaries." This deduction is available to all employees, whether in the private or government sector, regardless of the amount of salary. Until FY 2022-23, the standard deduction was available only under the old regime.However, starting from FY 2023-24, salaried taxpayers are also eligible for a standard deduction of

Rs 50,000 under the new tax regime.

The standard deduction is also available in the case of income from a pension, provided that the pension received is chargeable under the head "Income from Salaries" and not under "Income from Other Sources."In other words, the pension received by an individual after retirement is chargeable under the head "Income from Salaries," and the standard deduction is allowed in this case.

However, if the pension is received by the individual's dependents after their death, it is considered family pension and is chargeable under the head "Income from Other Sources" in the hands of the recipients. In this case, the standard deduction is not allowed.

Will Standard Deduction be increased?

"The middle-class, especially the salaried, are anticipating quite a few tax reliefs in the upcoming interim budget 2024. The Finance Act, 2018, introduced a standard deduction from salary of Rs 40,000. This was increased to Rs 50,000 in 2019. It has been almost five years since the standard deduction was revised," said Rahul Charkha, Partner, Economic Laws Practice.He added that to bring parity with businessmen and professionals, it is expected that the salaried individuals be provided a standard deduction for their official expenses of an amount of at least Rs 1,00,000 in 2024."The demand has become louder after the standard deduction was made a part of the new tax regime last year," said Charkha.

What are 'dal-chawal' funds? Edelweiss CEO Radhika Gupta explains

New Delhi. Edelweiss MD and CEO Radhika Gupta shared tips for safely investing in mutual funds on social media where she advised followers to ensure 80% of their portfolios consist of 'dal-chawal' funds.Sharing an example, Gupta mentioned she recently saw the portfolio of an investor who had invested Rs 27,000 worth of monthly SIP across 31 funds, of which 15 were narrow sectoral ones, cautioning it as "a danger in these times.""A danger in these times is to fill your portfolio with narrow ideas that ideally are satellite allocation. Remember, 80% of the portfolio should be 'dal-chawal' funds!" said Gupta.When a follower asked what such funds would comprise, she added, "I mean stuff that is not narrow themes. Hybrid funds, diversified equity funds, active or passive, it doesn't matter. The point is broad-based, all-weather stuff."

What's a dal-chawal fund?

According to Gupta, broad-based mutual funds that are 'all-weather' and 'span a range of sectors' would be 'dal-chawal' funds.As an example, she pointed to balanced advantage and aggressive hybrid type funds, including flexi, multi, large and mid, and broad-based 250-500 index funds, calling these "forever funds."

"Active or passive doesn't matter — the point is not a narrow theme-based fund that works in one cycle and not in the next," she added.

Should you invest in dal-chawal funds?

As per Gupta, investing in broad-based funds ensures you're covered through various market cycles and do not take hits because of over-allocation in one or two narrow sectors that may be on a downward spiral.

In short, it refers to the old adage—don't put all of your eggs in one basket. A diversified, broad investment portfolio ensures that you don't sink if your investment does and that your investments would ideally balance each other out in times of gains and losses.

In another series of posts on X, Gupta shared a few facts about sector rotation "since sector funds are the flavour of the season." Sharing graphs to explain her points, she noted that narrow sector funds saw returns in line with the market and would "rarely" beat it.

On specific sector funds, Gupta noted that these have cycles. Broad funds aggressively move between down cycles and up cycles, but prediction of the down cycles is difficult and sometimes counterintuitive.

HDFC Bank falls 4% after weak Q1 business update. Should you buy the dip?

NEW DELHI. Shares of HDFC Bank fell sharply on Friday, declining 4% in early trade after a weak business update. This not only led to a substantial erosion in its market capitalisation but also raised doubts among analysts about the bank's future performance.

Historically, the June quarter has been seasonally soft for the private lender, but the latest reported numbers are slightly lower than the usual 1-3% sequential growth range, said brokerage firm Nomura.HDFC Bank Q1 business update

The bank reported 11% year-on-year growth or flat sequential growth in its gross assets under management (AUM) on a pro-forma basis.Net of loan sell-downs, gross loans declined 0.8% sequentially, while year-on-year growth stood at a modest 10.8%.Deposit growth was soft during the quarter, with a 15.3% year-on-year increase on a pro-forma basis and flat sequential growth.The current and savings account (CASA) deposits declined 5% sequentially, causing the CASA ratio to drop 190 basis points to 36%.

hould you buy the dip?

Several brokerages said the latest quarterly business update from HDFC Bank was disappointing.

nalysts at Jefferies described the flat deposit growth as "slightly disappointing," contributing to the negative sentiment around the bank's stock.Meanwhile, Nomura India noted that HDFC Bank's loan and deposit growth (on a pro-forma basis) are tracking below their FY25F estimates of 12% year-on-year and 17% year-on-year, respectively.The brokerage believes that while the bank's balance sheet course correction is underway, it will be a gradual process.At current valuations of 2.3 times one-year forward book value per share (BVPS), Nomura does not see a case for significant outperformance compared to other private banks and maintains a "neutral" rating with a target price of Rs 1,660.Meanwhile, Morgan Stanley, which has an 'Overweight' recommendation and a price target of Rs 1,900 per share, stated that HDFC Bank's volume growth was expected to be soft due to seasonality in the June quarter.

Need mechanism to tackle fraud, market abuse

MUMBAI. Markets watchdog Sebi has asked stockbrokers to put in place an institutional mechanism by August 1, to help prevent and detect frauds or market abuse so that the system can instill confidence in the securities market.In a new circular amending the extant master circular, invoking the provisions of Chapter IVA of Sebi (stock brokers) (Amendment) Regulations, 2024, the Securities and Exchange Board (Sebi) on Thursday said the new mechanism should be in place by August 1 for qualified stock brokers.

The Sebi circular states that the new provisions will come into force in a risk-based, staggered manner to ensure smooth adoption by stockbrokers. Brokerages will get sufficient time, based on their size, to make necessary changes, it added.The new circular is an update of the circular issued on May 22, 2024, for stockbrokers, listing a range of issues like registration, supervision and oversight, dealings with their clients, default-related provisions and investor grievance redressal mechanisms.The latest circular asks stockbrokers to establish an institutional mechanism to prevent and detect fraud or market abuse, and invokes the provisions of Chapter IVA of the stock brokers amendment regulations, 2024.The other directions in the new mechanisms include putting in place a system for surveillance of trading activities and internal controls; listing out obligations of the brokerages and their employees.

Zomato suspends hyperlocal delivery service 'Xtreme' due to low demand

NEW DELHI. Zomato has discontinued its 'Xtreme' hyperlocal delivery service, citing low demand, reported The Economic Times.Launched in October last year, the service operated in most cities where Zomato is active, utilising the existing delivery fleet to transport small packages for small and large merchants, similar to services like Porter. Zomato executive explained that 'Xtreme' was always intended as an experiment."Many restaurants handle their own deliveries and wanted the same quality for their services. That was why we started 'Xtreme'. But it was always an experiment and could have gone either way," the executive said.

The 'Xtreme' app has been removed from the Google Play Store, and Zomato has yet to officially comment on the suspension.Zomato's entry into hyperlocal delivery came at a challenging time for competitors. Dunzo, backed by Reliance Retail, was facing difficulties, prompting Ola to launch its own service, Ola Parcel, in Bengaluru using electric two-wheelers.In a related development, Zomato has relaunched its 'Legends' service, which delivers food from renowned restaurants in one city to customers in other cities.

The revamped service now delivers directly from the restaurants and requires a minimum order of Rs 5,000. Customers can place orders from different restaurants in a single transaction.rrently available in cities like Delhi-NCR and Bengaluru, there are plans for further expansion.'Legends' was first launched in 2022 but later shifted to delivering pre-stocked items from other cities for faster delivery.Shares of Zomato were trading 0.46% lower at Rs 206.35 at 12:24 pm.

Heatwaves hurt retail car sales in June despite big discounts

NEW DELHI Retail sales of cars in India fell for the second consecutive month in June as heatwaves across the country deterred customers from making purchases despite substantial discounts, a dealers' body reported on Friday.

Passenger vehicle sales dropped 6.8% year-on-year in June, a steeper decline compared to the 1% dip in May, according to data from the Federation of Automobile Dealers Association (FADA), which tracks monthly retail sales from dealers to buyers.Auto sales are considered a key indicator of private consumption in India. The auto industry contributes 7% to the country's GDP, as per government data.The intense heat in northern India has reduced footfall at dealerships, leading to fewer car purchases, especially impacting small cars and electric vehicles. Subdued retail demand also resulted in muted wholesales for some carmakers.

Tata Motors attributed the decline to the impact of the Indian elections and the weather. Mahindra & Mahindra also posted weaker-than-expected overall June wholesale growth.

Analysts noted that concerns about how government policies could affect people's income might discourage consumers from buying vehicles, thereby hurting automakers' sales to dealerships.Despite these challenges, the SUV portfolios of companies like Maruti Suzuki benefitted from strong demand, extending the record-high sales seen in the financial year 2024."Despite improved product availability and substantial discounts aimed at stimulating demand, market sentiment remains subdued due to extreme heat resulting in 15% fewer walk-ins. Dealer feedback highlights challenges such as low customer inquiries and postponed purchase decisions," said FADA President Manish Raj Singhania in a statement.

ITR filing 2024: What happens if you miss July 31 deadline

NEW DELHI. The last date for filing an income tax return (ITR) for the assessment year 2024-25 (FY24) is July 31. Missing this deadline can have serious consequences for taxpayers in India, affecting their financial planning and attracting legal repercussions.

Filing your ITR on time is a crucial duty, but meeting the deadline can sometimes be challenging. It's important to understand the consequences of missing the ITR filing deadline to avoid issues such as financial penalties and scrutiny by tax authorities."Missing deadlines can lead to consequences. If you fail to file your ITR by the designated date, you might be liable for a penalty under Section 234F of the Income Tax Act," said Vikas Dahiya, Director at ALL India ITR.However, the deadline for filing ITR varies for different types of taxpayers. Specific categories have extended deadlines."Companies and those who are required to get a tax audit done: These require filing by October 31 of the AY. Transfer Pricing Cases: The deadline for these cases is November 30 of the AY," said Ritika Nayyar, Partner, Singhania & Co.Penalties for missing the ITR deadlineFiling an income tax return after the due date may result in financial penalties and interest charges as per Section 234A of the Income Tax Act, depending on the delay and tax liability. Additionally, Section 234F imposes a late fee, which varies from Rs 1,000 to Rs 5,000 based on the taxpayer's gross total income.Moreover, filing an ITR late restricts the ability to carry forward specific types of losses. Business and capital losses, except those related to house property, cannot be carried forward or offset against future income if the return is submitted after the due date."The opportunity to claim certain deductions and exemptions may be forfeited if the return is filed after the original deadline. These deductions are crucial for reducing taxable income and optimising tax liabilities," added Nayyar.Late filers might also face increased scrutiny from tax authorities, potentially leading to audits and further enquiries. "It's best to file a belated return to minimise potential penalties and interest charges even if you don't owe any tax," advised Dahiya.Importance of filing ITR on timeFiling your ITR on time helps in avoiding financial penalties, interest charges, and other complications. Taxpayers who miss the deadline should file their returns as soon as possible to minimise the impact of any penalties and interest charges.By understanding the importance of timely ITR filing and the consequences of missing the deadline, taxpayers can better manage their financial planning and avoid legal issues. It is crucial to be aware of the deadlines and ensure that all necessary documents are prepared well in advance to avoid last-minute hassles.sing the July 31 deadline for filing ITR can lead to several negative consequences, including financial penalties.

Households face 'curry crisis' as onion, tomato and potato prices skyrocket

As of June 30, wholesale onion prices surged by 106% compared to the previous year, while potato prices rose by 96%.

NEW DELHI. Households across India are feeling the pressure as prices of essential kitchen staples like onions, potatoes, and tomatoes continue to soar.

Official data revealed that the persistently high prices are largely attributed to reduced output last year, reported The Hindustan Times.This has been exacerbated by a hot and dry summer since April, which strained supplies of commonly consumed vegetables and heightened demand for these essentials.As of June 30, wholesale onion prices surged by 106% compared to the previous year, while potato prices rose by

96%.Despite a 40% annual decline in wholesale tomato prices, monthly figures spiked by a staggering 112.39%.

Retail prices mirrored this trend, with tomatoes reaching an average of Rs 55 per kg by July 3, up from Rs 35 a month earlier, as reported by the Consumer Affairs ministry's price monitoring division.Last year's irregular rainfall led to a 20% drop in onion output, compounded by a further 20% reduction in winter-sown onions in 2024.

It may be noted that high temperatures and depleting reservoir levels since April also impacted seasonal vegetables like okra, gourds, beans, cabbage, and turnips, causing severe rotting and driving prices higher.In its monthly bulletin, the Reserve Bank of India (RBI) highlighted that while headline inflation softened in March-April, the exceptionally hot summer and low reservoir levels could stress summer crop production.The RBI also highlighted the need for careful monitoring of rabi arrivals of pulses and vegetables amid concerns that fluctuating high food prices, particularly in pulses and vegetables, could hinder achieving the 4 percent retail inflation target.

While consumer inflation in India moderated to 4.75%, food inflation remained elevated at 8.69%, as noted in the RBI's Monetary Policy Committee (MPC) minutes released on June 26.The central bank also flagged that wholesale inflation in India surged to 2.61 percent, the highest in the past year, primarily driven by escalating food prices.

Pune teen, who killed 2 with Porsche, submits 300-word essay on road safety

The minor driver of the Pune car crash that killed two techies submitted a 300-word essay on road safety, complying with his bail conditions.

New Delhi: The 17-year-old boy involved in the fatal Pune Porsche crash that killed two techies has submitted a 300-word essay on road safety to the Juvenile Justice Board (JJB), complying with his bail conditions, an official said on Friday.He submitted the essay to the JJB on Wednesday, the official said news agency PTI.The teenager was previously released from an observation home after the Bombay High Court ruled his detention illegal. Initially, following the May 19 accident in Kalyani Nagar, the JJB ordered him into the care of his parents and assigned the essay as part of his bail.Police allege the teen was driving a Porsche under the influence of alcohol when he collided with a two-wheeler, resulting in the deaths of the two software engineers. Public outcry erupted over his seemingly lenient bail terms, prompting the police to request a revision from the JJB. The board then sent him to an observation home on May 22.However, the High Court ultimately

deemed his detainment unlawful and emphasised the proper enforcement of juvenile justice laws, leading to his release.

Meanwhile, on July 2, a Pune court granted bail to the father and grandfather of the juvenile, who were accused of kidnapping and wrongfully confining their family driver and forcing him to take responsibility for the crash.The boy's father, Vishal Agarwal, a prominent builder, and his grandfather were arrested in May and have been under judicial custody since then. Since Agarwal was arrested in a separate cheating case, he remains behind bars, but the grandfather was released.According to police, the teen's father and grandfather allegedly kidnapped their family driver hours after the crash, wrongfully confined him at their bungalow, and tried to force him to admit that he, and not the juvenile, was behind the wheel when the accident took place.Following the accident, there were multiple attempts to cover up the incident to save the minor boy, including swapping his blood samples at the hospital where he was brought for a sobriety check. The accident and the subsequent interference by his influential family led to a massive uproar across the country, with people calling for justice for the victims.

Delhi metro, Rail Vikas Nigam unite for infrastructure projects in India, overseas

New Delhi: The Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) and Rail Vikas Nigam Limited (RVNL) signed a Memorandum of Understanding (MoU) to jointly serve as a Project Service Provider for design, construction, and consultancy services both in India and overseas.This strategic partnership was cemented on Thursday, with PK Garg, Director of Business

Development at DMRC, and Rajesh Prasad, Director of Operations at RVNL, signing the MoU in the presence of senior officials.DMRC stated that the collaboration aims to leverage the combined expertise and resources of both organisations to deliver complex infrastructure projects more efficiently and effectively.

The MoU covers a wide range of projects, including metro and railway systems, high-speed rail, highways, mega-bridges, tunnels, institutional buildings, workshops, depots, signal and telecommunication (S&T) works, and railway electrification.This MoU represents a proactive approach to meeting these needs by utilising the strengths and capabilities of both DMRC and RVNL, DMRC stated in the release.

How A Trip To Kashi 30 Years Ago Convinced Sudha Murty To Not Buy Sarees

New Delhi: Rajya Sabha MP and engineer-turned-philanthropist Sudha Murty has revealed in an interview that she has not bought a saree in 30 years. The reason: a trip to Kashi (Varanasi). Sudha Murty, wife of Infosys chairman Narayana Murthy, has often been in the news for her simplicity despite her immense wealth.In an interview with The Voice of Fashion, Sudha Murty has shared: "It is said that when you go to Kashi, you should give up something you like very much. I used to love shopping, so my promise to the Ganga was that I would give up shopping for this lifetime."Ms Murty, 73, said in the interview that her commitment to this promise is deeply rooted in her upbringing as her parents and grandparents lived frugal lives with minimal possessions.

When my mother passed away six years ago, it took us just half an hour to give away the things in her cupboard because she had just 8-10 sarees in it. When my grandma passed away 32 years ago, she had just four sarees. They travelled light on this earth, and since that has been part of my upbringing, I found it easier to adopt a simpler life with fewer possessions," she said.

For over two decades, Ms Murty has been wearing sarees gifted to her by her sisters, close friends, and occasionally, the NGOs she works with. Among her most cherished possessions, she said, are two hand-embroidered sarees given to her by a group of women whose lives she helped transform through her work with the Infosys Foundation.While her sisters initially gifted her a couple of sarees each year, Ms Murty eventually found the growing collection cumbersome to handle. "I told them enough of this gifting. I have too much already," she said.

I've been wearing sarees for fifty years now and I always make sure that I air them out after wearing, iron them, and keep them away. I don't wear my sarees so low that they sweep the floor, so they don't get dirty and have longer lives," she added.The Infosys Foundation chairman, in her maiden speech in the Rajya Sabha earlier this week, pitched for a government-sponsored vaccination program to combat cervical cancer. Ms Murty also called for the recognition of 57 domestic tourist sites as World Heritage Sites.

Staring At Possible Defeat In State Polls, BJP-Led NDA Plans To Do A Madhya Pradesh In Maharashtra

New Delhi: The BJP-led Mahayuti or National Democratic Alliance in Maharashtra consist of Shiv Sena-Shinde and NCP-Ajit Pawar. The party is probably staring at a possible defeat in the upcoming state assembly elections if the trends of the Lok Sabha Elections hold for the assembly polls as well. In the recently concluded Lok Sabha polls, the Mahayuti suffered a setback against the Maha Vikas Aghadi or INDIA bloc comprising of Congress, Sena-UBT and NCP-Sharad Pawar. In the 2019 polls, the NDA had bagged 41 Lok Sabha seats out of the total 48. However, in the recently concluded polls, the NDA got only 17 seats. In the recently concluded Maharashtra Legislature Council Elections for the four seats, the Mahayuti and Maha Vikas Aghadi bagged two seats each, thus showing that the path ahead may not be easy for the NDA. The Maharashtra assembly has 288 seats and the majority mark is 145. If the current Lok Sabha trends are converted into the assembly segment results, the NDA is likely to win around 120 seats while the INDIA bloc may bag 160 seats. Thus, the BJP is very much aware of the possible poll results and is trying to do a Madhya Pradesh in Maharashtra. In Madhya Pradesh, the BJP recorded a landslide victory riding on the popularity of the Ladali Behan scheme under which women get a monthly financial aid of Rs 1,250 per month. Now, the Maharashtra government is planning a similar scheme named 'Ladki Bahin' scheme for women under which eligible women will be given Rs 1,500 per month. Of a total of 9.29 crore voters in Maharashtra, there are 4.46 crore women electors and a total of 4.83 crore men. According to official data, of the 4.46 crore women voters, only 2.63 crore voted in the general elections. The BJP wants to tap this vote bank clubbed with the Ladki Behan Yojana along with the Central government's flagship schemes like PM Awas and Ujjwala Yojana.

Opposition's Reaction

NCP (SP) Lok Sabha member Supriya Sule said that while it's a good announcement, but this coming just ahead of the polls shows it's another election 'jumla' (gimmick). "As the Maharashtra elections are hardly 2 to 3 months away, a shower of 'jumlas' was expected from the state government," the Baramati.

Enforcement Directorate raids in four cities in Delhi Jal Board scam

New Delhi: The Enforcement Directorate (ED) has carried out search operations at multiple locations in Delhi, Ahmedabad, Mumbai, and Hyderabad in connection with a money laundering case linked to a scam involving the Delhi Jal Board (DJB).The central probe agency's investigation, based on an FIR filed by the Anti-Corruption Branch (ACB) of the Delhi government, alleges a scam worth Rs 1943 crore in the augmentation and upgradation of 10 Sewage Treatment Plants (STP) in the national capital.The Enforcement Directorate accuses a private company, Euroteck Environmental Pvt. Ltd., and others of colluding to secure tenders at inflated rates, causing significant losses to the exchequer.

The searches yielded cash amounting to Rs 41 lakh, incriminating documents, and digital evidence, officials said.According to the case details, four tenders, valued at Rs 1943 crore, were awarded to three joint venture entities in October 2022. The ED has found that the tenders were awarded at inflated rates, and the costs adopted by DJB were identical, despite the cost of upgradation being lesser than augmentation.The investigation has revealed that all three joint ventures submitted the same experience certificate, issued from a Taiwan project, to secure the tenders. Further, all three joint ventures subcontracted the work to the Euroteck company, based in Hyderabad.The Enforcement Directorate has also claimed that bribe money from the DJB scam was channelled into AAP as election funds. The agency had summoned Chief Minister Arvind Kejriwal for questioning in the case, but he did not depose before it.The central agency is probing the role of DJB officials, the joint ventures, and Euroteck in the alleged scam.

Kashi Vishwanath-like dome, 5-star facilities: Inside Bhole Baba's Kanpur ashram

New Delhi: As the police intensify its probe into the Hathras stampede, in which 121 people died, the luxurious lifestyle and details of the properties of the godman, Bhole Baba aka Narayan Saakar Hari or Suraj Pal, at the centre of the tragedy are coming to light.Among the several ashrams in Uttar Pradesh of Bhole Baba, a lavish mansion built on six bighas of land in Kasui village in Kanpur's Bidhnu area has grabbed attention.The ashram, located around 25 km from Kanpur city, has massive gates and three domes modelled on Varanasi's famous Kashi Vishwanath temple. The gates have intricate carvings and unique designs.

India Today found that a few sevadars of Bhole Baba reside in the Kanpur ashram and are responsible for its maintenance.Outside the ashram there is a big picture of Bhole Baba and his wife Devi Maa decorated with flowers. Religious quotes are written outside the gate to attract people.Inside the ashram premises, there is a huge garden where vegetables and flowers are grown. A cow shed is also there.The facilities inside the ashram are no less than those available at a five-star resort. All rooms have air conditioners, while huge coolers and fans are placed on the balconies.At the centre of the ashram is a luxurious 'Satsang Bhawan' where religious gatherings are held. Big coolers and speakers have been installed in the hall, whose walls have unique decorations.One of the sevadar inside the ashram said Bhole Baba was not biological but an incarnation of God. "Many devotees have seen Baba's miracles. The soil over which Bhole Baba walks is very auspicious... all diseases are cured by touching it," he said.In fact, the stampede in Hathras occurred as followers rushed towards Bhole Baba to collect his "charan raj", the soil around his feet, after the satsangAt Kasui village, people said Bhole Baba was not an incarnation but a fraud. "He had made the ashram by fooling people and grabbing their land. If Baba is an incarnation or God, then he should bring back to life the innocent people who were killed in Hathras," one villager said.The villagers said that because of the ashram, they were unable to move their animals around. "We are stopped everyday by the ashram's guards while we take out our animals for grazing," another villager said.

Delhi to see wet weekend, 21 lakh affected in Assam floods as rivers overflow

The flood situation in Assam remains critical, affecting nearly 21 lakh people across 29 districts. Delhi and other north Indian states are also set to witness showers over the weekend.

New Delhi: Moderate rain is expected to lash the Delhi-NCR region and heavy rain in the northeastern states, even as the severe flood situation in Assam remains critical.he India Meteorological Department has predicted moderate to heavy rainfall in most areas in Uttar Pradesh, Haryana, Punjab, and Rajasthan. Himachal Pradesh is likely to receive heavy showers.The situation remains grim in Assam, with nearly 21 lakh people affected in 29 districts. Major rivers, including the Brahmaputra and its tributaries, are flowing above danger levels, causing widespread inundation of agricultural land and submerging villages in Assam.

Other parts of Northeast India are also reeling under the impact of heavy rainfall, with landslides occurring in Manipur, Mizoram, and Arunachal Pradesh.According to the IMD, heavy rainfall in northwest and northeast India over the past few days has reduced the overall monsoon precipitation deficit in the country from 11% on June 30 to just 3% on Thursday.

ASSAM SITUATION REMAINS GRIM

The death toll from floods and landslides has risen to 62, according to the latest estimates by the Assam State Disaster Management Authority (ASDMA).A staggering 21,13,204 people have been affected across the state. The worst-hit

districts include Dhubri, with 6,48,806 affected people, followed by Darrang (1,90,261), Cachar (1,45,926), Barpeta (1,31,041), and Golaghat (1,08,594), according to the government agency.Relief efforts are underway to support the displaced population. Nearly 39,338 people have taken refuge in 698 relief camps set up by the authorities. Additionally, relief materials have been distributed to over 7,24,322 people who haven't evacuated their homes.

An alert has been issued in Kamrup Metropolitan district, where the Brahmaputra, Digaru, and Kollong rivers are overflowing, submerging vast areas of land.The Brahmaputra River and its tributaries remain a cause for concern as they continue to flow above danger levels at multiple points. Additionally, the Barak River and its tributaries pose a significant threat to nearby communities.

The situation in Arunachal Pradesh is expected to improve with rainfall subsiding. Over 60,000 people were affected across many districts, and landslides have snapped communication lines in seven districts. The IMD has predicted isolated heavy rain in the state on July 5.Heavy rain is expected to continue in Manipur and Meghalaya as well.

NEWS BOX

Biden says he needs more sleep, won't attend events after 8 pm: Report

world. In a candid admission of fatigue, US President Joe Biden told a gathering of Democratic governors that he needs to get more sleep and work fewer hours, including not scheduling events after 8 pm.According to the New York Times, the revelation came during a meeting aimed at reassuring over two dozen crucial supporters of his continued commitment to his role and readiness to engage in a vigorous campaign against Republican rival Donald Trump.The 81-year-old President's remarks about needing more rest indicated that he was aware of mounting concerns regarding his more frequent and noticeable slips in recent months. His faltering performance at last month's presidential debate was roundly panned by critics and triggered panic among DemocratsDespite these concerns, Biden said he was determined to stay in the presidential race during his meeting with governors, some physically present at the White House while others joined virtually.

Citing sources, the report stated that Biden attributed his recent performance issues to his extensive international travels leading up to the debate, which the White House as well as his allies have cited as the reason for his halting performance.Initially, his campaign blamed a cold, but the President acknowledged pushing himself too hard and disregarding advice on his schedule, and said he needed a lighter workload and more rest, particularly avoiding late-night events.During the meeting, Biden made a joke about his health, saying, "I'm fine — I don't know about my brain, though." His campaign chair, Jen O'Malley Dillon, later clarified that he was "clearly making a joke".espite some governors' private concerns about Biden continuing his campaign, none directly suggested that he should drop out of the race, as per the report.However, on another occasion, Biden has reportedly acknowledged to allies that he knows he may not be able to save his candidacy for a second term if he can't demonstrate his abilities to voters following the debate.

39 passengers fall ill after gas leak at Malaysia's Kuala Lumpur airport

Kuala Lumpur, Around 39 people at Malaysia's Kuala Lumpur international airport fell ill on Thursday after a gas leak at an aircraft engineering facility, but no passengers were affected and there were no flight disruptions, the fire department said.The Selangor state fire department said it received an emergency call regarding a chemical leak at the Southern Support Zone Sepang Aircraft Engineering facility at 11.23 am (local time) and dispatched its personnel along with a hazardous materials team.The engineering facility is separate to the passenger terminal and those affected by the gas worked for three companies operating there, the fire department said in a statement.Thirty nine people complained of dizziness and nausea, with 14 sent to the air disaster unit to receive treatment while one was hospitalised, the department said.

There was no wider risk to public safety, it added.

The chemical was later identified as methyl mercaptan, added to liquefied petroleum gas as an odorant, coming from an unused tank at the facility, the department said.

The leak was being patched up, and the tank would be dismantled and disposed of, it said.

Pak to ban social media for 6 days to control 'hate material' during Ramadan

After successfully blocking X (formerly Twitter), for over four months, the Pakistan government is now set to ban all social media platforms - YouTube, WhatsApp, Facebook, Instagram and TikTok - for six days from July 13 to 18, citing the need to control "hate material" during the Islamic month of Ramadan.

Chief Minister Maryam Nawaz's cabinet committee on law and order has recommended banning of all social media platforms - YouTube, X, WhatsApp, Facebook, Instagram, and TikTok, among others - during 6 to 11 Muharram (July 13-18) in Punjab, a province of over 120 million people, to "control hate material, misinformation to avoid sectarian violence", according to a Punjab government notification issued in Lahore late Thursday night.The Punjab government of Maryam Nawaz has requested her uncle Shehbaz Sharif's government at the Centre to notify the suspension of all social media platforms on the internet for six days (July

13-18).Pakistan Army Chief Gen Asim Munir has already declared social media a "vicious media" and underscored the need to fight what he called "digital terrorism".

Pakistan's Deputy Prime Minister Ishaq Dar, who also holds the portfolio of foreign minister, recently called for placing a complete ban on social media.

The Shehbaz government had shut down X last February following allegations of change of general election results by the Election Commission of Pakistan, apparently on the order of the military establishment to stop Pakistan Tehreek-i-Insaf's jailed founder Imran Khan from coming to power.Both the military and the government were receiving backlash on social media since the ouster of former prime minister Imran Khan through a no-confidence motion in April 2022.

The government has arrested dozens of social media activists of Khan's party since then.

UK's Labour set to sweep into power with huge majority, exit poll shows

London Keir Starmer will be the next Prime Minister of UK with his Labour Party set to win a massive majority in a parliamentary election, an exit poll on Thursday indicated, forecasting Rishi Sunak's Conservatives would suffer historic losses.Centre-left Labour was on course to capture 410 of the 650 seats in parliament, an astonishing reversal of fortunes from five years ago when it suffered its worst performance since 1935. The result would give Labour a majority of 170 and would bring the curtain down on 14 years of increasingly tumultuous Conservative-led government."To everyone who has campaigned for Labour in this election, to everyone who voted for us and put their trust in our changed Labour Party - thank you," Starmer said on X.Sunak's party were forecast to only win 131 seats, the worst electoral performance in its history, as voters punished them for a cost-of-living crisis, and years of instability and in-fighting which has seen five different prime ministers since the Brexit vote of 2016.The centrist Liberal Democrats were predicted to capture 61 seats while the right-wing populist Reform UK party, headed by Brexit campaigner Nigel Farage who had pledged to destroy the Conservative party, was forecast to win 13.The prediction for Reform was far better than expected, and the party comfortably took second place behind Labour in the first two seats to declare their results, pushing the Conservatives into third place.Much of the damage to the Conservative Party tonight is being done by Reform, even if it is the Labour Party that proves to be the beneficiary," John Curtice, Britain's most respected pollster told the BBC. However, the exit poll suggests overall British voters have shifted support to the centre-left, unlike in France where Marine Le Pen's far-right National Rally party made historic gains in an election last Sunday.It was not just the Conservatives whose vote was predicted to have collapsed. The pro-independence Scottish National Party was forecast to win only 10 seats, its worst showing since 2010, after a period of turmoil which has seen two leaders quit in little over a year.In the last six UK elections, only one exit poll has got the outcome wrong. Official results will follow over the next few hours. "If this

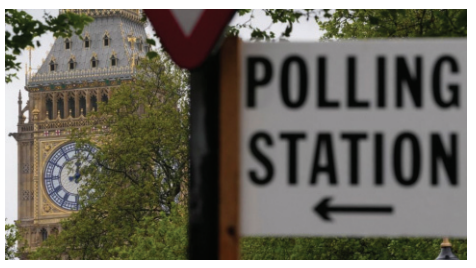

exit poll is correct, then this is a historic defeat for the Conservative Party, one of the most resilient forces that have we have seen in British political history," Keiran Pedley, research director at Ipsos, which carried out the exit poll, told Reuters."It looked like the Conservatives were going to be in power for 10 years and it has all fallen apart."

Sunak 'fall guy'

Sunak stunned Westminster and many in his own party by calling the election earlier than he needed to in May with the Conservatives trailing Labour by some 20 points in opinion polls. He had hoped that the gap would narrow as had traditionally been the case in British elections, but the deficit has failed to budge in a fairly disastrous campaign.It started badly with him getting drenched by rain outside Downing Street as he announced the vote, before aides and Conservative candidates became caught up in a gambling scandal over suspicious bets placed on the date of the election.unak's early departure from D-Day commemorative events in France to do a TV interview angered veterans, and even those within his own party said it raised questions about his political acumen.If the exit poll proves right, it represents an incredible turnaround for Starmer and Labour, which critics and supporters said was facing an existential crisis just three years ago when it appeared to have lost its way after its 2019 drubbing. But a series of scandals - most notably revelations of parties in Downing Street during COVID lockdowns - undermined then prime minister Boris Johnson and its commanding poll leads evaporated.Liz Truss' disastrous six-week premiership, which followed Johnson being forced out at the end of 2022, cemented the decline, and Sunak was unable to make any dent in Labour's now commanding poll lead.

Who is Keir Starmer, the next British Prime Minister as Labour wins UK elections

World Keir Starmer will become Britain's next Prime Minister on Friday as his Labour Party won a massive majority in the UK's parliamentary election. Rishi Sunak conceded defeat in the national election on Friday.

Earlier today, centre-left Labour was on course to capture 410 of the 650 seats in parliament, an astonishing reversal of fortunes from five years ago when it suffered its worst performance since 1935.The result brought the curtain down on 14 years of increasingly tumultuous Conservative-led government.

WHO IS KEIR STARMER

UK Labour leader Keir Starmer is an ex-human rights lawyer and public prosecutor who will have to focus his relentless work ethic and methodical mind on fixing the country.As Sunak conceded his defeat, 61-year-old Starmer will be the oldest person to become British Prime Minister in almost half a century -- and comes just nine years since he was first elected to parliament.In 2003, he began moving towards the establishment, shocking colleagues and friends, first with a job ensuring police in Northern Ireland complied with human rights legislation.

Five years later, he was appointed director of public prosecutions (DPP) for England and Wales when Labour's Gordon Brown was Prime Minister.Between 2008 and 2013, Starmer oversaw the prosecution of MPs for abusing their expenses, journalists for phone-hacking, and young rioters involved in unrest across England.He was knighted by Queen Elizabeth II, but rarely uses the prefix "Sir", and in 2015 was elected as a member of Parliament, representing a seat in left-leaning north London.Just weeks before he was elected, his mother died of a rare disease of the joints that had left her unable to walk for many years.In 2020, Keir Starmer was elected to lead Britain's Labour Party, right after the party suffered its worst general election defeat in 85 years.tarmer and Labour have also, indisputably, capitalised on years of economic pain and political chaos under the Conservative Party, who look set to have their parliamentary majority eviscerated.

PERSONAL LIFE

Born on September 2, 1962, Keir Rodney Starmer was raised in a cramped, pebble-dashed semi-detached house on the outskirts of London by a seriously ill mother and an emotionally distant father.He had three siblings, one of whom had learning difficulties. His parents were animal lovers who rescued donkeys.A talented musician, Starmer had violin lessons at school with Norman Cook, the former Housemartins bassist who became DJ Fatboy Slim.After legal studies at the universities of Leeds and Oxford, Starmer turned his attention to leftist causes, defending trade unions, anti-McDonald's activists and death row inmates abroad.He is friends with human rights lawyer Amal Clooney from their time together at the same legal practice and once recounted a boozy lunch he had with her and her Hollywood actor husband George.

Rishi Sunak concedes to Keir Starmer in UK elections: I am sorry

world. UK Prime Minister Rishi Sunak conceded defeat to Labour Party leader Keir Starmer as the Conservatives headed towards a historic defeat in the elections. Starmer is on track to become the next UK Prime Minister as trends showed the Labour Party crossing the majority mark in the House of Commons.Rishi Sunak said the British people had delivered a "sobering verdict" and there was a lot to learn and reflect on."The British people have delivered a sobering verdict tonight... and I take responsibility for the loss," Sunak, the UK's first prime minister of colour, said."The Labour Party has won this general election, and I have called Keir Starmer to congratulate him on his victory," he further said.

While eight Conservative cabinet ministers lost their seats, Sunak held on to his constituency of Richmond and Northallerton in northern England, bagging 47.5% of the votes.

"To the many good, hard-working Conservative candidates who lost tonight, despite their tireless efforts, their local records and delivery, and their dedication to their communities. I am sorry," Sunak said.Rishi Sunak took over as Prime Minister in 2022 after his predecessor, Liz Truss, stepped down after just 45 days in office.After having ruled for 14 years, the Conservative Party faced headwinds over a host of issues, especially its handling of the economy following a tumultuous exit from the European Union.

A cost of living crisis, with inflation reaching 11.1% in 2022, is believed to have cost the Tories.

The voters were also frustrated by the government's mismanagement of the Covid-19 pandemic and the healthcare system, opinion polls had revealed.

Meanwhile, addressing reporters in central London, Keir Starmer said the task of the incoming Labour government would be "nothing less than renewing the ideas that hold our country together".

"We have to return politics to public service... a burden has finally been removed from the shoulders of this great nation," Starmer said.

Putin: Trump 'sincerely' wants to end War in Ukraine

World President Vladimir Putin said Russia takes seriously statements by Donald Trump that he has proposals to end the war in Ukraine quickly.

"I'm not familiar with his possible proposals on how he intends to do this, and that is, of course, the key question," Putin told a news conference Thursday in Astana, Kazakhstan, where he attended a summit of the Shanghai Cooperation Organization. "But I have no doubt that he says this sincerely, and we will support it."He spoke a day after Ukrainian President Volodymyr Zelenskyy told Bloomberg TV in an interview that Trump "should tell us today" what his plans for ending the war would be if he wins November's US presidential election. Zelenskiy warned that any proposal must avoid violating Ukraine's sovereignty. Putin told reporters that he saw some of last week's election debate between Trump and Joe Biden but declined to comment on it. President Biden is facing growing pressure to drop his reelection bid following criticism of his poor performance in the debate.Trump hasn't explained how he believes he'll bring an end to the war that's now in its third year. Politico reported this week that he's considering a deal with Russia under which NATO would commit not to expand further east, including to Ukraine and Georgia, citing two national security experts aligned with the former president.Putin said last month that Ukraine had to pull out of four eastern regions partly occupied by Russian forces as a condition for peace talks. Under his terms, immediately rejected by Kyiv and its US and European allies, Ukraine would also have to rule out ever joining the North Atlantic Treaty Organization.Putin said in Astana that Russia won't declare a halt to fighting before Ukraine agrees to take "irreversible" steps demanded by Moscow, without specifying what those would be.A cease-fire without reaching such agreements is impossible," he said.

The Russian president also ruled out a resumption of talks with the US on strategic stability until after the election. Russia must first "understand the moods and preferences of the future administration," Putin said.Separately, European Union foreign policy chief Josep Borrell said it would be "very difficult to continue arming Ukraine" without US support."Will Europeans be able to continue supporting Ukraine militarily even if the US doesn.

Pakistan to host SCO Summit in October, India, other member states to be invited

- A federal judge has temporarily blocked enforcement of a new Biden administration rule bolstering health care protections for LGBTQ people, handing a preliminary legal victory to more than a dozen Republican-led states that challenged it in court.

Islamabad. Pakistan on Thursday said it would host the SCO Heads of Government meeting in October and invite all heads of government of the member states of the grouping.Foreign Office spokesperson Mumtaz Zahra Baloch said at the weekly press briefing that Pakistan, as the rotating Chairmanship of the SCO Council of Heads of Government (CHG), would host the SCO Heads of Governments Meeting in October this year.hen asked if Pakistan would extend an invitation to Prime Minister Narendra Modi to visit and attend the Summit in Pakistan, Baloch replied, "The chairmanship belongs to Pakistan, so in our capacity as the chair, we will be extending invitations to all Heads of Government of SCO member states"."This conference will take place in person, and we hope and expect that all members of SCO will be represented at the Heads of Governments Meeting being held in October", she said.

She added the October summit will be preceded by a Ministerial meeting and several rounds of Senior Officials meetings, focusing on the financial, economic, socio-cultural and humanitarian cooperation among the SCO member states.Baloch also said that Pakistan would not become a part of any bloc in international politics as it believed in having good ties with all countries."I would first like to clarify that Pakistan has repeatedly said that we are not part of any bloc. We do not believe in bloc politics. We believe in good relations with all countries on the basis of mutual respect, mutual confidence and non-interference in each other's domestic affairs", she said.

She said Pakistan categorically rejects the baseless assertions made about Pakistan in the recent report on religious freedom released by the US Department of State and as a matter of principle, Pakistan

opposes such unilateral reports that make observations on the internal affairs of sovereign states."We believe that International Religious Freedom cannot be viewed from the lens of any single country's social and legal perspective", it said.It said unilateral reports assessing other countries' human rights situations are not free from political bias and present an incomplete and distorted picture and the methodology adopted in preparing these reports and the mandate and expertise of its authors are not transparent.

"We strongly believe that each State itself has the primary responsibility to promote and protect the religious rights and freedoms of its nationals", she said, adding that Pakistani citizens are entitled to the freedom of religion and belief under the law and as enshrined in Pakistan's constitution.She said that during the visit of Prime Minister Shehbaz Sharif to Tajikistan this week, the two sides signed the Pakistan-Tajikistan Strategic Partnership Agreement, which would be based on five pillars of bilateral cooperation, including political, trade and investment, energy and connectivity, security and defence, and people-to-people contacts.It will include structured high-level dialogue at the leadership and Foreign Ministers' level.

She termed the UN group report on Imran Khan as unwarranted and said, "I would like to underline that a report on any particular case is unwarranted when it lacks objectivity and is based on an incomplete and inaccurate understanding of Pakistan's legal and judicial system".

NEWS BOX

Wimbledon 2024, Day 5 Order Of Play: Alcaraz, Sinner and Gauff in action

New Delhi. Carlos Alcaraz, Jannik Sinner and Coco Gauff will be some of the big names in action on July 5, Friday as the Wimbledon 2024 moves on to its 5th day. Alcaraz, who is seeded No.3, will face a stern test in the form of Frances Tiafoe while Sinner will be facing Serbia's Miomir Kecmanovic in the third round of the men's singles. Emma Raducanu, who has had a fine run so far, will be taking on the 9th seed Maria Sakkari in the third round of the women's singles.

The No.2 seed Coco Gauff will be looking to end the fairytale run of Sonay Kartal on Court 1 on Friday while Dannil Medvedev takes on Jan-Lennard Struff in Court No.2. Paula Badosa, Madison Keys and Ben Shelton are some of the other stars in action on Friday.

Wimbledon 2024: Iga Swiatek, Alexander Zverev and Rybakina advance to third round

London Fourth seed Alexander Zverev stepped up his bid for an elusive Grand Slam title by thumping American Marcos Giron 6-2 6-1 6-4 on Thursday to reach the Wimbledon third round, where he will face Briton Cameron Norrie.The 2020 U.S. Open runner-up who lost again in a major final at the French Open last month, underlined his credentials for grasscourt success by breezing through the first set on the back of two breaks and tightening his grip early in the next.After building a 5-1 lead with some outstanding tennis, the 27-year-old clawed his way from 0-40 down to break Giron again and wrapped up the second set when the unseeded American produced a double fault.Zverev, looking to become only the third German to win the Wimbledon title in the professional era and emulate Boris Becker and Michael Stich, faced a lot more resistance in the third but closed out the match when Giron sent a shot long.

Ready to battle even in the first rounds: Iga Swiatek

Meanwhile, Iga Swiatek produced a more assured display to reach the third round beating Petra Martic. Top seed Swiatek, fresh from her Roland Garros success, had no trouble as she powered past Croatian Martic 6-4 6-3 to remain on cours for her maiden Wimbledon triumph.I'm happy to play in a solid way," said Swiatek, who has now reached at least the third round in 18 consecutive Grand Slam tournaments.

"It's not like I'm going in the first rounds of Grand Slams knowing that I should win or I should take it for granted. I'm ready to battle even in the first rounds.

"I'm happy that I'm consistent, for sure."

022 champion Elena Rybakina also endured a mid-match blip to get past Laura Siegemund 6-3 3-6 6-3.

Team India's iconic 'Vande Mataram' victory lap at Wankhede

NEW DELHI. The entire nation welcomed the Indian cricket team with fervour as they returned from Barbados following a historic T20 World Cup 2024 triumph. The festivities continued throughout the nation on Thursday, July 4 as the Men in Blue were hosted by Prime Minister Narendra Modi for a special breakfast meet followed by an open bus victory parade in Mumbai.The World Champions were also felicitated at the Wankhede Stadium in front of 33,000 people who joined in to celebrate their historic triumph. During the event, Rohit Sharma's men did a victory lap for the fans singing the patriotic song 'Vande Mataram' by AR Rahman.The moment has become an instant hit on social media as fans couldn't control their excitement seeing their favourite stars over the moon and flaunting the World Cup trophy along with the national tricolour.In the viral video Virat Kohli, Rohit Sharma, Hardik Pandya, Jasprit Bumrah and the rest of the team members can be seen passionately singing 'Vande Mataram' song bringing the crowd to their feet. The video guaranteed to give 'goosebumps' to Indians has got over two million views so far on the social media platform X. The video also captures a rather hilarious moment when a fan throws a shirt towards Hardik Pandya in excitement leaving Bumrah in splits.

Watch the video here:

Fans fill Marine Drive in Victory Parade

Notably, a huge number of fans were gathered to witness team India's victory parade in Mumbai. People from all over the city thronged to Marine Drive to get an up-close look of their favourite stars who finally won an ICC Trophy after 11 years.The entire team looked ecstatic while posing with the World Cup Trophy on the team bus one by one, making the crowd go wild. In a heartwarming moment, Virat Kohli and Rohit Sharma also held the trophy together raising it for the fans who stood through thick and thin with the Indian team when they failed to gift them a major title in the past 11 years.

R Ashwin expresses his emotions seeing team India's celebrations: 'Proud of Champions'

Star India off-spinner Ravichandran Ashwin expressed his emotions seeing nationwide celebrations for the Indian team following their T20 World Cup 2024 victory.

New Delhi. Veteran India off-spinner Ravichandran Ashwin let his emotions out as team India got a hero's welcome upon their arrival back home following their T20 World Cup 2024 victory. The Men in Blue landed in Delhi on Thursday, July 4 after flying from Barbados in a special chartered flight.The World Champions got a rousing reception from fans both at the airport and the team hotel. Prime Minister Narendra Modi hosted the entire team for a special breakfast meet following which they travelled to Mumbai for an open bus victory parade.

Seeing team India's rapturous reception by the fans, Ashwin stated that the moments have filled his heart and he's extremely proud of the champions."Watching all the videos and pictures from the celebrations yesterday in Mumbai just fills my heart. This nation has given and continues to give so much to the sport. Once again so proud of the champions," wrote Ashwin on his X account.Notably, a huge number of fans were gathered to witness team India's victory parade in Mumbai. People from all over the city thronged to Marine Drive to get an up-close look of their favourite stars which reminded people of Argentina's celebrations after their FIFA World Cup 2022 win.

Indian team rejoiced in celebrations

The entire Indian team looked ecstatic while posing with the World Cup Trophy on the team bus one by one, making the crowd go wild. In a heartwarming moment, Virat Kohli and Rohit Sharma also held the trophy together raising it for the fans who stood through thick and thin with the Indian team when they failed to gift them a major title in the past 11 years.Before the recent T20 World Cup win, India's last ICC Trophy victory came in 2013 when MS Dhoni led a young side to Champions Trophy triumph in England. Since then, the team qualified for the knockout stages of all the ICC events apart from the T20 World Cup 2022 but failed to clinch the title losing five finals in the process. However, the drought ended finally as India beat South Africa in the final of T20 World Cup 2024 in Barbados.

Martinez saves Messi's blushes as Argentina beat Ecuador on penalties to reach semis

New Delhi. Argentina secured a spot in the Copa America semi-finals after a thrilling 4-2 penalty shootout victory against Ecuador on Thursday, following a 1-1 draw in regulation time. Goalkeeper Emi Martinez was the hero of the shootout, making two crucial saves to ensure the defending champions progressed.

The match saw Lisandro Martinez give Argentina the lead in the 35th minute, heading in his first international goal from an Alexis Mac Allister flick-on. Argentina controlled possession early, but Ecuador created the first significant chance when Jeremy Sarmiento forced Martinez into a save from a tight angle. Ecuador increased the pressure in the second half and nearly equalized when a corner deflected onto Rodrigo De Paul's hand, resulting in a penalty. Enner Valencia, Ecuador's captain and top scorer, hit the post with his attempt, and Argentina's Cristian Romero blocked the rebound.In stoppage time, Ecuador found their equaliser. John Yeboah delivered a perfect cross, and Kevin Rodriguez headed past Martinez in the 91st minute, leveling the score at 1-1 and sending the match to penalties, as there is no extra time in Copa America knockout games apart from the final.

Messi misses penalty

Lionel Messi, despite injury concerns, started the game and set a record for most minutes played in the tournament's history. However, he clipped the crossbar with Argentina's first penalty in the shootout. Emi Martinez then made two crucial saves, denying Angel Mena and Alan Minda. Nicolas Otamendi sealed the victory with the decisive penalty, setting up a semi-final clash against either Venezuela or Canada.Martinez's jubilant reaction following his saves was a highlight, as he celebrated with the crowd, lifting Argentina into the next round.Argentina will now wait for the winner of the Canada vs Venezuela match for the semi-final clash on July 9.

2024 win more special than 2007 as I was leading the team: Rohit Sharma

New Delhi. India captain Rohit Sharma has called his team's 2024 T20 World Cup triumph more special than his 2007 victory as a player, as he was leading the team. Notably, the Men in Blue finally returned home on Thursday, July 4 after winning the World Cup by beating South Africa in the final.

Special arrangements were made both in Delhi and Mumbai for the team as fans gave a rousing reception to the World Champions upon their arrival. Prime Minister Narendra Modi hosted the players for a breakfast meet. A special open-roof bus road show was also organized by the BCCI (Board of Control for Cricket in India) for the fans in Mumbai to see

their favourite stars up close.In a video released by the BCCI capturing the emotions of the fans and players in during the roadshow, captain Rohit is seen reminiscing about his first T20 World Cup win as a player in 2007. However, he calls the 2024 victory a bit more special for him as he was leading the team. The Indian skipper also expressed delight to be able to bring a smile to the faces of the entire nation with their win."2007 was a different feeling, we started off in the afternoon and this is in the evening. I cannot forget 2007 as it was my first World Cup. This is little more special because I was leading the team so it's a very proud moment for me. This is going to be mad. You can make out the excitement and it shows how much it means not just to us but also to the entire nation. It means a lot. So, I am very happy that we could achieve something like this for them as well," said Rohit in a video released by BCCI.

Mumbai comes out in large numbers to salute World Champions

The Indian team was also felicitated at the Wankhede Stadium in Mumbai where both Rohit and star batter Virat Kohli shared their emotions on the joyous occasion.

Virat Kohli leaves for London after World Cup triumph celebrations in Mumbai

NEW DELHI. Star India batter Virat Kohli left for London late night in Mumbai after attending team India's T20 World Cup victory celebrations on Thursday, July 6. Notably, the Indian Cricket Team returned from Barbados via a chartered flight after being stranded in the country for three days due to Hurrican Beryl.

After long delay, the Men in Blue finally landed in Delhi and were given a rousing reception on their welcome. Prime Minister Narendra Modi hosted them for a special breakfast meet as he got involved in a light-hearted conversations with all the team members. Following that, the entire team travelled to Mumbai for a special road show where they posed with the trophy for a swarm of fans gathered to see their favourite stars up close.Rohit Sharma's men were also felicitated by the BCCI (Board of Control for Cricket in India) at the Wankhede Stadium in Mumbai where they brought the crowd to their feet with their dance moves and by singing the patriotic song Vande Mataram by AR Rahman.Despite enduring tiring day being involved in the celebrations, Kohli reportedly took the flight to London to be with his family. His Bollywood actor wife Anushka Sharma is reportedly in UK along with their two children Vamika and Akaay. Anushka was spotted at the Nassau County International Cricket Stadium in New York for the iconic India vs Pakistan game of the T20 World Cup but was never seen again attending matches in the tournament.Kohli finds form in the big finalMeanwhile, after struggling to score runs throughout the tournament, Kohli was adjudged Player of the Match in the final of the tournament for his match-winning knock of 76 (59). Heading into the final, the 35-year-old wasn't in the best of forms, opening the innings for the first time in the tournament's history scoring just 75 runs in the first seven matches.However, once the team desperately needed his services in the all-important final after reeling at 34/3 in 4.3 overs, Kohli performed at his vintage best and took them to a good score of 176/7 in their 20 overs.In reply, South Africa looked cruising towards a win needing just 30 runs off the last five overs. With the game slipping away, Indian seamers turned the match on its head with their tight bowling and eventually won the match by seven runs to help the team clinch their second T20 World Cup Trophy.

Lionel Messi's paneka penalty goes horribly wrong during Copa America 2024

- Messi missed the first penalty for Argentina in the shootout
- Martinez was the hero as Argentina won the shootout 4-2
- Argentina face Venezuela or Canada in the semi-final

NEW DELHI. Argentina captain Lionel Messi had a moment to forget during the quarterfinal against Ecuador as his attempt at a paneka penalty went horribly wrong on July 4, Thursday. The match between both teams was forced into a penalty shootout after the game had ended 1-1 at the NRG stadium in Texas. Messi, who has been struggling with injuries during the tournament, setup the opening goal in the game when his corner was flicked on by Alexis Mac Allister and onto the path of Lisandro Martinez, who made no mistake.

Ecuador turned on the heat on the World Champions in the second half and had a chance to level things from the spot, after a Rodrigo de Paul handball. Enner Valencia's penalty would then bounce off the post before Kevin Rodriguez forced the game into penalties with his goal in stoppage time. Since there is no extra time in Copa America this year, Messi was given the job to take the first penalty of the night. The Argentina skipper stepped up and tried an audacious attempt to put the ball into the back of the net.

However, the shot went on to clip the top of the crossbar and went over as the Ecuador goalkeeper had already gone the wrong way. You can check the video below:

Emi Martinez saves the day for Messi and ArgentinaIn the end, Messi's miss didn't come back to haunt Argentina as Emi Martinez came in to save the day. Martinez, who was the shootout hero in the final of the Qatar World Cup, saved Ecuador's first penalty attempt from Mena. He would then save the second one from Alan Minda as Argentina took the lead in the shootout.

Both teams would convert their next two penalties and Argentina went on to win the shootout 4-2 to progress to the semifinals.

Vanessa Hudgens

And Cole Tucker Welcome Their First Child

Vanessa Hudgens and her husband and baseball player Cole Tucker have not one but double reasons to celebrate. Cole Tucker turned 28 on July 3. What added to the joyous celebrations was the birth of his first child with his wife Hudgens. As the couple embraced parenthood for the first time, pictures sur faced on social media showcasing the new mom and dad leaving the hospital.While leaving the hospital, Vanessa Hudgens was clicked seated in a wheelchair, cradling her little one. Cole Tucker followed her closely behind with their bags and belongings in his hand. While the proud mother donned black sweatpants and a light blue button-down shirt, Tucker sported a casual look in a teal graphic hoodie, black shorts, and slides. The actress made sure to wear her sunglasses as the cute family made their way to their car.While details like the baby's sex and birthdate are yet to be confirmed, one thing is for sure the couple is taking their bundle of joy home to make Tucker's birthday an occasion for double celebration.

Despite the busy day, Hudgens did not miss the opportunity to shower love on her husband on his birthday. Posting a sweet carousel, the High School Musical star wrote, "Happy birthday to my slice of heaven @cotuck. you make the world a brighter place just by being you."

Vanessa Hudgens and Cole Tucker started dating in 2020. Three years later in 2023, they decided to take the plunge and got married in an intimate Bohemian ceremony in Tulum, Mexico. The actress initially kept her pregnancy news under wraps only to debut her baby bump on the Oscars 2024 red carpet in March. Previously, in an interview with E! News, she also expressed her hopes that her kids will appreciate her work one day. She said, "I'll show my kids all my work. That's why I chose things along the way in my career. I wanted to make sure that when I did have kids, there would be something for them to watch at every age."

Shweta Tiwari

Recalls Kasautii Zindagi Kay Lake Shoot With Snakes, Kids' Poop: 'Stayed In Water All Night'

Shweta Tiwari became a household name after she starred in Kasautii Zindagi Kay. The actress recently recalled filming a scene during the beginning of the show which turned out to be quite gross. She recalled staying in a lake all night, which was filled with kids' excreta and also had a snake crawling about.Speaking to Bollywood Hungama, she said, "It was really gross. Cezanne Khan and I were shooting for a sequence in one of the early episodes, where my character falls into a river, and Cezanne's character jumps in to save me. The story required our characters to stay in the water the whole night and only come out in the morning when someone else comes to help us. We were shooting this in Film City Lake and stayed in the water all night. In the morning, we realised that kids had been sitting on the edge of the lake and pooping there. I was like, 'Oh shit, we were in this water the whole night!' I also saw a snake crawling there, and realised it was in the water with us at night.The show remains one of the most popular serials on Indian television. During the promotion of the show's sequel, Ektaa Kapoor recalled how she came about to cast Shweta. She said, "I had seen Shweta in a show on Doordarshan. She was not even the lead and was standing far behind in one of the scenes. But something just struck, and I asked my team to reach out to the girl. As for Cezanne, he was already doing a show for us, and I felt the two suited the part completely."

Shweta Tiwari last appeared in the Amazon Prime Show, titled Indian Police Force, a Rohit Shetty directorial. She shared the screen space with Sidharth Malhotra, Shilpa Shetty Kundra and Vivek Oberoi. Her upcoming project includes Singham Again, another Rohit Shetty directorial. It stars an ensemble cast of Ajay Devgn, Kareena Kapoor Khan, Akshay Kumar, Ranveer Singh and Deepika Padukone. The film is set to release on November 1.

Shweta Tiwari is one of the leading names in the Indian television industry. After expanding her work to films, Shweta has also amassed impressive popularity on social media and remains her fans' favourite.

Armaan Malik's 1st Wife Payal SLAMS Devoleena Bhattacharjee: 'Jab Aapne Ek Muslim Se Shaadi Kari Thi...'

Armaan Malik's first wife, Payal has lashed out at Devoleena Bhattacharjee for questioning YouTuber's participation in Bigg Boss OTT 3. In a recent interview, Payal reminded Devoleena that even she faced online trolling when she married a "Muslim guy". Payal urged the actress not to interfere in their married life.Sabse pehle aap yeh dekhiye aap kitne criticise hue hai aapki shaadi ko leke. Jab apne ek Muslim guy se shaadi kari thi toh aapne bhi trolling ka saamna kiya tha. Main yhi kehna chahti hu, jab hum aapke life ke baare mein kuch nahi bol rahe toh aap bhi right nahi rakhte ho hamare relation ke baare mein bolne ke liye. (Firstly, see how much you were criticised after you got married. You also faced trolls when you married a Muslim man. I just want to say, when we did not say anything about your life, it is not right for you also to comment on our relationship)," Payal told Instant Bollywood.ast month, the 'Saath Nibhana Saathiya' penned down a long post and slammed the makers of Bigg Boss OTT 3 for inviting Armaan with his wives. "Do you think this is entertainment? This is not entertainment, it's filth. Don't make the mistake of taking this lightly because it's not just a reel, it's real. I mean, I can't even understand how anyone can call this shamelessness entertainment. I feel disgusted just hearing about it. Gross. I mean, in just 6/7 days love happened, marriage happened, and then the same thing with the wife's best friend. This is beyond my imagination," a part of her post read.For the unversed, Armaan married Payal in 2011 and they welcomed a son named Chirayu Malik. Six years later, in 2018, Armaan married Payal's best friend, Kritika, without legally ending his first marriage. On December 4, 2022, Armaan took the internet by storm as he announced the pregnancies of both Kritika and Payal. Armaan is now a father to four children: Chirayu, Tuba, Ayan, and Zaid.

Karan Kundrra Kisses Tejasswi Prakash In New Photo From London Vacation; Check Here

Karan Kundrra and Tejasswi Prakash are one of the most adorable couples and there is no doubt about it. The two never fail to show PDA and often set couple goals with their adorable pictures. On Thursday, Karan took to his Instagram handle and shared a series of pictures from his recent London vacation with Tejasswi Prakash.In the first picture, Karan was seen adoring Tejasswi in the backdrop of the London Bridge. Another photo featured the couple posing in front of the Buckingham Palace. In one of the clicks, Karan was also seen holding Tejasswi close as he also planted a kiss on her forehead. In the caption of his post, the actor wrote, "London Dump #1" and added, "All my pictures were clicked by my laadiiii btw ??." Check it out here:

Soon after the pictures were shared, fans rushed to the comments section to shower love on the couple. "So so beautiful pictures ?????? stay happy always ??," one of the fans wrote. "Nazar na lage," added another.It should also be noted that Karan's romantic photos with Tejasswi come days after the actor dismissed their breakup rumours. "This is imagination at its peak," he told the Times of India.

Karan Kundrra and Tejasswi Prakash's love story was no secret. The two met inside the Bigg Boss 15 house and fell in love with each other. Previously, in an exclusive interview with News18 Showsha, Karan shared that he and Tejasswi were going very strong and were unfazed by the questions about their marriage."To be honest, if I start taking pressure, then I won't be able to outperform. I am an artist and I am somebody who has to make some very critical decisions in my life," he told us and then added, "I have to worry about so many other things rather than the pressure. No offense but I cannot live my life if I take this pressure. (I am) Wise enough to know when what should happen.